

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राप्तिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

Jc

19/2487

सं. 4) नई विल्ली, शनिवार, जनवरी 24, 1987 (माघ 4, 1908)

No. 4] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 24, 1987 (MAGHA 4, 1908)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है ताकि इसके बहु अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this issue in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—भाग 1

(PART III—SECTION 1)

उच्च स्थानाधिकारों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और
भारत सरकार के संलग्न और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा दी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Controller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

कार्मिक एवं प्रशिक्षण, प्रशान्त मुद्रार,
लोक शिक्षायत तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई विल्ली-110003, विनांक विसम्बर 1986

सं. 10/1/85-प्रशान्त-5—राष्ट्रपति, फिलहाल प्रतिनियुक्त पर कार्यालय तमिलनाडु सरकार के अधिकारी श्री आर० श्रीनिवासन को 16-9-86 से 900-40-1100-द० रो०-50-1400 रु० के बेतनमात्र में कें० अ० ब्यूरो में "स्थानान्तरण" आधार पर वर्णित लोक अधिकारियोंक (ममूल "क" लाजपत्रित) के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 1 जनवरी 1987

एफ० सं. ए० 31016/9/86-प्र०-१(वि० प्र० स०)—
केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियन्त्रण एवं अधीन) नियमावली, 1985 के नियम 9(2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निदेशक/केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक/विशेष पुलिस स्थापना एवं द्वारा निम्नलिखित अधिकारियों को प्रत्येक के सम्मुख नीचे दर्शायी गयी तिथि से केन्द्रीय अन्वेषण

ब्यूरो में कार्यालय अधीक्षक के पद पर मूल रूप से नियुक्त करते हैं :—
क० अधिकारी का नाम के० अ० ब्यूरो में पद जिस पर के० म० तथा बतंमान दीनाती कार्यालय अधीक्षक अ० ब्यूरो में पहले का स्थान के पद पर मूल रूप ही स्थायी है, की से नियुक्ति की तिथि तिथि

सर्वश्री			
1. ई० सुदर्शन गव,	31-5-85	अपराध सहायक	
प्रशान्त-3 अनु०, मुख्यालय		3-8-79	
2. एम० नामसूचि,	31-5-85	अपराध सहायक	
मद्रास जोन, मद्रास		5-7-80	
3. उमाकांत शर्मा,	31-5-85	अपराध सहायक	
विशेष एकक, दिल्ली		5-7-80	
4. काली चरण,	28-7-86	अपराध सहायक	
चंडीगढ़ जोन, चंडीगढ़		1-5-81	
5. एम० एस० भाटिया,	31-7-86	अपराध सहायक	
विधि प्रभाग, मुख्यालय		1-5-81	

दिनांक 2 जनवरी 1987

सं० 3/44/86-प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूगे एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एतद्वारा, श्री दीपेन्द्र कुमार श्रीवास्तव को केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूगे में 28-11-1986 से अस्थायी रूप में लोक अधिकारीक के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 3/47/86-प्रशासन-5—निदेशक, के० श्र० ब्यूगे एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एतद्वारा असम पुलिस के अधिकारी श्री विस्वापति चक्रवर्ती, ए० पी० एस० पुलिस उपाधीक, को दिनांक 15 दिसम्बर, 86 पूर्वाह्न से ग्रामीण आदेश होने तक, के० श्र० ब्यूगे, कलकत्ता में प्रतिनियुक्ति पर स्थानापन पुलिस उपाधीक के रूप में नियुक्त करते हैं।

धर्मपाल भला
प्रशासन अधिकारी (स्थान)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूगे

गृह मंत्रालय

महानिदेशालय के० रि० पु० बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 23 दिसम्बर 1986

सं० न० ओ० दो०-2317/86-स्थान—राष्ट्रपति, श्री ई० के० मिसाओं, भारतीय पुलिस सेवा (प० बंगाल-1965) को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में 5 वर्ष की अवधि के लिए प्रतिनियुक्ति आधार पर रु० 2000-2250/- वेतनमान पर उपमहानिरीक्षक के पद पर सहृदय नियुक्त करते हैं।

2. तदनुसार उक्त अधिकारी ने उपमहानिरीक्षक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, इम्फाल का कार्यभार दिनांक 17-12-86 (पूर्वाह्न) को संभाला है।

सं० ओ० दो०-2318/86-स्थापना—राष्ट्रपति जी ने डॉक्टर मेनपाल सिंह को अस्थायी रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल इयटी अफिसर मेड-II (डी० एस० पी०/कम्पनी कमांडर) के पद पर 1 दिसम्बर 1986 पूर्वाह्न से सहृदय नियुक्त किया है।

दिनांक 31 दिसम्बर 1986

सं० ओ० दो०-1768/82-स्थान—श्री आर० आर० सिह भा० पु० सेवा (हरयाना-1961), पुलिस उपमहानिरीक्षक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, न्यू दिल्ली ने हरियाना राज्य को वापिस जाने के फलस्वरूप दिनांक 19-12-86 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार सौंप दिया है।

सं० डी० एक-46/86-स्थापना-1—श्री यू० बी० एस० टिक्टिया, सहायक कमांडर, 34 बटा० के० रि० पु० बल की सेवाएं दिनांक 28-11-86 (अपराह्न) से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल को प्रतिनियुक्ति आधार पर सौंपी जाती है।

प्रशोक राज महीपति
सहायक मिदेशक (स्थापना)

महानिदेशालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 29 दिसम्बर 1986

सं० ई-16013(1)/12/86-कार्मिक-I—प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति होने पर, श्री गोपाल प्राचारी, भा० पु० से० (बिहार : 66) ने 6 दिसम्बर, 1986 के पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट, बी० सी० सी० एल० फरिया के उपमहानिरीक्षक, के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 31 दिसम्बर 1986

सं० ई-16013(1)/13/86-कार्मिक-I—प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति होने पर, श्री वाई० आर० घूरिया, भा० पु० से० (य० टी०-66) ने दिनांक 17 दिसम्बर, 1986 के पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट, मुख्यालय, मई दिल्ली में उप महानिरीक्षक (अग्निशमन) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 31 दिसम्बर 1986

सं० ई-16013(2)/13/86-कार्मिक-I—प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति होने पर, श्री गणेश दत्त पांडेय, भा० पु० से० (पंजाब : 81) ने दिनांक 14 दिसम्बर, 1986 के अपराह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट, एन० ए० पी० पी० नरीरा के कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

(ह०) अपठनीय
महानिदेशक/के० ओ० सु० ब०

भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 30 दिसम्बर 1986

सं० II/5/84-प्रशासन—I—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश जनगणना निदेशक, लखनऊ के कार्यालय में उप-मिदेशक जनगणना कार्य श्री अख्खालक अहमद की 10 दिसम्बर, 1986 को हुई मृत्यु की सम्बेद घोषणा करते हैं।

वी० एस० बर्मा
भारत के महारजिस्ट्रार

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 31 दिसम्बर 1986

सं० 607/क—श्री बी० सी० लोध लेखापाल, भारत प्रतिभूति मुद्रणालय, नासिक रोड को लेखा अधिकारी (ने “ख” राजपत्रित) भारत प्रतिभूति मुद्रणालय, नासिक रोड के

पद पर वेतनमान रुपए 2375-3500 में सामान्य शर्तों एवं प्रतिबंधों के अन्तर्गत तदर्थं आधार पर दिनांक 16-12-1986 से 15-6-1987 तक छः माह के लिए अथवा उक्त पद नियमित आधार पर भरे जाने तक इसमें जो भी पहले हो, नियुक्त किया जाता है।

पा० सु० शिवराम
भारत प्रतिभूति मुद्रणालय
भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग
महालेखाकार (लेखा परीक्षा) का कार्यालय उड़ीसा
भुबनेश्वर, दिनांक 1 दिसम्बर 1986

स्था० प्रा० सं० 75—महालेखाकार (लेखा परीक्षा) प्रथम द्वारा इस कार्यालय के निम्नलिखित सहायक लेखा परीक्षा अधिकारियों को वेतनमान रु० 2375-75-3200-द० २०-१००-३५०० पर उनके नाम के आगे अंकित तिथि से भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग (प्रशासनिक अधिकारी/लेखा अधिकारी तथा लेखा परीक्षा अधिकारी) नियमावली 1964 के अनुसार स्थानापन्थ लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्त किए जाते हैं। उनकी पबोज्ञति उनके वरिष्ठ के बावें के पक्षपात के बिना न्यायालय में विचाराधीन मामलों पर उच्च/उच्चतम न्यायालय के प्रन्तिम निर्णय एवं तदर्थं आधार पर की गयी है :—

1. श्री सरोज कुमार भट्टाचार्जी 20-10-86 (पूर्वाह्न)
 2. श्री जी० सूर्यनक्षरायण मूर्ति 9-10-86 (पूर्वाह्न)
 3. श्री वी० सत्यमारायण-II 9-10-86 (पूर्वाह्न)
 4. श्री सुबोध घन्द्र राना 9-10-86 (पूर्वाह्न)
 5. श्री पी० अप्पा राव 9-10-86 (पूर्वाह्न)
 6. श्री वी० सुरेन्द्र राघव 9-10-86 (पूर्वाह्न)
- म० ग० महसकर
वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशा०)

भारतीय मंत्रालय
मुख्य नियंत्रक आयात-निर्णय का कार्यालय
मई विली, दिनांक 22 दिसम्बर 1986
(आयात एवं निर्णय आपार नियंत्रण)
(स्थापना)

सं० ६/९७८/७२-प्रशासन (राज०) / ६००९—राष्ट्रपति,
श्री पी० एस० मारायण स्वामी, सहायक मुख्य नियंत्रक, आयात-
निर्णय (केन्द्रीय आपार सेवा के घेड-3) को आयात एवं
निर्णय आपार संगठन में 6-11-86 के पूर्वाह्न से, आगले

आदेश होने तक, उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्णय (केन्द्रीय आपार सेवा घेड-2) के रूप में, नियुक्त करते हैं।

शंकर चन्द्र
उप मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्णय
कृते मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्णय

इस्पात और खान मंत्रालय
(इस्पात विभाग)

लोहा और इस्पात नियंत्रण

कलकत्ता-20, दिनांक 24 दिसम्बर 1986

सं० स्था० I-12(61)/83(1)—इस कार्यालय के दिनांक 4-12-85 की समसंबंधीक अधिसूचना तथा गृह मंत्रालय (राजभाषा विभाग) के दिनांक 26-6-86 के का० शा० सं० 9-3-82-रा० भा० (से०) के अनुसार श्री धीरेन्द्र कुमार झा, हिन्दी प्राध्यापक, हिन्दी शिक्षण योजना, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, कलकत्ता को नियुक्त इस कार्यालय में हिन्दी अधिकारी के हृषि में तदर्थं आधार पर अगले आदेश होने तक के लिए बढ़ायी जाती है।

यह आदेश लोहा और इस्पात नियंत्रक के अनुमोदन से जारी किया जा रहा है।

मनत कुमार मिहांग
उप लोहा और इस्पात नियंत्रक

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 31 दिसम्बर 1986

सं० 8632बी/ए-32013(4-निद०) (डी०)/84-19बी-राष्ट्रपति भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के डिलिंग अभियन्ता (वरिष्ठ) श्री जगदीश राम को नियंत्रक (डिलिंग) के रूप में उसी विभाग में नियमानुसार 1500-60-1800-100-2000 रु० के वेतनमान में स्थानापन्थ क्षमता में आगामी आदेश होने तक 12-9-86 पूर्वाह्न से पदोन्तति पर नियुक्त कर रहे हैं।

एन० के० मुख्य
वरिष्ठ उप महानियंत्रक (प्रचालन-I)
भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

भारतीय खान ब्यूरो

तापापुर, दिनांक 1 जनवरी 1987

सं० ए-19012(149)/85-स्था० ए० खण्ड II—श्री उमा घंकर लाल का राष्ट्रीय सांस्कृतिक सम्पत्ति संरक्षण अनुसंधान प्रयोगशाला, लखनऊ में कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी के

पद पर नियुक्ति हो जाने के फलस्वरूप उन्हें भारतीय खान ब्यूरो में दिनांक 12 दिसम्बर, 1986 के अपराह्न से सहायक रसायनविद् के पद से भारमुक्त किया गया।

हॉ. अपठनीय
सहायक प्रशासन अधिकारी
भारतीय खान ब्यूरो

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 1 जनवरी 1987

सं. प-38019/II/83-स्था०-I—भारत मौसम विज्ञान विभाग के निम्नालिखित सहायक मौसम विज्ञानी अपने नामों के सामने दी गयी तारीख और वार्षिक आयु पर पहुँचने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं:—

क्र० सं०	नाम	निवृत्ति दिनांक
1.	श्री के० पी० पात्र	31-8-1986
2.	श्री जी० रक्षित	31-8-1986
3.	श्री ए० ए० प्रधानगां	30-9-1986
4.	श्री ए० सी० विश्वास	30-9-1986
5.	श्री ए० आर० पटेले	31-10-1986

अर्जुन देव
मौसम विज्ञानी (स्थापना)
कृते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

अन्तरिक्ष विभाग
विक्रम साराभाई अन्तरिक्ष केन्द्र

तिरुवनन्तपुरम-695 022, दिनांक 18 दिसम्बर 86
स्थापना अनुभाग

सं. वी० ए० ए० सी०/स्थापना/एफ/1(17)—
निदेशक, वी० ए० ए० सी०, अन्तरिक्ष विभाग के विक्रम साराभाई अन्तरिक्ष केन्द्र में निम्नलिखित कर्मचारियों को पदोन्नति में वैज्ञानिक/इंजीनियर “ए० बी०” के पद पर १० २०००-६०-२३००-८० रु०-७५-३२००-१००-३५००/- के ग्रेड में अक्टूबर 1, 1986 के पूर्वाह्न से स्थानापन्न रूप में आगामी श्रावण तक एतदशारा नियुक्त करते हैं:—

क्र० सं०	नाम	प्रभाग/परियोजना
1	2	3
01.	श्री ए० के० सदाशिवन	ए० ए० ए० ए०
02.	श्री वी० पी० कुमुमन	सी० ए० एफ०

1	3	3
03.	श्री वी० सत्यनारायणा	ए० ए० ए० ए०
04.	श्री के० ए० जोर्ज	ई० ए० ए०
05.	श्री ए० कुष्णन	आई० ए० ए०
06.	श्री ए० सोमराजन आचारी	ए० ए० ए० ए०

के० जी० नायर
प्रशासन अधिकारी-II (स्थापना)
कृते निदेशक, वी० ए० ए० सी०

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 नवम्बर 1986

सं. प० 32013/1/83-ई० डब्ल्यू०—राष्ट्रपति, श्री ए० सी० गुप्ता सहायक निदेशक (उपस्कर) को 1-4-86 से 31-5-86 तक की अवधि के लिए अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें जो भी पहले हो, पदोन्नति पर उपनिदेशक (उपस्कर) नागर विमानन विभाग के ग्रेड में तर्वर्य आधार पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री ए० सी० गुप्ता को महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली में तैनात किया जाता है।

मुकुल भट्टाचार्जी
उप निदेशक प्रशासन

उद्योग मंत्रालय

कम्पनी कार्य विभाग

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेमर्स राजस्थान खण्डेलवाल एंटरप्राईज़ेज लिमिटेड के सम्बन्ध में।

जयपुर, दिनांक 30 दिसम्बर 1986

सं. सांख्यिकी/1249/9472—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 को उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह मूलता दी जाती है कि मेमर्स राजस्थान खण्डेलवाल एंटरप्राईज़ेज लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विवरित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेमर्स लड्डा लाइम इण्डस्ट्रीज़ प्राइवेट लिमिटेड के सम्बन्ध में।

जयपुर, दिनांक 30 दिसम्बर 1986

सं. सांख्यिकी/2114/9476—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह मूलता दी जाती है कि मेमर्स लड्डा लाइम इण्डस्ट्रीज़ प्राइवेट लिमिटेड का नाम प्रान्तरित करा जाए गया है और उक्त कम्पनी विवरित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मिस्र की भारती शिटफण्ड प्राइवेट लिमिटेड के सम्बन्ध में।

जयपुर-302001, दिनांक 30 दिसम्बर 1986

सं० सांख्यिकी/9480—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसारण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन महीने के अवधारण पर मैसर्स भारतीय थीट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित नहीं किए गए तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और कम्पनी विघटित कर दी जायेगी ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और वैसर्स देवा म्युश्युएल बेनिफिट फाईनेंसियल प्राइवेट लिमिटेड के सम्बन्ध में।

जयपुर, दिनांक 30 दिसम्बर 1986

सं० सांख्यिकी/ 1455—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन महीने के अवसान पर मैसर्स देवा म्युचूएल बेनिफिट फाईनेन्शियल प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित नहीं किए गए तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और भैसर्स बैराइटी सेविंग स्कीम प्रार्थिवेट लिमिटेड के सम्बन्ध में।

जयपुर, दिनांक 30 दिसम्बर 1986

सं० सालियकी/9488—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख के तीन महीने के अवधारण पर मैसर्स बैराइटी सेक्विंग स्कीम प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित नहीं किए गए तो रजिस्टर से काट प्रिया आयेगा और कम्पनी विघटित कर दी जायेगी ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स एवं क्लब लिमिटेड
के सम्बन्ध में।

जयपुर, दिनांक 30 दिसम्बर 1986

सं० सांख्यिकी/9492—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन महीने के प्रवसास पर भैसर्स एनेन क्लब लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित नहीं किए गए तो रजिस्टर से काट दिया जावेगा और कम्पनी विघटित कर ही जावेगी ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स फार इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड के सम्बन्ध में।

जयपुर, दिनांक 30 दिसम्बर 1986

मं० : सांचिकी/1261/9496—कम्पनी अधिनियम,
1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद-
द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस नारीब से तीन महीने के
अवसान पर मैसर्स फोर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का नाम
इसके प्रतिकूल कारण वर्णित नहीं किए गए तो रजिस्टर से काट
दिया जायेगा और कम्पनी विघटित कर दी जायेगी ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स नमक रसायन उद्योग प्राइवेट लिमिटेड के सम्बन्ध में।

जयपुर, दिनांक 30 दिसम्बर 1986

मं० मार्गियकी/1291/9500—कम्पनी अधिनियम,
1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्-
द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख के तीन महीने के
के अवधारण पर मैसरी नमक रक्षायन उद्योग प्राइवेट लिमिटेड का नाम
इसके प्रतिकूल कारण दर्शित नहीं नियंत्रण तो रजिस्टर से काट
दिया जायेगा और कम्पनी विबद्धित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स प्रकाश बोर्ड प्राइवेट
लिमिटेड के सम्बन्ध में।

जयपुर, विनाक 30 दिसम्बर 1986

सं० मांडियको/9504—कम्पनी अधिनियम 1956
की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसारण में एतद्वारा यह
मूल्यांक दी जाती है कि इस तारीख से तीन महीने के अवसान पर
मेसर्स प्रकाश बोर्ड प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल
कारण दर्पणत नहीं किए गए तो रजिस्टर से काट दिया जावेगा
और कम्पनी विघटित कर दी जावेगी ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स नवजीवन बनस्पति उद्योग प्राइवेट लिमिटेड के सम्बन्ध में।

जयपुर, दिनांक 30 दिसंबर 1986

सं० : सांख्यिकी/1302/9508—कम्पनी अधिनियम,
1956 की धारा 560 की उपचारा (5) के प्रत्युमरण में एतद-
द्वारा यह नूचना ही जाती है जिनकी वार्ता वनस्पति उद्योग
प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और
उक्त कम्पनी विवरित हो गयी है ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स नान फैरस मेटल्स एण्ड इन-ओरगेनिक साल्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के सम्बन्ध में।

"सी" स्कीम, जयपुर-302001

जयपुर, दिनांक 30 विसम्बर 1986

सं० सांखियकी / 1314 / 9812 — कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना वी जाती है कि इस तारीख से तीन महीने के अवसान पर मैसर्स राजस्थान नान-फैरस मैटल्स एण्ड इन-ओरगेनिक साल्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित नहीं किए गए तो रजिस्टर से काट दिया जावेगा और कम्पनी विघटित कर दी जावेगी।

बी० प्र० सिध्गल
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,
राजस्थान-जयपुर

आयकर अपीलीय अधिकरण

बम्बई-400 020, दिनांक 18 विसम्बर 1986

सं० एफ०-48ए०डी०(ए०टी०) 1986—श्री एस० के० खिक्कास, अधीक्षक, आयकर अपीलीय अधिकरण, बम्बई पीठ, बम्बई को तदर्थ आधार पर अस्थार्या क्षमता में सहायक फंजीकार के पद पर आयकर अपीलीय अधिकरण, गौहाटी पीठ गौहाटी दिनांक 24-11-86 अपराह्न से तीन माह की अवधि के लिए या तब तक कि उक्त पद पर नियमित नियुक्ति नहीं हो जाती, जो भी पहले हो नियुक्त किया जाता है।

उपयुक्त नियुक्ति तदर्थ आधार पर है और श्री एस० के० विश्वास को उप त्रैगो में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा नहीं प्रवान करेगी और उनके द्वारा तदर्थ आधार पर प्रदत्त सेवाएं न तो वरीयता के अभिप्राय से उस श्रेणी में गिनी जावेगी और न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोत्स्वत किए जाने की पावता ही प्रदान करेगी।

सं० एफ०-48-ए०डी० (ए०टी०) 1986—श्री डी० के० गुप्ता, हिन्दी अनुवादक, आयकर अपीलीय अधिकरण, अहमदाबाद पीठ, अहमदाबाद जिन्हें तदर्थ आधार पर, अस्थार्या क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर आयकर अपीलीय अधिकरण, अमृतसर पीठ, अमृतसर में दिनांक 5-8-86 से तीन माह की अवधि के लिए कार्य करने की अनुमति दी गयी थी देखिए इस कार्यालय की अधिसूचना सं० एफ० 48-ए० डी०-ए० टी० 1986 दिनांक 5-8-86 को अब आयकर अपीलीय अधिकरण, अमृतसर पीठ, अमृतसर में सहायक पंजीकार के पद पर दिनांक 5-11-86 से और दो माह की अवधि के लिए या जब तक उक्त पद हेतु नियमित भर्ती नहीं हो जाती जो भी पहले हो कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की जाती है।

उपयुक्त नियुक्ति तदर्थ आधार पर है, और यह श्री डी० के० गुप्ता को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा नहीं प्रदान करेगी और उनके द्वारा तदर्थ आधार पर प्रदत्त सेवाएं न तो वरीयता के अभिप्राय से उस श्रेणी में गिनी जावेगी और न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोत्स्वत किए जाने की पावता ही प्रदान करेगी।

सौ० एच० जी० कृष्णमूर्ती
वरिष्ठ उपाध्यक्ष

प्रास्तु वाई.टी.एन.एस.

बादकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
को धारा 269 प (1) के स्थीर सूचना

भारत शरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायव्य (निरीक्षण)
अर्जन रेज-5, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर, 1986

निवेश सं. आई० ए० सी०० /एक्य०० /५/एस० आर०/३/
४-८६—५४० अतः मृद्दि, श्री ए० के० मनचनदा

बादकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-के स्थीर सक्षम प्राधिकारी ये यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० स-१६ है तथा जो स्वामी नगर, कालोनी गाँव,
चिराग दिल्ली 300 वर्ग गज में स्थित है और इससे उपाखण्ड धन-
सूची में पूरी रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथा
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अंतरक (अंतरकर) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतर-
रण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में
उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया
गया है।

(क) बन्तरण से हाई नियती वाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के बीच कर देने के अन्तरक के
वायिक्ति में कमी करने या उससे बचने में सुधार
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी वाय शा किसी धन या अन्य आमिदों
को, जिस भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किसी जाना चाहिए था 'छपने में
सूचिता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धतः :-

(1) करतार कौर कोचर, पत्नि एस० कोचर
सी०-४८, जनकपुरी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मिसेस प्रभा भसीन 2, मिसेस पूनम भसीन 3 के
भसीन ई०-६, पंचमील पार्क, नई दिल्ली-११० ०१७
(अन्तरक)

जौ यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति भी अर्जन के विषय
कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र पर प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी वर्ग व्यक्ति द्वारा व्याप्रदाताभूमि के पास
लिखित रूप से किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रथम वाक्यों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के परिणामित है, वही वर्ग द्वारा जो उस अध्याय में विद्या
"या है।"

मनमूर्ख

सी०-१६, स्वामी नगर कालोनी, गांव चिराग दिल्ली। साथ
में कन्स्ट्रिक्शन लिंग। साकाशी 300 वर्ग गज।

ए० के० मनचनदा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आपूर्ति निरीक्षण)
अर्जन रेज-5, नई (दिल्ली

तारीख : 11-12-1986

मोहर :

प्रकल्प बाई० टी० एन० एस० -----

अधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आयोगीय, सदायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

ब्रजन रेंज-5, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर, 1986

निवेश सं० आई० ए० मी० /एक्य० /५/एस० आर०-३/
7-86/6250/11—अतः मुझे, ए० के० मनचन्दा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पास्तात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की पारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थान सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दूसरा खण्ड भाग है तथा जो तादादी 945 वर्ग
फीट प्राप्तीं नं० बी 1/2, दूजे खास, नई विल्ली में स्थित है और
इससे उत्तराधि अनुसूची में और पूर्वसूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दबावाम
प्रतिफल के लिए अन्तररक्त की गई है और
मूले यह विश्वास करने का कारण है
कि यह पूर्वोक्त ग्रामीण का उचित बाजार मूल्य, उसके दबावाम
प्रतिफल में, एवं दबावाम प्रतिफल में अन्तर वित्तित से अधिक है
और अंतरक (अत्यर्कों) और अंतरिती (अंतरितियों)
के द्वारा ए० से अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
दस्तऐश से उक्त अन्तरण लिंगित में वास्तविक रूप से अधिक
तर्हीं किया गया है :—

(६) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दबावित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(७) ए० से किसी आय ग किसी भा० या अन्य आमतयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
प्रत्येक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाम लगातारी दबावा प्रकट नहीं किया गया
था या विषय ताता आडिए था, लिपाने में अधिक
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के कन्त्ररण
में, वे उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपचारा (1)
के अधार नियमित व्यक्तियों, वाली है—

(1) भ्रजय कपूर सुपुत्र श्याम लाल कपूर, ए 6, एन० डी०
एस० ई 1, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मिर्सैस के० विविशाला नाम्बियार पत्ति के० जी०
नाम्बियार और कंजोली गोपाल कृष्ण बन्मियार
सुपुत्र स्व० आ० के० के नाम्बियार निवासी—ए०
1/49, सफदरजंग, एन्क्लेश, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि भाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वृक्ष किसी अन्य अधिकृत द्वारा विद्युतीय रूप से
वास लिए गए कानूनों के अन्तर्गत किए जा सकें।

स्थावीकरण:—इसमें प्रदूषक वासी और पर्यावरण का, जो उक्त
अधिनियम, या अध्याय 20-के में परिभ्रान्ति
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दूसरा खण्ड का भाग तादादी 945 वर्ग फीट प्राप्तीं नं० बी 1/2
तादादी 311 वर्ग गज होंगा खास, नई दिल्ली।

ए० के० मनचन्दा
सधम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
ब्रजन रेंज 5, नई दिल्ली

तारीख: 11-12-1986

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 5, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर, 198

मिदेश सं० आई० ए० सी० /एक्य० /५/एस०आर० ३/

७८६/६२५१/१२—अतः मुझे, ए० के० मनचन्दा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० प्रथम खण्ड की भूमि 960 वर्ग फीट प्राप्ती नं०बी 1/2, तादादी 311 वर्ग गज होज खास में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय में भारतीय रजिस्ट्रीफरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जुलाई, 1986

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल दिनांकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में प्राप्तविक ६८ से नीचे नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृहृ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिस्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्राप्तजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
भौं, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2—426 GT/86

(1) अजय कंपूर मुपुलर प्रायाम लालं कंपूर, द्वारा ए ६,
एन० नी० एम० ई १, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) इसीम सन्टेक प्रा० लि०, मेसर्स नवद्वीप प्रोपर्स प्रा०
लि०, मेसर्स अंगराम फाईनेंस लिमि० आ०र मेसर्स
नाचमो मेला मार्डिस द्वारा अमलेश आ०ग डगरवाला,
105, चीन्यू भाई मेंटर आथम रोड, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कोहियों दरता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बृथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोक्षताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्टटीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में गृहि परिभा० हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसूची

प्रथम खण्ड का भाग 960 वर्ग फीट प्राप्ती नं० बी 1/2,
तादादी 311 वर्ग गज, होज खास, नई दिल्ली।

ए०क० मनचन्दा
मत्रप पाधिकारी
महायकर आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 5, नई दिल्ली

तारीख : 11-12-1986

मोहर :

प्रारूप आहे. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यस्थि. सहायक वायकर वायकर (निरीजन)

अर्जन रेंज 5, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर, 1986

निदेश सं० आई० ए० सी० /एस्य० /5/प्रस० आर०/3/

१८६/८१४५— त� मस्ते प० के० मनचन्द्रा.

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-के अधीन सकलम प्राधिकारी को यह विषयात् करने का
पारण है कि भावत् मंपत्ति, जिसका उचित बाजार भूल
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 1/4, अधिभाज्य शेयर है तथा जो प्रापटी नं० सी 39, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में आंतर पूर्णरूप से अंशित है), रज्स्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (12908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का बारण है कि यथापूर्वोंकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान इसिफल का पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और बंतरख (बंतरको) और बंतरिती (बंतरितीयों) के बीच एसे बंतरण के मिए तर पाया जाया इसिफल, निम्नलिखित उद्धरेय से उपर बंतरख लिखित में वास्तविक रूप ने काखिल नहीं किया था है ।—

(क) उत्तराखण से हुई किसी वाय की बाबत, उत्तराखण अधिनियम के अधीन कर देने के अंतराल के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहिता जैसी घटना

(क) एसी किसी बाय या फिसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हे भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ वन्दनार्थी व्याप क्रेट नहीं किया गया था या किसी आनंद जाहिए था, छिपाने में सक्षमता के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, विभिन्नीकृत व्यक्तियों, वर्षा ६—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बत्स के अवधि के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उपर उपर्युक्त के विषय के सम्बन्ध में कोहरे भी नाश्वेष हैं—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन ली जबाबिध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की जबाबिध, जो भी जबाबिध वाले में समाप्त होती है, के भीतर एकांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान संपत्ति में हुए बषुण कियी अन्व व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरी वा पाल लिखित ग्रे किए जा सकते।

स्पष्टीकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

10

1/4, प्रविभाग्य शेयर प्राप्टी नं० सी 39, तालाबी 367
कर्ण गज, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली ।

५० के० मनवन्वा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्राम्यकर अप्पुकुत्ता (निरीक्षण)
ब्रजन रेंज ५, नई दिल्ली

तारीख : 10-12-1986
मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर, 1986

निवेश सं० आई० ए० सी० /एक्य० /५/एस०आर.-३/
९-८६/८१४३/६०—अतः मुझे, ए० के० मनचन्दा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1/4, अविभाज्य है तथा जो शेयर प्राप्ती नं०
सी-३९, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्वरूप से बण्ठित है), रजिस्ट्रीकरण प्रधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से ऐसे उद्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इसकी किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भौतिक अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जथात् :—

(1) एस० गुरुदत्त सिंह डुकराल, सी-३९, ग्रीन पार्क
मेन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री राजेश कुमार सी-४, ग्रीन पार्क मेन, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षणेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर प्रत्यक्ष
व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितदब्दिध
किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रामित
हैं, वही अर्थ होते हैं उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/4 अविभाज्य शेयर प्राप्ती नं० सी-३९, तादादी 367
दर्गे गज, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।

ए० के० मनचन्दा

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, नई दिल्ली

तारीख : 10-12-1986

मालूम :

प्रधान बाई, टी. एन. एच. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

सामग्री व्यवसाय

आयकर, राष्ट्रीय आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 विसम्बर, 186

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्य० /५/एस०आर०-३

9-86/8144—अतः मुझे, ए० के० मनचनदा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' भी कहा है), की भारा
269-प के अधीन संधर्म प्राधिकारी के, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर समाजि, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1/4, शेयर प्राप्ती नं० सी-59, ग्रीन पार्क,
नई दिल्ली में भारतीय रेजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख मितम्बर, 1986

माँ पूर्णका सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अव्याप्त
प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अव्याप्ति प्रतिफल से, ऐसे अव्याप्ति प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतिरिक्त (अतरकारे) और
अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
मात्रा गया अतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त संस्थान
लिखित एवं वास्तविक रूप में कठित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुए किसी बाय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अतिरिक्त के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या भूमि या अन्य वायित्वों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उससे अधिनियम, वा
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के अधीन अन्तरिक्त इकाय प्रकट ही किया
गया या वा किया जाना चाहिए ता. कियाए गए
दायित्व के लिए.

लेट. नं०, ८ अक्टूबर 1986 की भारा 269-प की अनुदरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :—

(1) गुरवधन सिंह ठुकराल, सी-39, ग्रीन पार्क मेन,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमुभाय बन्द ई-17, ग्रीन पार्क, मेन, नई दिल्ली।
(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्बन के लिए
कार्यकारी होगा करता है।

उक्त संपत्ति के अर्बन के संबंध में कोई भी आक्रमण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वह
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास
लिखित में किया जा सकते हैं।

लिखितरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों की, जो उक्त
अधिनियम, अध्याय 20-प में पर्याप्त हैं, वही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/4 भाग शेयर प्राप्ती नं० सी-39, तादादी 367 वर्ग गज,
ग्रीन पार्क मेन, नई दिल्ली।

ए० के० मनचनदा
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-5, नई दिल्ली

तारीख : 10-12-1986
मोहर :

प्रस्तुत बाह्य, टी. एन. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-5, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर, 1986

निदेश सं० आई० प० सी० /एन्य० /5/एस० आर०-3/

कृ० 9-86/8142/59—अत. मुझे, ए० के० मनचन्दा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० सी-39 है तथा जो ग्रीन पार्क, नई दिल्ली में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्वरूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

25-9-1986

को पूर्वोंकर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इधरमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृके यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंकर संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इधरमान प्रतिफल से ऐसे इधरमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में किसी करमें या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आविस्तरों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम को धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सरदार गुरचरन सिंह ठकराल, सी-39, ग्रीन पार्क
मैन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री श्याम सुन्दर निवासी—डी-17, ग्रीन पार्क मैन,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयांकिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोंकर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निस्सित में फिरे जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभ्रषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बनूसूची

1/4 भाग अधिभाज्य प्रो० नं० सी-39, तादादी 367 वर्ग
गज, स्थित ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।

प० के० मनचन्दा
सकाम प्राधिकारी
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-5, नई दिल्ली

तारीख : 10-12-1986

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एम. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 विसम्बर, 1986

निर्देश सं. आई० ए० सी० /एक्य० /५/एस० आर०/३/
7-86/6316/6—अतः मुझे, ए० के० मनचन्दा.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
घारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 1/18 भाग है तथा जो प्रो० नं. 12, ब्लाक-
बी, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (प्रीत इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्वस्थ से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1986

ओ पूर्वोक्त सम्पाद्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाथा गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
व्याप्तिशील रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हटा किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के व्यापक से
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में सुविधा
को लिए;

अतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—

(1) श्री अभिल खोसला पुत्र स्व० श्री प्रेम किशन खोसला,
कर्ता आफ श्री अभिल खोसला एण्ड फैमिली (एच०
य० एफ०) द्वारा अटारनी अरविन्द खोसला सुपुत्र
स्व० श्री पी० के० खोसला, निवासी—८२, उदय
पार्क, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री जितेन्द्र कुमार गुप्ता और श्रीमति अन्न गुप्ता,
निवासी २०७, हेमकुन्ड टावर, नेहरू, एस०, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कायांहृष्णं शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रबन्ध शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
रहा है।

अनुसूची

१/१० भाग, प्र० नं. 12, ब्लाक-बी, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली ।

ए० के० मनचन्दा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-5, नई दिल्ली

तारीख : 12-12-1986

मोहर :

प्राप्ति बाई० टौ० ए० ८००

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 दिसम्बर, 1986

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्य० //५/एस०आर०-३/
7-८६/६३१९/७—प्रतः मुझे, ए० के० मनचन्दा,

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (वित्त इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ए के अधीन भक्षण प्राधिकारी को यह विवरण करने का
का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है**

और जिसकी सं० 1/10 भाग, है गथा जो प्रो० नं० 12, ब्लाक-
बी, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाध्यक्ष अनुसूची
में और पूर्वाध्यक्ष से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की जाए है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पश्चात् प्रतिष्ठान से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हटाई किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम की वस्त्र छार बने के बास्तरक के
वायित्व में कही छारने वा उत्तरे वस्त्र वा लूंगा
वा विष; और/या

(घ) ऐसी किसी बाय या ऐसी भन या अन्य वास्तवियों
को चिह्न भारतीय आवकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना आहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

**उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसार
प्रति यह उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—**

(1) श्री अरविन्द खोसला पूर्व स्व० श्री पी० के०
खोसला, कर्ता आफ (एच० य० एफ०) अरविन्द,
खोसला एण्ड फैमिली नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री जितेन्द्र कुमार गुप्ता और श्रीमति चन्द्र गुप्ता,
निवासी—207, हे० मकुन्ड टावर, नेहरू प्लैस, नई -
दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीय शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षणेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन छोड़ अर्थात् या अन्तर्वार्षिक व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्राप्तिकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के ये परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया
जाता है।

अनुसूची

1/10 भाग, प्रो० नं० 12, ब्लाक-बी, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली,
तारादी-500 वर्ग गज।

ए० के० मनचन्दा
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-5, नई दिल्ली।

तारीख : 12-12-1986

मोहर :

प्रस्तुत अधिनियम, दौ. पंत. एवं, "—

कांगड़ा लोअरेंजमें, 1961 (1961 का 43) का
भाग 269-ष्ठ (1) के अधीन सूचना

प्रस्तुत सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जनरेंज-5, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 दिसम्बर, 1986

निवेश सं० आई० ए० सी० /एक्य० झ० 5/एस० आर०-३/
7-86/6318/8—आतः मुझे, ए० के० मनचन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष्ठ के अधीन वस्त्र आयकर आयुक्त को यह विवाह करने का
कारण है कि व्यापार सम्पत्ति, विसका अधिकार वाचार वृद्धि
1,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1/10 भाग है तथा जो प्री० नं० 12- ब्लाक-बी,
ग्रीन पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध प्रनुसारी
में और पूर्वस्थ से बण्डि है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1986

को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित वाचार वृद्धि से कम के व्यवाह
शीघ्रता के लिए अस्तित्व की गई है और मूले यह विवाह करने का
कारण है कि व्यापक वृद्धि के उचित वाचार वृद्धि, उक्ते स्थानालं प्रतिक्रिया, और
व्यवहार के अधीन है और व्यवहार (अवश्यक) और
अस्तित्व (अस्तित्वात्मा) वे दोनों अवश्यक के लिए वृद्धि
वाचार गया प्रतिक्रिया, विभिन्निकित व्यवहारों के उपत व्यवहार
निवित में व्यापक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ दिल्ली जाय की आवत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती व्यावार प्रकट नहीं किया गया
गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए.

नमूना वाचक अधिनियम की धारा 269-ष्ठ के व्यवहार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष्ठ की उपर्याप्त (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अधिक :—

(1) रक्षित खोसला सुपुत्र स्व० पी० के० खोसला,
कर्ता श्राफ (एच० थ० एफ०) रक्षित खोसला द्वाला
अटारनी अरविन्द खोसला, सुपुत्र श्री पी के० खोसला,
निवासी—82, उदय पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री जिनेन्द्र कुमार गुप्ता और श्रीमति चन्द्र गुप्ता,
निवासी—207, मनुकुंड टावर, नेहरू प्लैस, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीकृत सम्पत्ति के अंतर के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सूचित की वर्धन के व्यवस्था में कांहूँ भी आवारे :—

(क) इस सूचना के व्यवस्थ में प्रकाशन की तारीख दे
45 दिन की अवधि या तस्वीराती अविक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत
व्यक्तियों द्वे से किसी व्यक्ति प्राप्त;

(ख) इस सूचना के व्यवस्थ में प्रकाशन की तारीख दे
45 दिन के भीतर उक्त स्थान सम्पत्ति में हितवृक्ष
किसी अम्ब अविक्षित इवाय अभोहसामरी के पाल
प्रिवित में किए था सक्ते।

व्यवहारात्मक :—इसमें प्रयुक्त वस्त्रों और पर्वों की, जो उक्त
व्यविवेष के व्याय 20-के में परिविहित
हैं, वही वर्ष होता जो उक्त व्यवस्था दे दिया
गया है।

मनुकुंड

1/10 भाग, प्री० नं० 12- ब्लाक-बी, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली
तादादी-500 वर्ग गज।

ए० के० मनचन्द्रा
सक्तम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जनरेंज-5, नई दिल्ली

तारीख : 12-12-1986

मोहर :

प्रधान, बाहुद. दी. एन. पर., *****

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
“२६९-ए (१) के अधीन सूचना

भारत लोकालय

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-ज-5, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 दिसम्बर, 1986

निदेश सं० आई० ऐ० सी० /एथ्य०० /५/एस०आर०-३/
७-९६/६३१७/७—प्रतः मुझे, ए० के० मनचन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1/10 भाग है तथा जो प्रौ० नं० 12, ब्लाक-बी,
ग्री नं पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायदृ अनुसूची में
पूर्वेष से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अध्यमान प्रतिफल से, एसे अध्यमान प्रतिफल का
प्रमाण प्राप्तशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वा वास्तविक
कर द्या जायेगा किंतु यहाँ किया गया है—

(१) अन्तरक हूर्द किसी आय की दस्ता, अन्तर
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
शावित्र है करने वा उक्त दस्ता दस्तावेज़ से दूरिता
के लिए, जारी/या

(२) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
पर, जिनके अन्तराय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
पन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया गया थाहिं १२, “अन्तरक”
दृष्टिया ली गिए।

बहु: बहु, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (१)
के अधीन, निम्नलिखित अविस्तरों, अर्थात् :—
3—426 GI/86

(१) श्रीमति विन्नी धन, निवासी—जदय पार्क, नई दिल्ली।
(अस्तरक)

(२) श्री जितेन्द्र कुमार गुप्ता श्रीमति^१ चन्द्र गुप्ता,
निवासी—२०७, नं० मकुन्ड टावर, नेहरू प्लैस, नई
दिल्ली।

(अन्तरिती)

वो यह सूचना आरी करने पूर्वी उम्मीद के बर्देव के लिये
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जानकारी :—

(१) इह सूचना जो राष्ट्रपति ने प्रकाशन की तारीख है
४५ दिन की अवधि या तत्त्वान्वयी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(२) इह सूचना के राष्ट्रपति ने प्रकाशन की तारीख है ४५
दिन के भीतर उक्त उत्तर अन्वार अन्वारित विली
बद्ध अवधि द्वारा, विलीबद्ध अवधि के दाय विली
में किए जा सकेंगे।

प्रकाशकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय २०-के विभिन्नान्वय
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

विली

१/१० भाग, प्रौ० नं० 12, ब्लाक-बी, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली
तारादी-५०० वर्ग गज।

ए० के० मनचन्द्रा
सक्षम प्राधिकारी
महायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-५, नई दिल्ली

तारीख: 12-12-1986

मोहर:

ପ୍ରକାଶ ଆମ୍ବାଦି, ଲେଖକ, ପ୍ରକାଶକ, ।

(१) मनोहर लाल खरबन्दा सुपुत्र स्व० हरि चन्द खरबन्दा,
पी-१/१५, हौज खास एक्स्क्लेव, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

बायकर अंभिनियम, 1961 (1961 का 43) का।
पारा 269-ए (1) के अधीन तुलना

(2) हिंडन प्रावर्टी प्रा० लि०, द्वारा डायरेक्टर शालिती
खन्ना पृम-51, ग्रेटर कैलांग-2, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, नई दिल्ली

नई दिल्ली, क्रिनांक 14 नवम्बर, 1986

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्य० ५/एस०आर०-३/९-८६
४२०३/६३—ग्रतः ममे, ए० के० मनचन्दा,

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा था है), की धारा
269-के अधीन सकल प्राधिकारी को यह विवाह करने का
कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, विवाह उचित बाजार में
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और हजारसकी सं० प्राप्टी न० की-१/१५ तादादी २५८ वर्ग गज, छोड़ खास एन्केलेव, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्वकृति से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन, तारीख सितम्बर, १९८६

वां पूर्वोक्त सम्पत्ति के चरित्र बाजार मुक्ति से कम के दृश्यमान प्रतीकल के लिए वंतुरित की गई है और मुझे यह विष्णाह कृत्तने का बारबर है कि वधुत्यर्थक सम्पत्ति का अंक बाजार मुख्य उसके दृश्यमान प्रतीकल में, ऐसे दृश्यमान प्रतीकल का व्याप्ति प्रतीक है और अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्त-रिती (बन्तरीतियों) के बीच ऐसे बन्तरक के बिंदुए तथा वाहा बन्त-रितक चिन्मतिवित उत्पत्तेव वे उत्तर बन्तरक बिंदुत्त द्वारा सम्पत्ति का विषय नहीं हिता चला है।

ओ यह सुनता जारी करके प्रौद्योगिक सम्पत्ति के अर्जन के लिए उनका विवरण देता है।

जिस वर्षीय के अंत में यह विद्या हो जाएगी तो आपको भी बहुत अच्छी

(क) इस सचिवालय के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि पर हस्तांकी व्यक्तियों पर युक्ति की तारीख से 30 दिन की बद्धिधि, जो भी अवधि बाद में स्थापित होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों द्वारा किसी व्यक्तियोगीता के द्वारा

(ध) इस सुनियोग के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के बीतेर उक्त स्वाप्त्र लम्बाईयों में फिलहाल विद्युती अन्ध व्यासिक इवाण अपौष्टि-सामारी के राजपत्र में दिखाया गया है।

सांख्यिकरण — इरामें प्रयुक्ति शब्दों और पदों का, जो उष्टुप्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्टित
है, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में
‘विद्या गता’ है।

(क) बन्धुता के दृढ़ किसी वायर को बन्धुता नहीं
बन्धुताका ले बन्धी वायर देने के बन्धुताका ले
बन्धुताके दृढ़ किसी वायर को बन्धुता वायर के दृढ़ बन्धुता
के लिए जाइए।

卷之三

प्राप्टी नं० बी-१/१५, लालारी २३८ बरगज, होज बास,
एम्बलेव, नई दिल्ली।

(ब) एसी किसी भाष्य वा भने वा बन्द भास्तुओं को, जिसके भारतीय भाष्य-वर्त अधिनियम, 1923 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या इन-वर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रदोषनार्थ अंतरिक्त बनाए रखके नहीं किया गया वा वा किया बाना चाहिए था, जिसमें मृशिला वे छिपे;

४० के० मनचन्दा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भ्रात्यकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-५, नई दिल्ली

अतएव यत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-के अपभारा (1) के अधीन, विलोपित अविवादी, अर्थात् ५—

तारीख : 14-11-1986

मोहर :

प्रधान आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1.4 नवम्बर, 1986

निवेश सं० आई० ए० सी० /एक्य० /५/ए०ग्रा० ३/
८८६/८०४८/५८— अतः मुझे, ए० के० मनचन्दा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा
269-ष के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाईट नं० एन 9 है तथा जो ग्रीन पार्क एक्स-
टेंशन, नई दिल्ली तादादी 311 वर्ग गज में स्थित है (और इससे
उपावड़ अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधि-
कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवधान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मूल्य यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापवाक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एक
इश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है
जारी अंतरक (अंतरको) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा याय ग्रांटफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वान्तविक रूप से फिरत
महीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ किसी आव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
वायिक्ति में कमी करने या उसके बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्त व्यापार प्रकट नहीं किया गय
या या किसी आना आहिए था, जिसमें में सुविधा
के लिए;

(1) फतेह बहादुर मुमुक्षु बाबू भगवान बास, निवासी—
एम 7, ग्रीन पार्क, एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

अंतरक)

(2) डा० एस० के० जैन, श्रीमति जयमाला जैन, और
सुदीप किशोर जैन, 541, ग्रा० सी० देहलवी,
मार्ग, दिल्ली।

(अन्तरिक्त)

वे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी वास्तेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों भी से किसी व्यक्ति हिवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर भंपति में हितदंशध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूसूची

प्लाट नं० एन 9, ग्रीन पार्क, एक्सटेंशन, नई दिल्ली तादादी
311 वर्ग गज।

ए० के० मनचन्दा
मकान प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 5, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपशारा (1)
के कानून, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवधि :—

तारीख : 14-11-1986

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमति रेम कुमारी पत्नि एल० डी० बेंग, 80
आनन्द लोक नई दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ष (1) के अधीन सूचना(2) श्रीमति जसबीर कोर पत्नि एस० रविन्द्र सिंह द्वारा
रविन्द्र सिंह बींग, गोपीनाथ बाजार, दिल्ली कैट,
दिल्ली।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रेंज 5, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 नवम्बर, 1986

निवेश सं० आई० ए० सी० /एक्य० /५/एस०आर० ३/
९ ८६/८६०/५७—अतः मझे, श्री अशोक मनचन्द्रा,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाता है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० प्राप्ती बीर्यरिंग नं० 89 है तथा जो आनंद
लोक, नई दिल्ली तादादी 392.7 वर्ग गज में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णसूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर,

1986

को पूर्खेत्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

(क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अशोक मनचन्द्रा
मक्षम प्राधिकारी
वस्त्रायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज-5, नई दिल्लीअतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभाषा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अपार्ट :—

तारीख : 14-11-1986

मोहर :

प्रधान वार्ष. ठी. पर. एव.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) वा.
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

वाचक वाचक

वाचक, वाचक वाचक वाचक (निरीक्षण)

अर्जन रेज 5, गई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 नवम्बर, 1986

निदेश सं० ग्राइ० ए० सी० /एक्य० /५/एस०ग्राइ० ३/
१८६/४१२/६६—श्रतः मुझे, अशोक मनचन्दा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० एच 31, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (और
इससे उपादान अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में शोरतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मितम्बर,
1986

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित भाजार मूल्य से कम के स्थावर
प्रतिफल के लिए अतोरंत को गहरा है और नहीं यह विश्वास
करने का कारण है कि वाचकवाचक सम्पत्ति का उचित भाजार
मूल्य, उसके खयाल प्रतिफल से, ऐसे खयाल प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (बंतरको) और बंत-
रिती (बंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तथा याया
गया प्रतिफल निम्नचिह्नित उद्धृत यथा उक्त बंतरण निम्नित
में वास्तविक रूप में लिख लगा है—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी बाय की भावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के बल्लक के बायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जम्य वास्तवी
को हृदृ भाड़ीय बायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भृ-
क्तु अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ बल्लरी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, जिसने में सुविधा
के लिए।

बायकर अधिनियम की भारा 269-व की अनुसूच
में, भृ- उपर अधिनियम की भारा 269-व की अनुसूच (1)
के अधीन, निम्नसिद्धित अधिनियम, वर्षा 1—

(1) ग्रंथित चौधरी, पन-7, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली ।
(अन्तरक)

(2) श्रीमति कौशलया देवी पुरी, डी-127, छिकेस कालोनी
नई दिल्ली ।
(प्रतिरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है ।

उक्त इम्प्रेस के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आवाय :—

- (क) इस सूचना के उद्देश्य में प्रकाशन की तारीख व
45 दिन की अवधि या तत्त्वावधि अधिकसे १५
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, या भी
अवधि वाले समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी स्विकृति नहीं;
- (ल) इस सूचना के उद्देश्य में प्रकाशन की तारीख व
45 दिन के भीतर उच्चन स्थावर सम्पत्ति में हितमतिध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वाषेहस्ताकरी के पास
लिखित में किया जा सके।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होता हैं जो अध्याय में दिया
या है ।

ग्रीन पार्क

40% शेयर प्राप्ती जो नीचे दी गई है एच-31, ग्रीन पार्क
एक्सटेंशन, प्रथम खण्ड, नई दिल्ली ।

अशोक मनचन्दा
मक्षम प्राधिकारी
महायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज -5, नई दिल्ली

तारीख : 14-11-1986

मोहर :

प्रकल्प बाई, लौटे एवं प्रदान करने का विषय

(1) इन्द्र राव, बी-15 नारायणा, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ए (1) के वधीय वक्तव्य

साक्षर वक्तव्य

साक्षरता, बहुवक्त बायकर वक्तव्य (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 14 नवम्बर, 1986

निदेश सं. आई० ए० सी०/ एक्स० /५/एस०आर०-३/
९-८६/४४१३/६५—अतः मुझे, अशोक मनचन्दा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ए के वधीय वक्तव्यम् प्राधिकारी के यह विवाह करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. एच 31 है तथा जो ग्रीन पार्क एक्सटे नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्वोप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय, नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
वधीय, तारीख सितम्बर, 1986

के पूर्वोक्त संघित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मध्य
यह विवाह करने का कारण है कि वधापूर्वोक्त
संघित का उचित बाजार मूल्य, उसके दूसरमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितायों) के दोनों एसे अन्तरण के लिए तथा यथा
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निरीक्षण
में वास्तविक रूप सं कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हटे किसी वाय की वारता, उक्त
अधिनियम के वधीय कर देवे के अन्तरक के व्यापिता
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ग) ऐसी किसी वाय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या खनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के व्यापिता-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया या या
या किया जाता चाहिए था, उक्त व्यापिता के
लिए;

बन्दूची

60% औंगर प्राप्ती का भाग, न-31, ग्रीन पार्क, एक्सटेशन,
नई दिल्ली।

अशोक मनचन्दा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-5, नई दिल्ली

वाय वक्त, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की वक्तव्य
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1)
के वधीय, निम्नलिखित व्यक्तियों, अन्तिः—

तारीख: 14-11-1986
मोहर:

प्रस्तुप आइ. टी. एन. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रांजन रेंज 5, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12-12-86

निदेश सं० आइ० ए० सी०/एक्य०/५-३७ई०-II-८६/९६

अतः मुझे, श्री ए० के० मनचंदा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी करे यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु में अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो 2/50 सर्व प्रिय विहार
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रांजन रेंज नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1961 के अधीन तारीख अक्टूबर 86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के निए अन्तरिती की गई है और भें यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे है दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सहित
के लिए; और/प्रा

(ख) एमें किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहित
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के, अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम को भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ओम प्रकाश नयर, 206. पलीमेट अपार्टमेंट
15वीं लेन, प्रभात रोड, पूना

(अन्तरिती)

(2) श्रीमती कौशल्या गानी मल्होत्रा, और श्री अनिल
कुमार मल्होत्रा 2/50, सर्व प्रिय विहार
नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में बोहर भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या स्तरसंबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की सामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अधीध बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास
निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मंजिल स्टोरी मकान नं० 2/50, सर्व प्रिय विहार
नई दिल्ली, घाट 159 वर्ग गज।

ए० के० मनचंदा
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रांजन रेंज-5, नई दिल्ली

तारीख : 12-12-86

मोहर :

प्रध्यय बाहू, टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

269-व (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण)

अर्जन रेंज 5, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 दिसम्बर, 1986

निदेश सं ० आई० ए० सी०/एक्यू/५/३८६६/४-८६/८४-
अतः मुझे श्री ए० के० मनचंदा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के वधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थानीय संघित, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी म० है तथा जो ए-1/231, सफदरजंग
एन्कलेव, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावस्था
अमुसूमी में और पूर्ण रूप से वर्णित है) कार्यालय सहायक आयकर
आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज 5, नई दिल्ली में भारतीय
आयकर अधिनियम 1961 के वधीन तारीख अक्टूबर 86
को एक्यू/५/३८६६/४-८६/८४- के उचित बाजार मूल्य से कम के राज्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोंका सम्पर्क का उचित बाजार मूल्य,
उसके उच्चमान प्रतिफल से ऐसे उच्चमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मैं
शास्त्रिय रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हटा किसी नाम की बाबत, उक्त
अधिनियम के वधीन कर दन के अन्तरक के
शायित्र मैं कठीन करने या उक्त उच्चमान से निवापा
के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी बाय या किसी भूत या अस्तित्वों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भू-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
पायाजनार्थ अन्तरिती इकाय प्राप्त नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मैं सुविधा
के लिए;

अतः बत, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अन्तरण
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपचाग (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री श्री० पी० बता, ए०-२१७, ग्रेटर कैलाश
भाग-१, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) मिसेस बिटोनी एन० मी० थोरवेलडसिन पत्नी
पीटर थोरवेलडसिन ७१, मुंदर नगर, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पर्क के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संघित के वर्जन के संबंध में कोई भी वास्तव नहीं

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तित्वों द्वारा
सूचना की सारी रूप 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाले मैं समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों मैं से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में इकायन की तारीख वे
45 दिन के भीतर उक्त स्थानीय संघित में हितवड़न
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास
लिखित मैं किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर
अधिनियम के अध्याय 20-के मैं परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

मनचंदा

ए-१/२३१, सफदरजंग एन्कलेव, नई दिल्ली

ए० के० मनचंदा
मकाम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरक्षण)
अर्जन रेंज-५, नई दिल्ली

तारीख: 12-12-86

मोहर:

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 विसम्बर, 1986

निवेश सं. आई.ए० ए० सी०/एक्य०/५/३७६६/१०-८६/८७

अतः मुझे श्री ए० के० मनवंदा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो सी-२/५२वी, एम०
ठी० ए० नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जन रेंज 5 नई दिल्ली में भारतीय आयकर
अधिनियम 1961 के अधीन तारीख अक्टूबर 1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दस्यमान प्रतिफल से ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पंदरा प्रतिशत से अधिक है और (वंतरकां) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उपर्योग से उक्त अन्तरण निश्चित
वास्तविक रूप से कीपत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँड़ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर वनें के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना आविहाय था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4—426 GI/86

(1) श्रीमती आणा रानी और श्री राजिनदर खुराना
30/62, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अम्लरक)

(2) श्री राजकुमार अरोड़ा और श्रीमती मुरिन्दर
रानी 56, बांडारी गोड, आगरा य० पी०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यपालिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि नाव में समाप्त होता है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया
गया है।

मनवंदा

सी-२/५२वी, एम डी ए, नई दिल्ली

ए० के० मनवंदा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 5, नई दिल्ली

तारीख : 12-12-86

मोहर :

प्रस्तुत शाहौद, टी. एल. एच. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरिक्षण)

अर्जन रेंज 5, नई दिल्ली
नई दिल्ली, विनांक 11 दिसंबर, 1986
निरेगा सं० आई० ए० सी०/एक्य०/५/३७६६१/१०-८६/७८
अतः मुझे श्री ए० के० मनचंदा
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उल्लेख 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

झीर जिसकी सं० है तथा जो बी-२/७१, सफदरजंग
डेवेलपमेंट प्रवासीय स्कीम नई दिल्ली में स्थित है (झीर इससे
उपरबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है कार्यालय, सहायक
आयकर आयुक्त (निरिक्षण) अर्जन रेंज 5, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1961 के अधीन तारीख
प्रक्रम्य 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधिनियम
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्यामान प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे असरण के लिए तब
विकल्प गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
अन्तरत म दातादिक एवं वे कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से दूर रखी जाव की वादव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कावी करने या उक्त अंतरक में सूचिता के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जीस्तयों
को जिसके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जावा भा-
या किया जाना चाहिए था, जिसने वे सूचिता के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए को उपराण (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धातः :—

(1) श्री महाराज कृष्ण मठू और अवतार कृष्ण मठू
सुपुत्र श्री द्वारका नाथ मठू निवासी वालियार्मसिंग
हाउस, प्रथम बूज, श्रीनगर, कश्मीर।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती रानी सचदेवा और श्रीमती शशि सचदेवा
ई-५१२, कैलाल कालीनी, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यकारीयों द्वारा करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्तमावधि अधिकतम पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा कधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लिखितरण:—इसमें प्रम्यक्त सम्बोधी और पर्यावरण का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के वे परिभाषित
हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बी-२/७१, सफदरजंग डेवेलपमेंट प्रवासीय स्कीम नई दिल्ली

ए० के० मनचंदा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)
अर्जन रेंज 5, नई दिल्ली

तारीख: 11-12-86

मोहर:

प्रस्तुप आई. टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा)

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(1) मि० पुरोषोत्तम नारायण भेहरा, निवासी-4ए,
वाकिल लेन, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बीना साहनी, 803, आकाश दीप
बिल्डिंग, बाराबहाम्बा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

अर्जन रेज 5 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 दिसम्बर, 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/५/३७६६/११-४६/८९

अतः मूल्य श्री ए० के० मनचंदा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० सी-६/६ है तथा जो सफदरजंग विकास
रेजिडेन्शल स्कीम, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे
उपब्रह्म अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) कार्यालय, सहायक
आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 5 नई दिल्ली में
भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन सारीख
10-11-1986को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से ऐसे छयमान प्रतिफल का
प्रदृढ़ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
धारात्मक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हूँड़े किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

सी०-६/६, सफदरजंग विकास रेजिडेंसिल स्कीम मई
दिल्ली, तावारी-८०० बर्ग गज।ए० के० मनचंदा
सक्षम प्रधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-५, नई दिल्लीअतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 9-12-1986

मोहर :

प्रकाश बाहरै.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 दिसंबर 1986

निम्नेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्य०/५/३७६६/११-८६/९२—

अतः मुझे, ए० के० मनचन्दा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विस्तृत इसमें इसके पश्चात् 'उक्ता अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन संसद अधिकारी को मृदू विश्वास करने का आग्रह है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 82 है, तथा जो ए८० ए८० सी०-कम-आफिस काम्पलैक्स सफरगंग रेजिञ्चेसियल स्कीम, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण स्पैस से वर्णित है), कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 5 नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख 13-11-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवधारणा प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विवाद करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अवधारणा प्रतिफल से, ए८० ए८० से अवधारणा प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ए८० से अन्तरण के लिए तथा पाश गंया प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण निम्निति में वास्तविक रूप है कि उक्त अन्तरण किया गया है :—

(क) अन्तरण में हाउंड किसी वाद की दावत, अक्षत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्त अन्तरण में मूर्चिभा के लिए; और/या

(ख) ए८० किसी काव या किसी धन या अन्य आर्थिकों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अमेरिका अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूर्चिभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री अशोक कुमार जैन एण्ड ब्रदर्स, सी-49, नई दिल्ली साउथ एक्सटेंशन-1, नई दिल्ली (अन्तरक)
- (2) सरदार मोहिन्दर प्रताप वर्ष एण्ड ब्रदर्स, निवासी 551/1आर, माउल टाउन, जालन्धर (पंजाब) (अन्तरिती)

की यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित कार्यालयाद्वारा है।

उक्त संपत्ति के उचित के सबूत में काइं भी जाहें :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्पंचांधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधिया जो भी अवधिया बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिस्ताक्षरी के पाव लिखित रूप में किए जा सकेंग।

स्वीकारण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन 20-के में परिभ्रान्त हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनचन्दा

82, ए८० ए८० सी०-कम-आफिस काम्पलैक्स, सफरगंग रेजिञ्चेसियल स्कीम, नई दिल्ली।

ए० के० मनचन्दा
मक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-5, नई दिल्ली

दिनांक : 5-12-1986

मोहर :

इकाई नाम, टी. एस. एड. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
उपर 269-क (1) के अधीन दृष्टवा

भारत सरकार

कालांश्व, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर 1986

निवेश स. 0 आई० ए०सी०/ए०क्य०/5/37ई०/4-86/2934--

अतः मुझे, ए० के० मनचंदा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके उपर 'उक्त अधिनियम' कहा जाता है), को उपर 269-क के अधीन सकाय प्राधिकारी को वह विवाद खर्चे का कारण है कि स्थायक अधिकारी, जिसका उचित वापार अल्प 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मूल्य है तथा जो बी-5/188, मफदरजंग आवासीय स्कीम, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-5, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक अप्रैल, 1986

को दर्शावता सम्पत्ति के उचित वापार अल्प से कम से अवधारण अधिकारी को निए अन्तरित की गई है और उसे वह विवाद खर्चे का कारण है कि अपार्कोक्त सम्पत्ति का उचित वापार अल्प, उसके अवधारण प्रतिफल में, ऐसे अवधारण प्रतिफल का इन्हे प्रतिवात से अधिक है और अतरक (अतरकी) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा तथा तथा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से उत्तर कियी जाने की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय में कमी करने या उससे अचने में सुविधा न हो; और/वा

अनुसूची

(ख) ऐसी कियी जाने का नाम वा अवधारणी को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा उनके अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अस्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया जाना जा वा किया जाना चाहिए जा, कियावे वे दर्शित के लिए;

(1) मिसस सतिन्दर कौर बी-5/188, मफदरजंग आवासीय स्कीम, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) सरदार गुरबचन सिंह प्रानन्द और श्रीमती लाजबंस प्रानन्द एफ-29, प्रीत विहार, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को वह उक्ता जारी करके दर्शावता सम्पत्ति के वर्तम के विष कार्यालयां दूर करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्तम के सम्बन्ध में कोइ भी वास्तव :—

(क) इह सम्पत्ति के उपर भी प्रकाशक की तारीख ते 45 दिन की बातिं वा तत्त्वांभी व्यक्तिगतों पर उक्ता की तारीख से 30 दिन की बातिं, जो भी अधिक वाले सम्बन्ध होती है, जो भी वर्तम सम्पत्ति की विकी व्यक्ति हुआए;

(ख) इह सम्पत्ति के उपर भी प्रकाशक की तारीख ते 45 दिन की भीतर उक्त स्थायक अधिकारी वे हिल्ले दूर कियी जाने व्यक्ति इवारा, वांछात्तात्तरी वे वाह विविध वे विव वा उक्ते वे।

प्रत्योक्तरण :—इसमें प्रयत्न वस्त्रों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के विवाद 20-क में परिभ्रान्ति है, वही वर्त होता, जो उस अधिकार में दिवा नहीं है।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भाँत 269-क के अनुदरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भाँत 269-क की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्ता :—

हाउस नं. बी-5/188, मफदरजंग आवासीय स्कीम नई दिल्ली।

ए० के० मनचंदा
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 5, नई दिल्ली

तारीख : 11-12-1986
मोहर :

प्रलेप आई.टी.एन.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 5, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर 1986

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/5/10-86/77—ग्रातः
मृगे श्री ए० क० मनचंदा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो फ्लैट नं० 8, प्रथम खंड
आशीर्वाद भवन, के-84 ग्रीन पार्क नई दिल्ली क्षेत्र 500
वर्गफीट में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण
अर्जन रेज 5, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम
1961 के अधीन तारीख अक्टूबर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृगे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से ऐसे रूपमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

धन: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री आर० के० भाटिया, 203, मंदाकिनी एन्कलेज
नई दिल्ली-19

(अन्तरक)

(2) मिसंस मधुर लता डी-7, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली—
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अधिक बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

लाप्तीकरण :——इसमें प्रकृत शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 8, प्रथम खंड आशीर्वाद भवन, के-84,
ग्रीन पार्क।

ए० के० मनचंदा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 5, नई दिल्ली

तारीख : 11-12-1986

माहूर :

भारत सरकार द्वारा दृष्टिकोण

भारत सरकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वापर

269-व (1) द्वारा दृष्टिकोण

दृष्टिकोण

संघीय, बहावल बालकर वास्तव (प्राप्तिकारी)

अर्जन रेंज, 5 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1986

निदेश सं. आई० ए० सी०/एक्य०/5/37ई०/97—ग्रतः
मुझे, श्री ए० के० मनचंदा,
तालाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (प्राप्त दृष्टि-
कोण के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की वाप-
र 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाह करने का
कारण है कि स्थानीय विसका उचित बाजार मूल्य
1,00000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० के-84 है तथा जो ग्रीन पार्क नई दिल्ली
में स्थित है (और इसे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन
रेंज 5, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के
अधीन तारीख नवम्बर, 1986

को पूर्वोक्त संस्थित के सचित बाजार मूल्य से कम के व्यवहार
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई
है और मूल्य यह विवाह करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवहार प्रतिफल से
ऐसे व्यवहार प्रतिफल का बहुत अतिकृत से अधिक है और अंत-
रक (अंतरकों) और अंतरीती (अंतरीतीयों) के बीच ऐसे अंत-
रण के लिए तथा यामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से
उक्त अंतरण सिद्धि के बास्तविक रूप से कठित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर धर्वे के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहित
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धर्म या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या नक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रबंध नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, यिन्हाँने प्रेरणा
की लिए;

नहा: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मैं पूनाईटेड इन्डिया प्रोडक्ट (प्रा०) लि०
लिक हाउस, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली
(अन्तरक)
- (2) मैं प० प० प० पी० एस० इन्टरनेशनल (प्रा०)लि०
वी-7/10, सफदरजग इन्क्लेप, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करने पूर्वोक्त व्यक्ति के वर्षद के नियंत्रण
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्बिति के वर्षद के तत्वान्वय में कोइ भी आलोध :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे 45 दिन की अवधि वा तत्सम्बन्धी अविक्षयों पर
सूचना की तारीख वे 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों वे हो किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर तथ्यान्वय में हितवष्य
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
प्रिविले वे किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही वर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फैलैट न० 7(न्यू न०-2) श्रावणीवाद बिल्डिंग, के-84
ग्रीन पार्क, नई दिल्ली, तादादी-729.53, वर्ग फीट।

ए० के० मनचंदा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 5, नई दिल्ली

तारीख: 10-12-1986
मोहर:

प्रलूप आर्द्ध. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

नई दिल्ली, दिनांक 12 दिसम्बर 1986

निदेश सं० आर्द्ध० ए० सो०/एक्य०/५/३७८८/८-८६/४७-

अतः मुझे, श्री ए० के० मनचन्दा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उपित्र बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो 25% भाग फ्लैट नं० ए और सी नं० 4८/१५, शंडेवालान एक्सटेंशन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रेज 5, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख अगस्त 86

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित्र बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य से अधिक है कि दृश्यमान प्रतिफल के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित्र बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित्र बाजार के अन्तरिती (अन्तरितीय) और अन्तरिती (अन्तरितीय) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आप की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहित के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी भन या अन्य आदित्यों को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहित के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अमूल्य ग्रन्थ, और, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) अम्बोका बिल्डर्स, 2ई/6, शंडेवालान एक्सटेंशन, नई दिल्ली-५५
(अन्तरक)

(2) मिस वन्दना भिल निवासी १/५ रूप नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयन करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों द्वारा सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिस्सेदारी की अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

25% भाग फ्लैट नं० ए और सी नं० 4८/१५, शंडेवालान, नई दिल्ली।

ए० के० मनचन्दा
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-5, नई दिल्ली

तारीख: 12-12-86

मात्र:

प्रस्तुत आई. टौ. एव. एस.-----
 बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 भारा 269-ग के अधीन सूचना
 भारत सरकार

सहायक आयकर बाबकर आयकर (निरीक्षण)

प्रजन रेंज 5, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर, 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एम०/५/३७८८/८-८६/४६-

अतः मुझे श्री ए० के० मनचंदा

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने
 का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो मनेवालान एक्सटेंशन
 25 भाग फ्लैट नं० ए और सी चौथा खंड 4ई/15, में
 स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से
 वर्णित है) कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 प्रजन रेंज-5, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम
 1961 के अधीन तारीख अगस्त 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
 प्रतिशत के नियमित अंतरित की गई है और मुझे यह विषयास करने
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
 उसके छयमान प्रतिफल से ऐसे छयमान प्रतिफल का पन्द्रह
 प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
 आगे आंकित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व
 में कमी करने या उससे बचाव में सुविधा के लिए;
 और/या

(ब) एसी किसी आय या किसी भन वा अन्य जास्तियों
 को जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 बाबकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रक्रियान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना
 या यह किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
 के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण
 में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

—426 GI/86

(1) अशोका बिल्डरस, 2ई/6, मनेवालान एक्सटेंशन,
 नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मिस भावना मित्तल निवासी 1/5, रूपनगर,
 नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी बरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी वापरेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि आव में स्थापित होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वहों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-के में दिर्घावित
 हैं, वही अर्थ होता यो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

25 भाग फ्लैट नं० ए और सी चौथा खंड 4ई/15,
 मनेवालान एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

ए० के० मनचंदा
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 प्रजन रेंज 5, नई दिल्ली

तारीख : 11-12-1986

मोहर :

प्रकाश नाइट, टी. एन., पृष्ठ.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के विषय सूचना

सूचना बुलाई

सहायक आयकर बायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर 1986

निवेदण सं० आई० ए० सी०/एक्य०/५/३७६६८/८-८६/४१—
ज्ञातः मुझे, श्री ए० के० मनचंद्रा,
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विषय इसमें
बायकर 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के
विधीन संकाय प्राधिकारी को, यह विवादास करने का कारण है कि
स्थानीय संघर्षित जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० 25% भाग फलैट नं० ए और सी
चौथा खंड 4ई/15, झंडेवालान एक्सटेंशन नई दिल्ली में स्थित है
और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज
5; नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के
अधीन कारीब अगस्त 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रख्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और
मुझे यह विवादास करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रख्यमान
प्रतिफल से, ऐसे रख्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्षी (अंतरिक्षीयों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उपदेश से उक्त अन्तरण लिखित पैमानिक रूप से कठित
नहीं किया गया है :—

(क) उपदेश से हरे लिखी जाने की वायत, उक्त
वायिनिकार के छानील अन्तरण के अनुदान से
दूरीश्वत्ता से कमज़ोरी वा उपराने के अनुदान के अनुदान
के अनुदान की अनुदानी

(ख) इसी लिखी जाने का किसी एवं वा क्षम्य वायिनिकार
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) द्वारा उक्त अधिनियम, या
धन कारीबी विभाग, 1967 (1967 का 27) के
इयोडिनार्ड अंतरिक्षी दूरीश्वत्ता प्रकार नहीं किया गया
वा या किया जाना चाहिए था, किपाने में शुल्कमा
है लिए;

ज्ञातः जड़, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुदान
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अन्तरिक्षी वायिनिकारों के अनुदान से

(1) मै० अशोका विल्डर्स, 2ई/6, झंडेवालान एक्सटेंशन,
नई दिल्ली-55

(अन्तरक)

(2) मिस सपना मित्तल, 1/5, रूपनगर, नई दिल्ली
(अन्तरिक्षी)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहीयों शारू करता है।

उक्त सूचना के वर्जन में कोई भी वापर नहीं

(क) इस सूचना के रख्यपत्र में प्रकाशन की तारीख वे
45 दिन की वधिया तक सम्भव्यी अवधियों पैदा
सूचना की तारीख से 30 दिन की वधिया, और भी
वधिया बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवधियों में से किसी अविक्षित इवाई;

(ख) इस सूचना के रख्यपत्र में प्रकाशन की तारीख वे 45
दिन के भीतर उक्त स्थान उपराने में हितवद्वय
किसी अन्य अविक्षित इवाई ज्ञाहस्तानी के बाह
विविक्षित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रदर्शित रख्यों और वर्णों का, वो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में विविक्षित
गया है।

प्रनृसूची

25 भाग फलैट नं० ए और सी चौथा खंड 4ई/15;
झंडेवालान एक्सटेंशन, नई दिल्ली ।

ए० के० मनचंद्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण).
अर्जन रेंज-5, नई दिल्ली

कारीब : 11-12-1986

मोहर:

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 विसम्बर, 1986

निदेश सं ० आई० ए० सी० /एस्य० /५/३७ई०/८-८६/

३२—अतः मझे, ए० के० मनचन्दा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं ० २५ भाग फ्लैट नं ० ए० % एड सी० ४था खण्ड ४ई०/१५, शंडेवालान एक्सटेंशन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अन्मूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-५ नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, तारीख अगस्त, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के वर्धीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(१) मैं अशोका बिल्डर्स ई-२, शंडेवालान एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

(२) मिस ज्योति मितल निवासी—१/५, रूप नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोइ भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उसमान्तरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावजूद समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपर्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननूसूची

२५ भाग फ्लैट नं ० ए और सी ४था खण्ड ४ई०/१५, शंडेवालान, एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

ए० के० मनचन्दा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-५, नई दिल्ली

तारीख : 11-12-1986

मोहर :

प्रस्तुत बाईं, दी० पट्ट, एच, ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत राष्ट्रपति

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 12 दिसम्बर 1986

निदेश सं० आर्हा०/ए० सी०/एक्य० /5/37ई०/6-86/

2567—अतः मम, ए० के० मनचन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग
269-व के अधीन संकलन प्राधिकारी को यह विवाद करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विवादक उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० फ्लेट नं० बी-५ है तथा जो 21, युसुफ सराय,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्णलूप से वर्णित है), सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-5, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम,
1961 के अधीन, तारीख जून, 1986

को दृष्टिकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्तमात्मक
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मम्मे
यह विवाद करने का कारण है।
कि यथाधृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उत्तम-
ात्मक प्रतिफल से, एसे उत्तमात्मक प्रतिफल का पन्द्रह अंशिका से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अंतरिक्षी (अंतरिक्षियों)
के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया जाया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप
कीभूत नहीं किया गया है।—

(८) अन्तरण के दूर किसी बात की वायर, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
विवित में कभी कहने वा उससे बचने में सुविधा
के लिए बाड़िया

(९) दूरी किसी बात का किसी भूत या अन्य बासिन्दों
को, जिसे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाज-
नार्थ बन्दूरिसी द्वाय प्रकट नहीं किया गया या
या किसी बाना बाहिर या किसी भूमि पर अन्याय
के लिए

बहुत बहु, उक्त अधिनियम की भाग 269-व की अनुवाद
है, वे उक्त अधिनियम की भाग 269-व की उपधारा (१)
के अधीन, निम्नलिखित अविस्तरों, अर्थात् :—

(१) योगेश बाली, एच-१/२, हौज खास, नई दिल्ली
(अन्तरक)

(२) मिसर्स स्लेह कुमार, ए-३, ग्रीन पार्क एक्सटेंशन,
नई दिल्ली।

(अन्तरिक्षी)

मैं यह सूचना बारी करके दृष्टिकृत सम्पत्ति के बर्बन के लिए
कार्यवाहियों द्वारा करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी वालों

(क) इह सूचना के उत्तम में प्रकाशन की दृष्टिकृत ४५
दिन की अवधि का तस्वीरनीय व्यक्तियों द्वारा
सूचना की तात्त्विक से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि बार में समाप्त होती है, के लीला दृष्टिकृत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिद्वारा

(घ) इह सूचना के उत्तम में प्रकाशन की दृष्टिकृत ४५
दिन के लीला दृष्टिकृत स्थावर सम्पत्ति द्वारा हिन्दू
किसी वाय व्यक्ति द्वारा अधीक्षणात्मकी तौर
पर्याप्त में किए जा सकते।

उत्तराधिकार :—इसमें प्रदूषक छव्वी और बांदी आदि, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिदृश्यत
हैं वही बर्बन होता, जो उक्त अध्याय के लिए
होता है।

लाल

फ्लेट नं० बी-५, 21 युसुफ सराय, नई दिल्ली।

ए० के० मनचन्द्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-5, नई दिल्ली

तारीख : 12-12-1986

माहूर

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा)

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्बालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसंबर 1986

निवेश सं० आई० ए० सी० /एक्य००/5-37ई०/6-86/

2566—अतः मझे, ए० के० मनचन्दा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बी-3/21 में स्थित है (और इससे उपापद्ध अनुसूची में और पूर्णांप से वर्णित है), सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-5 में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख जून, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से एसे छयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और उक्त अन्तरक (अन्तरक्त) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-वर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) मिस जूही गोदी (छोटी) द्वारा मिसर्स मंजू मोदी सी-4/95, एस० डी० ए०, नई दिल्ली ।
(अन्तरक)

(2) मास्टर विक्रम कुमार, द्वारा श्री विजय कुमार, ए-3, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद भैं समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लेट नं० बी-3/21; यूसफ सराय, नई दिल्ली ।

ए० के० मनचन्दा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-5, नई दिल्ली

मत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, वै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 10-12-1986

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-ज-5, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 10 दिसम्बर, 1987

निदेश भं. आई.ए. सी.० /एसू.० /५/३८६६/६-८६/
२५६५—अतः मृश्य, ए.० के० मनचन्दा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उच्चत अधिनियम’ कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं.० फ्लेट नं.० बी-२ है तथा जो 21, यूसफ सराय,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्णरूप से वर्णित है), सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-ज-5, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम
1961 के अधीन, तारीख जून, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्ये यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्व प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, विभिन्निक्षित उद्घास्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(म) ऐसी किसी आय या किसी भन या कन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उस अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती छावारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

लगा अब उक्त आधिनियम की धारा 269-ष की उपाय (1)
में, या, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपाय (1)
के अन्तर्गत विभिन्निक्षित अधिकारी अन्तरात् ०—

(१) मंजू मोदी और अन्य, सो-४/९५एस० डी०ए०,
नई दिल्ली द्वारा साकेत प्रोपर्टीज प्रा०नि०, सी-
३५८, डिकेस कालोनी, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(२) श्रीमति पदमावती, ए-३, ग्रीन पार्क, एक्सटेंशन,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं.० बी-२, 21 यूसफ सराय, नई दिल्ली ।

ए.० के० मनचन्दा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-ज-5, नई दिल्ली

तारीख : 10-12-1986

मोहर :

प्रस्तुप बाई, टी. एन. एस. -----

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1986

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्य० /5/37ई०/6-86/

2568—अतः सुने, ए० के० मनचन्दा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के वर्तीन सक्रम प्राधिकारी को यह विवाह करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बी-4 है तथा जो 21, युसुफ सराय, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाधिक अनुसूची में और पूर्ण-
रूप से वर्णित है), सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-5, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम,
1961 के अधीन तारीख जून 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवधार
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाह
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अधिकार प्रतिपादन से, एवं उसके अधिकार प्रतिपादन का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरांदीर्घों) के बीच एवं उसके अंतर एवं उसके अंतर एवं
भवा इत्यतः, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अंतर विवरण में
शामिल रूप से वर्णित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरांदीर्घों वृहुर् विस्ती वाली वाल्मीकी, उल्लेख
अधिनियम के वर्तीन कर देवे के वर्तारक के वायित्व
में कही करने वा उक्त उल्लेख में सौमित्रा के विषय;
तीव्रता

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भत्ता या अन्य जास्तियों
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
में श्रोक्षणार्थ दंतीती द्वारा इकट्ठ नहीं किया
गया, जिन्हे पारंपरीक आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम वा
गता का या किसी बाता वार्ताएँ वा जितने से
पूर्णता के लिए,

उपर्युक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुत्तर
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की सम्भाय (1)
में अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, उल्लेख न।

(1) हरमन प्रोडक्ट इंडिया ए-15/17, वस्तु विहार,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मास्टर गोरख कुमार द्वारा श्री सुरेश कुमार,
ए-3, गीन पार्क, एक्सटेंशन, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवधि के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवधि के सम्बन्ध में कोई जी बाजेदः—

(अ) इह सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्तममन्ती अवधियों पृष्ठ
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवधियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ब) इह सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वित्त विद्युती वस्त्र व्यक्ति द्वारा, अभोद्यात्मकी
रह विद्युती वस्त्र व्यक्ति द्वारा वर्तमान

लक्षणीयता :—इहाँ प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में विवरित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में देया
गया है ॥

अनुसूची

बी०-4, 21, युसुफ सराय, नई दिल्ली ।

ए० के० मनचन्दा

सक्रम प्राधिकारी;

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, नई दिल्ली

तारीख : 10-12-1986

मोहर :

एस्टर, बार्ड डॉ. एस. एस. २०८८

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

वार्ता सूचना

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-5, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसंबर 1986

निवेश सं० आई० ए० सी० /एक्य०/५/३७६६/६-४६/
२५६४/—अतः मुझे, ए० के० मनचन्दा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
उल्लेख प्रभावत् 'उक्त अधिनियम' कहा था है), की भारा
269-घ के अधीन सज्जन प्राधिकारी को यह विवाद करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वास बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है।
और जिसकी सं० फ्लेट नं० बी-१ है तथा जो युसुफ सराय
नई दिल्ली में सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन
रेज-5, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम,
1961 के अधीन, तारीख जून, 1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवश्यम
प्रतिफल के लिए उत्तराधिकारी की गई है और मूँहे यह विवाद
कहने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उत्तराधिकारी के लिए उत्तराधिकारी के प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिक्षी
(अंतरिक्षीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा यदा यदा
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाबित्य
में करी करने ला उत्तराधिकारी में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने में
सुविधा के लिए;

बहु: कर, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के अन्तरक
में, जौ. उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मास्टर रघु मोदी (छोटा) द्वारा मिसर्स भंजू
मोदी सी-४९५, एस० डी० ए० नई दिल्ली ।
(अन्तरक)
- (2) मास्टर साहिल कुमार द्वारा श्री अशोक कुमार
ए-३, श्रीन पार्क, एक्सटेंशन, नई दिल्ली ।
(अंतरिक्षी)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्बित के वर्तमान के
कार्यालयों द्वारा दिल्ली है ।

उक्त सम्बित के वर्तमान के उद्देश्य में कोई विवरण :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अंतिम बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बित में हितवद्धन
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र
सिद्धि में किए जा सकेंगे ।

स्थावरकरण :—इसमें प्रश्नकृत सब्जी गौर पदों का, वे उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में विवरित हैं,
वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है ।

संक्षेप

फ्लेट नं० बी-१, 21 युसुफ सराय, नई दिल्ली ।

ए० के० मनचन्दा
सभाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-5, नई दिल्ली

तारीख : 10-12-1986

मोहर :

प्रस्तुप आहे. टी. पॅ. एस. -----

(1) मैं० कमल डिव्हिलपर्स एण्ड कन्ट्रोक्टर्स प्रा० लि०,
जी-48, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

(2) मैं० ग्रीन वाली आगरी मिल्स लि०, 'डी-58,
ईस्ट आफ कैलाश, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

अर्जन रेंज-5, नई दिल्ली

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्बिंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अव॑र्ध दाव में समाप्त होती है, के भीतर पर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधरी के पास
निर्णित में किए जा सकेंगे।एष्टेक्टरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और एदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभासित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

90—अतः मूझे, ए० के० मनचन्द्रा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. में अधिक है
और जिसकी सं० आर-ए० है तथा जो 1ली मंजिल, ग्रीन पार्क
नई दिल्ली में स्थित है (और इसे उपावद्ध अनुमूल्यी में और
पूर्णरूप से वर्णित है), सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-5, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम
1961 के अधीन, तारीख 11-11-1986

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरामात्र
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मूँझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसरामात्र प्रतिफल से एसे दूसरामात्र प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमिस्तयों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

आर-7 ए, 1ली मंजिल, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली, तादादी
1600 वर्ग फीट।

ए० के० मनचन्द्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, नई दिल्ली

तारीख : 9-12-1986

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6-426 GI/86

प्रस्तुप आर्ट.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 दिसम्बर 1986

निवेश सं० आर्ट० ए० सी० /एक्यू० /5/37ई०/11-86/
९१—अतः मुझे, ए० के० मनचन्दा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाह संबंध के
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर-7 ए है तथा जो 2री मंजिल, ग्रीन पार्क,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और
पूर्णकृप से वर्णित है), सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन
रेंज-5, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961
के अधीन, तारीख 11-11-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाह सं
बंध के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित
बास्तविक स्पष्ट से कथित नहीं किया गया है :—

(1) मै० कमल डिवलपर्स एण्ड कन्ट्रैक्टर्स प्रा० लि०,
जी-48, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री अरुण कुमार गुप्ता निवासी—डी-58,
ईस्ट शाफ कैलाश, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ४५ दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पालिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

आर-7 ए, 2री मंजिल, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली, तारीख 1600 वर्ग फीट ।

ए० के० मनचन्द
सक्षम प्राधिकार
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण
अर्जन रेंज-5, नई दिल्ली

तारीख : 9-12-1986

मोहर :

बतः बब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रलूप आई. टी. एन. एस. -----

→ अधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
की धारा 269 घ (1) के अधीन सचिव।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 दिसंबर 1986

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्य० /5/37ई०/11-86/

93—ग्रतः मुझे, ए० के० मनचन्दा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० आर-7 ए है तथा जो ग्रीन पार्क, नई दिल्ली में
स्थित है (और इसे उपाख्य अनुसूची में मौर पूर्णरूप से वर्णित
है), सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-5
नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के
अधीन, तारीख नवम्बर, 1986

को पर्वोंकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
अंतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूँहे यह विश्वास करने
का कारण है कि उपर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण जिक्षित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(1) सं० कमल डिवलपमेंट एण्ड कन्ट्रैक्टर्स प्रा० लि०।
(अन्तरक)

(2) केपीटल ट्रेड लिक्स लि० ही-50, ईस्ट ग्राफ
कैलाश, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यबाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की रामिल से 30 दिन की अवधि, जो सी
अधिक बाब में समाप्त होती हो, के भीतड़ पूर्वोंकृत
प्रतिकृतियों वे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के बीतर उक्त स्थावर उक्तिरूप में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जारीहस्ताकरी के पात्र
निविद में किए जा सकें।

निवारण :—इसमें प्रदूषित वस्तुओं और दूषण, जो उक्त
अधिनियम के अध्यय 20-क में परिभ्रान्ति
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्यान्य संकुचनों वाले को बाल्क, उक्त
अधिनियम की अधीन कर दें वे असरक के अधिकृत
में किसी करमे या उक्त वस्तु में वृद्धिका जो दिया,
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, जिसमें सूचित
के लिए,

ग्रामीण

प्रार-7ए, ग्रीन पार्क, मेन, नई दिल्ली।

ए० के० मनचन्दा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-5, नई दिल्ली

तारीख : 12-12-1986

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

संस्कृत वार्ष. दी. प्र. इन्स्ट.

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 नवम्बर, 1986

निदेश सं० आई०-१/३७६६/८५-८६— अतः मुझे,
निसार श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), श्री भारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 101, जो 1ली मंजिल, श्री राम-
कृष्ण सदन, प्लाट नं० 63, स्कीम नं० 52, वरली, बम्बई-18
में स्थित है (श्री इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,
1961 की धारा 269 का के अधीन, तारीख बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख
4-4-1986.

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के लक्ष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार
मूल्य, उसके उपयोग प्रतिफल से, एसे उपयोग प्रतिफल का
मन्दह प्रतिष्ठान से अधिक है और अत्तरक (अत्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया जाय है—

(क) अन्तरण से हुए किसी वाय की, वायत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अलाके के
वायित्व में कमी करने या उक्त वाय में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी वाय या किसी भन या अन्य अस्थियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्राकोडनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, जिसने में सुनिधा
कोन्ट्रैट;

अतः अ. उक्त मौजूदायम की धारा 269-ए के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम का धारा 269-ए की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नश्मी कन्स्ट्रक्शन कम्पनी।

(भूतरक)

(2) श्री यशवन्त के० वासा, श्रीमति शुभदा वाय०,
वाना और श्री श्रावण के० वासा।

(भूतरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति और अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख तक
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, और भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों ने किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इससूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख तक
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति पर हितभूत
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोमुक्ताक्षरी के फॉर्म
लिंग संकेत में किए जा सकते हैं।

स्थानोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के विविधानित
हैं, वही वर्त द्वारा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है:

अनुसूची

फ्लेट नं० 101, जो 1ली मंजिल, श्री रामकृष्ण सदन,
प्लाट नं० 63, स्कीम नं० 52, वरली, बम्बई-18 में स्थित है।

अनुसूची जैना कि क्र० सं० आई०-१/३७६६/१०३०१/
८५-८६ और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
4-4-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 28-11-1986

मोहर :

ब्राह्मण वार्षिनियम, 1961 (1961 का 43) का
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

आयत ४५४४

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 दिसम्बर 1986

निदेश सं. अई-1/37ई/11275/85-86— अतः

मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (ऐसे इसमें इसके पद्धति 'उक्त वार्षिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह प्रियकार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 22, जो, 2री मंजिल, अग्रनोंष्ठ को०-आप० हाउसिंग सोनाइटी लि०, 38-ए, नेपियन 'सी रोड, बम्बई-36 में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका कराननामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा के अधीन, बम्बई में स्थित सकाम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 1-4-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और

मुझे यह कियाजास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का बहुत ही अधिक है और अतिरक्त (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बाच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अस्त्रधन एवं उपकरण जैसे धन या अन्य आस्तियों की ('अर्हे') आर्तीय आवश्यकीयताओं के अन्तराल के द्वारा उपकरण वाली वस्तु का इसके उपर्यन्त भी संरिख्त के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की ('अर्हे') आर्तीय आवश्यकीयताओं के अन्तराल के द्वारा उपकरण वाली वस्तु का इसके उपर्यन्त भी संरिख्त के लिए;

अतः वम, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसार वै, वै, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ;—

(1) इन्द्र बी० विपिन सी० नानावटी नानावटी और अजय विपिन, नानावटी ।

(अन्तरक)

(2) सुरिन्द मक्कर और मधु मक्कर ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितियों ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

कौं यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्दन के लिए कार्यान्वयिता शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वास्तविक —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेवाली अन्य व्यक्ति द्वारा, बधोहस्ताक्षरी के दाम निवेदित में किए जा सकेंगे।

प्रबंधीकरण —इसमें प्रबंधत सम्बान्धी और पदों का, वा उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ष होता जो उस अन्याय में विवरण है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 22, जो, 2री मंजिल, अग्रनोंष्ठ को०-आप० हाउसिंग सोनाइटी लि०, 38-ए, नेपियन रोड, बम्बई-36 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37ई/10288/85-86— और जो सकाम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 4-12-1986

मोहर :

प्राप्ति वाहू, दी प्रदूषण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
भारा 269-व (1) से बोन दृष्टा

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 दिसंबर, 1986

निदेश सं० अर्ह-1/37ई/11255/86-87— अतः मुझे,
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० सी-1, जो 3री मंजिल, पाम स्प्रिंग इमारत, जय कफ परेड रोड, को०-प्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, 157, कफ परेड, बम्बई-400 005। में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कब के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-4-1986

को पूर्णकृत वम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से अलग से अलग प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाद करने का कारण है कि यथापूर्वकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके अवमाल प्रतिफल से, एवं उसके अवमाल प्रतिफल का पंक्त्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उपरेक्षण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अनुसूचा वे हैं किसी बाय की वालत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कदी करने का उक्त वम्पत्ति के दुष्कृति के लिए; कौर/का

(ख) एसी किसी बाय या किसी भन या बच्च जातियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अस्तरिती इवारा प्रबंध गहीं किया गया था या किया जाता जाती है या छियाले दे दुष्कृति हैं।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपलब्ध (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तीय, अर्थात् :—

- (1) दी इण्डियन स्टैण्डर्ड मेटल कम्पनी लि०।
(अन्तरक)
(2) टाटा सन्स लि०।
(अन्तरिती)

को वह दूषना आड़ी करने पूर्वक उम्पत्ति के बर्जन के लिए जारीवाहियाँ करता है।

उक्त उपलित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्यपै :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्तममध्यी अवित्तीय वह दूषना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी अवधि वाले समाप्त होती है, वे भीतर पूर्णकृत अवित्तीय में से किसी अवित्त द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० सी-1, जो 3री मंजिल, पाम स्प्रिंग इमारत, जय कफ परेड को०-प्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, 157, कफ परेड, कुलाबा, बम्बई-5, में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अर्ह-1/37ई/10286/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 11-12-1986

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, बम्बई

बम्बई दिनांक 28 नवम्बर 1986

निदेश सं० आई-1/37ई/11347/85-86—प्रतः मुझे,
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० फलैट नं० 102, जो पहली मंजिल,
श्री राम कृष्ण स्कूल इमारत, प्लाट नं० 63, स्कीम नं०
52, वरली, बम्बई-18 में स्थित है (और इससे उपाखड़
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करार-
नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख,
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है तारीख 4-4-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल है तिए अंतरिक्ष की गहरी है और भूमि यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
स्ती (अंतरिस्तीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हृह किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायितव
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगार्थ अंतरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपभायर (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्री लक्ष्मी कन्स्ट्रक्शन कम्पनी।

(अन्तरक)

(2) श्री यशवंत के० वासा, श्रीमती शुभदा वाय०
वासा और श्रवण वाय वासा।

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यालयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्तबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रदूक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फलैट नं० 102, जो पहली मंजिल, श्री रामाकृष्ण
सदन इमारत, प्लाट नं० 63, स्कीम नं० 52, वरली, बम्बई
18 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० आई-1/37ई/10302/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
4-4-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 28-11-1986

मोहर:

प्र० प्र० आर्ट.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) की अधीन सूचना

मारुत संस्कार

अधिकारी, सहायक बायकर बायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 नवम्बर 1986

निवेश मं० आई-1/37ई/11246/85-86—अतः
मुझे, निसार अहमद,
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि न्यायिक सम्पत्ति, जिसका नियंत्रण बायकर भूमि
1,00,000/- रु. रो अधिक है

और जिसकी सं० बेस्मेंट नं० 10-ए, जो तत्त्वाला,
प्लाट नं० जी, पुनम चेबर्स, शिवमगर इस्टेट, डा० एनी
बेस्ट रोड, वरली, बम्बई-18, में स्थित है (और इसमें
उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका
करारनामा बायकर अधिनियम 1961 की धारा 269-क,
ख, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है तारीख 1-4-1986

को पूर्वोक्त गमनार्थ के दर्तक दर्ता० सूचना के दस्यमान
प्रतिफल के निए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथायावैकित सम्पत्ति का उपचार बायकर भूमि,
उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-
प्रतिशती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
नियमित तद्वारा उक्त अंतरण विवित में वास्तविक
रूप में कायित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) एनी फक्त बायकर जिसी भूमि आस्तीन का,
फिरहु भारतीय बायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) जे उक्त अधिनियम, या भारतीय
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशंसनाथ
अन्तरिती द्वारा 1957 नहीं किया गया था या किया
गया आहिए था, लियाते हैं तुलिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, नियमित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) भेर्स बिलेंस कम्पाइन का परिशन।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उषा योगेश मेहता (मालक-मेहता एण्ड
एसोशिएट्स कम्पनी)

(अन्तरिती)

को यह सूचना आगे लाके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
द्यायेश्वरीया लाता है।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सबूफ में कांडे¹ और बालोप :—

(ए) इस भूमि के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
भूमि लौं लायी ले 30 दिन की अवधि, जो भी
व्यक्ति आरे में सभात होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों से से किसी दर्कशा द्याया;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर इस द्वारा गमास में हितदृढ़ि
किसी अन्य अधिकृत द्वारा अनुहस्ताकरी के पार
विलित में किया जा सकेंगे :

स्पष्टीकरण:—इसमें पूर्वोक्त शब्दों और एवं का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होता जो उस अध्याय के विषय
में है।

अनुसूची

बेस्मेंट नं० 10-ए, जो तत्त्वाला, पुनम चेबर्स, प्लाट
नं० जी, शिवमगर इस्टेट, वरली, डा० एनी बेस्ट रोड,
बम्बई-18, में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37ई/10281/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-4-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायी आयोर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 28-11-1986

मोहर:

प्रसूप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 के 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 दिसम्बर 1986

निदेश सं. आई-1/37ई/11252/85-86—ग्रन्तः

मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैट जो पांचवीं मंजिल पर, अमाती
इमारत, नेपियन-सी, रोड बम्बई में स्थित है (और इसमें
उपावश्यक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है।
दिनांक 1-4-1986

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मूर्खे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से ऐसे छयमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन मा अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
7—426 GT/86

- (1) जे. बी. दादाचंदजी और विनोद पारेखः
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती प्रतिभा गोखले और श्री विक्रम गोखले।
(अन्तरिती)
- (3) अन्तरकों।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोंक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट जो पांचवीं मंजिल पर, अनाल्फी, नेपियन-सी
रोड, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. आई-1/37ई/10291/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-4-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

महायौ आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 11 दिसम्बर 1986

मोहर:

प्रकल्प वाहू.डी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर विभाग (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 दिसम्बर 1986

निदेश सं० प्रई-1/37ई/11248/85-86—अतः मुझे,
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विवादास करने का
कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फलैट नं० 47-बी, जो पाचवीं मंजिल,
गीता भवन इमारत को—प्राप० हाउसिंग सोसायटी, 93,
बी० डी० रोड, बम्बई-36 में स्थित है और इससे उपावड
ग्रन्तुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका नामा
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के ख
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
रजिस्ट्री है। तारीख 4-4-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधिकान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विवादास
मूल्य यह विवादास करने का कारण है कि
वह पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके विवादास
प्रतिफल से, ऐसे अधिकान प्रतिफल का अन्तरण से अधिक
है और अन्तरक (अन्तररक) वारे अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नालिखित
सूचीकरण से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कठित नहीं
किया गया है ॥—

(1) नरेश कुमार राजेन्द्र प्रसाद पारेख ।

(अन्तरक)

(2) श्री विनेश टोकरशी शाह (विरा) और श्रीमती जया
जया टोकरशी शहा (विरा)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहिका करवा है ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाजें :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन की वधीय वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की वधीय, जो भी
वधीय दाव में दावात होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों ने किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थानीय सम्पत्ति में हिस्से
विवाद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित रूप में दिए जा रखें ।

लक्षणकरणः—इसमें प्रमुख वाक्यों और पदों का, जो उक्त
वधीयनिवारण, के वधाय 20-के में परिभाषित
हैं, वही वर्ष होता जो उक्त वधाय में दिया
दिया है ॥

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

ग्रन्तुसूची

फलैट नं० 47-बी, जो पाचवीं मंजिल गीता भवन
इमारत को—प्राप० सोसायटी लि०, 93, बी० डी० रोड,
बम्बई-36 में स्थित है।

ग्रन्तुसूची जैपा की क्र० सं० प्रई-1/37ई/10290/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
4-4-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक: 11-12-1986

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नालिखित व्यक्तियों अधिति :—

प्रस्तुप बाई, टी. एच. एस. -----

(1) श्री नानजी जीवराज करानी।

(अन्तरक)

उच्चत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के अधीन सूचना

(2) मैसर्स के० अतुल कुमार एण्ड कम्पनी और
श्रीमती चन्द्रबेन एम० शाह।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक 28 नवम्बर 1986

निदेश सं० आई०-1/37 ई०/11309/85-86—अतः
मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उच्चत अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी की यह विवाद करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय प्रिमिसेस नं० 1407 जो 22
पंचरत्न को० प्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि० मामा
परमानन्द मार्ग अपेरा हाउस बम्बई में स्थित है (और इससे
उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका
करारानामा आयकर अधिनियम 1961 की भारा 269 कथ
के अधीन तारीख 4 अप्रैल 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के सिए अंतरिक्ष की गई है और इसे यह विवाद
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मर्मांति का उचित बाजार
मूल्य, उसके हाइयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का
पूर्व प्रतिवर्त से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के सिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरवाचे द्वे उच्चत अंतरण निकित में
अस्तित्व के से कठित नहीं किया गया है ॥

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है ।

उच्चत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्योप ॥—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरें व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उच्चत स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वाक्षरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उच्चत
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

प्रनुसूची

(क) अंतरक व उत्तर लिखी बाब की बाबत, उत्तर
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दांपत्यव में कमी करने या उससे बदलने में संबंधित
के सिए अर्थ/या

(ख) एसो १५ रो आय या किसी धन या अन्य बासितयों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) का उच्चत अधिनियम द्वा
रा अनुदार अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्षया प्रकर नहीं किया
जाय था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में
क्षयकर का नहीं;

कार्यालय प्रिमिसेस नं० 1407 जो 22 पंचरत्न दि पंचरत्न
को० प्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, मामा परमानन्द
मार्ग, अपेरा हाउस बम्बई-४ में स्थित है ।

अनुसूची, जैसा कि क्रम सं० आई०-1/37 ई०/10296/
85-86 और जो सक्रम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
4 अप्रैल 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

निसार अहमद
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1 बम्बई

तारीख : 28-11-1986

मोहर :

अतः अब, उच्चत अधिनियम, की भारा 269-व के अनुदारण
में, उच्चत अधिनियम की भारा 269-व की उचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

(1) मैं मालबार इण्डियन प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री पृथ्वीराज पारीख।

(अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजेन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 नवम्बर 1986

निदेश सं० आई०-1/37 ई०/11417/85-86—अतः
मुझे, निसार अहमद,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है¹), की धारा
269-ग के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० फ्लैट नं० 323 जो डी इमारत पेटीट
हाल, 32 वीं मंजिल, 66 नेपियन सी रोड, मालबार हिल,
बम्बई-6 में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारानामा आयकर अधि-
नियम 1961 की धारा 269 के क्रम के अधीन बम्बई स्थित
सक्रम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 भर्द
1986को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टव्यान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्टव्यान प्रतिफल से ऐसे दृष्टव्यान प्रतिफल का
प्रत्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के दायित्व
में कभी कहने या उक्त से बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ब) ऐसी किसी आय का किसी धर्म या अन्य आदित्यों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;फ्लैट नं० 323 जो डी इमारत, पेटीट हाल, 32वीं
मंजिल, 66, नेपियन सी रोड, मालबार हिल, बम्बई-6 में
स्थित है।अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-1/37 ई०/10327/
85-86 और जो सक्रम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-
1986 को रजिस्टर किया गया है।

निसार अहमद

सक्रम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजेन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 28-11-1986

मोहर :

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

- (1) श्रीमती प्रमिला। भद्रकुमार शाह और अन्य ।
(अन्तरक)
(2) श्रीमती अनुसयानेन रसिकलाल दोषी और अन्य ।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 नवम्बर 1986

निदेश सं० आई०-1/37 ई०/11526/85-86—अतः
मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाद करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० फ्लैट नं० 12-ए, तीसरी मंजिल, शालीमार
इमारत, 91 मरीन ड्राइव, बम्बई-2 में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के खु
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है तारीख 5 मई, 1986

को प्रवृत्तित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाद करने का कारण है कि यथाप्रवृत्ति सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से एसे छयमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अन्तरीतीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके प्रवृत्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवृत्ति
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यापार;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व में
की करने या उससे बचने में संविधा के लिए,
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के
लिए;

फ्लैट नं० 12-ए, जो तीसरी मंजिल, शालीमार इमारत,
91, मरीन ड्राइव, बम्बई-2 में स्थित है।
अनुसूची जैसा कि श्रम सं० आई०-1/37 ई०/10355/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-5-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 28-11-1986
मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्ररूप आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 नवम्बर 1986

निदेश सं. आई.०-१/३७ ई/११५१८/८५-८६—अतः

मुझे, निसार प्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवरण करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैट नं. 2, जो पहली मंजिल, नीता
सोसाइटी, 90, मरीन ड्राइव, बम्बई-2 में स्थित है (और
(और इससे उपावरु अनुसूची में है और पूर्ण रूप से वर्णित है)
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की भारा
269 के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है तारीख 5 मई, 1986

कि पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अद्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवरण
करने, का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य, उसके अद्यमान प्रतिफल से ऐसे अद्यमान प्रतिफल का
पंक्ति प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
यास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ हूँ किसी आय की वापत, उक्त
आधान्यम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जारीतियों
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः यदि, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती शारदाबेन रविन्द्र तिवेदी।

(अन्तरक)

(2) श्री भद्रकुमार मणिलाल शाह और अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधोप :—

(क) इह सूचना के रायबद्ध वर्णन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों वर्णन की अवधि व्यक्ति इवारा;

(ख) इह सूचना के रायबद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 2, जो पहली मंजिल, नीता सोसाइटी, 90,
मरीन ड्राइव, बम्बई-2 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं. आई.०-१/३७ ई.०/१०३५२/
८५-८६ और जो सक्षम प्राधिकार बम्बई द्वारा दिनांक
5 मई, 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार प्रहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 28-11-1986

मोहर :

संक्षेप वादः शोध एवं संशोधन अधिकारी

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

सार्वजनिक

फार्मासिय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

बम्बई, रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 नवम्बर 1986

निदेश सं० आई०-१/३७ ई०/११४४८/८५-८६—अतः
मुझे, निसार अहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भारा 269-ग
में अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का बारम है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, पहली मंजिल, पार्क व्यू,
लिटल गिल्ड रोड, बम्बई-6 में स्थित है (और इससे उपाख्य
अनुसूची में और पूरी रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा
बायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के अधीन
तारीख 1 मई, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरीतियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ याय
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हूँई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के विषयत्व
में क्षमी करने या उससे उन्नने में सुविधा के लिए;
बाई/बा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इतारा शक्त नहीं किया जाय
था या किया जाना चाहिए था, उपनाम में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपशारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती राकेश नन्दिनी गुप्ता ।
(प्रत्तरक)
- (2) मैं० मर्क्युरी ट्रैवल्स (आई०) लि०।
(अन्तरिती)
- (3) श्री आर० संगा मैनेजर-
मै० ट्रैवल्स (आई०) लि०।
(अदृ व्यक्ति, जिसके अधियोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संघर्षित के बर्बन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संघर्षित के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षोप है—

(ख) इस सूचना वे उपलब्ध वे व्यक्ति वा उपलब्धी व्यक्तियों पर
हूँचना की जानीक वे 30 दिन की वडापि, जो की
वडापि बाद भी समाप्त होती हौं, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों वे हे किसी व्यक्ति द्वारा प्राप्त हुएगा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्राप्तीकरण :—इसमें प्रयुक्त सब्दों और वहों का जो उपलब्ध
अधिनियम के अन्तर्गत 20-क में परिभ्रान्त है,
वही अर्थ हुएगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1, जो पहली मंजिल, पार्क व्यू, लिटल गिल्ड रोड,
बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-१/३७ ई०/१०३४१/
८५-८६ और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1 मई, 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षण)
मजिल रेंज-1, बम्बई

तारीख : 28-11-1986

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा)
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 नवम्बर 1986

निवेश सं. आई.0-1/37 ई.0/11508/85-86—प्रतः

मुझे, निसार श्रीमद्,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विषयास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित दाजार मूल्य
1,00,000/रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं. फ्लैट नं. 11, जो पहली मंजिल, कर्तार
भवन, मीनू देसाई रोड, रेडियो क्लब के पास, कुलाशा,
बम्बई-5 में स्थित है (और इससे उपावन्द ग्रन्ति से श्रीर
पूर्ण रूप से बण्ठित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम, 1961 की धारा 269 का ख के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 5 मई,
1986को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विषयास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारी) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के तिए तथा गया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
घास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हृदै किसी आय की जाकर, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दर्भे के अन्तरक से वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सहाय्या के लिए;
और/या(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर)
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सहाय्या के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
8—426 GI/86

(1) श्री पी. राघवन।

(अन्तरक)

(2) श्री जनार्दन दागंठ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयान्वयन करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरनी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निहित में किए जा सकेंगे।स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 11, जो पहली मंजिल, कर्तार भवन, मीनू
देसाई रोड, रेडियो क्लब के पास, कुलाशा, बम्बई-5 में
स्थित है।अनुसूची जैसा कि अम सं. आई.0-1/37 ई.0/10350/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
5 मई, 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।निसार श्रीमद्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 28-11-1986

मोहर :

प्रकल्प बाईं, दौ. पू. एवं इत्युक्ति—

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भाग 269-ग (1) के वधीय सूचना

मारत बच्चाएँ

कार्यालय, सहायक आयकर बाबूजन (निरीक्षण)

श्रीजन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 नवम्बर 1986

निवेश सं. आई०-१/३७ ईई०ह० 11643/८५-८६—अतः
मुझे, निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. ० फ्लैट नं. २८, जो आर्यन महल बिल्डिंग,
५वां माला, जी० रोड, बम्बई-२० में स्थित है (और इससे
उपार्वक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसके
करारानामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कथे
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है
तारीख 26 मई, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विष्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितीय) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पश्चा गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधि-
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहित
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या, धन या अन्य अस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
की लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अविष्यों, अर्थात् :—

(1) श्री पंकज गिरजा शंकर शुक्ला।

(अन्तरक)

(2) श्री इन्द्र कुमार निहासचन्द्र दोषी और
श्रीमती सरोज इन्द्र कुमार दोषी।

(अन्तरिती)

मैं यह सूचना आठी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्तमान के लिए
कार्यवाहीया करता हूँ।

सूचना सम्पत्ति के वर्तमान के संबंध में कहें भी आवश्यक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविष्यों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविष्यों
में से किसी अविष्ये द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि
किसी अन्य अविष्ये द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मन्त्रुच्ची

फ्लैट नं. २८, आर्यन महल बिल्डिंग, ५वां माला, सी०
रोड, बम्बई-२०।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं. आई०-१/३७ ईई०/१०४०६/
८५-८६ और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-५-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुत (निरीक्षण)
श्रीजन रेंज-१, बम्बई

तारीख : 28-11-1986

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 नवम्बर, 1986

निदेश सं० आई-1/37ई/1/533/85-86—अतः

मूले निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० फलैट नं० 31, तीसरी मंजिल, प्रेम मिलन
को-ग्राम ० हाउसिंग सोसायटी लि०, 87-बी, नेपियन-सी
रोड बम्बई-६ में स्थित है (और इससे उपावद्र अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करार नामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई
स्थित सकाम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री तारीख
5-5-86

को प्रवृत्तित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापर्याकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक स्पष्ट से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृद्द किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरण के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में संविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या, धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए;

(1) श्री पासूपूलेटी घनराज।

(प्रस्तरक)

(2) श्री भोगिलाल लक्ष्मीधंद मोदी और श्रीमती
सुशिला भोगिलाल मोदी।

(प्रत्तरक)

को यह सूचना जारी करके प्रवृत्तित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवृत्तित व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
सिलिंग में किए जा सकेंगे।

ल्पन्तरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

फलैट नं० 31, जो तीसरी मंजिल प्रेम मिलन को-ग्राम
हाउसिंग सोसायटी लि० 87-बी नेपियन सी रोड, बम्बई-६
में स्थित है।

मनुसूची जैसा की क० सं० आई-1/37ई/10358/
85-86 और जो सकाम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
5-5-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 28-11-1986

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुत वाइ.टी.एल.एच.प्र
दायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
बाबत 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 नवम्बर, 1986

निदेश नं. 0 अई-1/37ई/11519/85-86—अतः

मझे निसार अहमद

दायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विस्ते इसके प्रत्येक 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विवास का उचित बाजार मूल्य रु. 1,00,000/- से अधिक है

और जिसकी सं. 0 फ्लैट नं. 3-डी, तीमरी मंजिल, बीना हैपी होम को—आप हाउसिंग सोसायटी नि. 28, नेपियन सी रोड, बम्बई-26 में स्थित है (ओर इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है) और जिसका करार-नामा आयकरअधिनियम 1961 के धारा 269 ख, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 5-5-1986

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवश्यकता के निपट असारित की गई है और उसके यह विवास करने का कारण है कि ग्राहपूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके अवश्यमान प्रतिफल से ऐसे अवश्यमान प्रतिफल के पैद़ह प्रतिक्रिया से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और असारिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कांथत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के कार्यालय में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय मा किसी धन या अन्य आस्तियों को, विद्वान आरतीक बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) द्वा बबत अधिनियम, द्वा अम्बकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवाण प्रकट नहीं किया गया था या किया गया थाहिए था, जिसने ने सुविधा के लिए;

लक्षण देव, अन्तर अधिनियम की धारा 269-व के अनुदर्शन में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीक्षि :—

(1) हेमत टी.० शहा।

(अन्तरी)

(2) पंकज के० शहा और अन्य।

(अन्तरिती)

(3) अल्लरिती।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

जो यह सूचना आर्थी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के निपट अधिनियम द्वारा है।

अन्तर सम्पत्ति के बचन के प्रबंध में कांड़ भी नाम्प्र :—

(ए) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समानी व्यक्तियों पर अनुसूची की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधीन दर द्वे दरावद होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृप्त किसी बाय अविक्षित द्वारा अभावसाधारी के पालने की विधि द्वारा एकेने।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रदूषित वस्तुओं और परों का, जो उक्त अधिनियम के अधीन 20-व में परिभाषित है, वही वस्तु दोषा, जो उक्त अधिनियम में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 3-डी, जो तीमरी मंजिल, बीना हैपी होम को, आप हाउसिंग सोसायटी नि. 28, नेपियनसी रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं. 0 अई-1/37ई/10353/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5-5-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक: 28-11-1986

सोहर:

प्रकृष्ट आई.डी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती निमेला गुलाब अडावानी।

(अन्तरक)

(2) श्रीराम टी० शहानी और मुकेश मुरली धर
(अन्तरिकी)

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-क के अधीन सूचना

भारत सरकार

फारमलिय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 नवम्बर, 1986

निर्देश सं० अई-1/37ई/11531/85-86—ग्रतः

मुझे निसार अहमद

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 22, पांचवीं मंजिल मेहेराबाद
को—आप० हाउसिंग सोसायटी लि० वाईन रोड, बम्बई-26
में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है) और जिसना करारनामा आपकर अधिनियम
1961 की धारा 269 क. ख, के अधीन बम्बई स्थित
मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 5-5-86
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से ऐसे रूपमान प्रतिफल का
पूर्व प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
प्रासंगिक रूप से की भूत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इसी किसी आय की वापस, उक्त
नियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे उच्चने में सौविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

मत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-क के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लाइकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्त होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 22, जो पांचवीं मंजिल मेहेराबाद को—आप०
हाउसिंग सोसायटी लि०, वाईन रोड, बम्बई-26 में स्थित है
अनुसूची जैसा की क्र० सं० अई-1/37ई/1036/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
5-5-1986 को रजिस्टर्ड दिया गया है।

निसार अहमद
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 28-11-1986

मोहर :

प्रस्तुत व्यक्ति: डी. एन. एड. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 नवम्बर, 1986

निवेश सं. अई-1/37ई/21469/85-86—ग्रन्त:
मुझे निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैट नं. 803, "आनंद" निवासि
महालक्ष्मी को—आप. हाउसिंग सोसायटी नि. ०, भलाभाई
देसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित है (और इससे उपावड़
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करार-
नामा आयोर अधिनियम 1961 की धारा 269 क. वा.
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है तारीख 5-5-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि व्यापारी अन्तरित का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
निवेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कारित
महों किया ज्या है:—

(क) अन्तरण से हटा किसी बात की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के
वायाप्ति में कमी करने या उससे बचने में हुविधा
के लिए; और/या

(म) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अस्तित्वों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती बाबा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना बाहिर था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः आप, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसार उक्त
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती जेनोबिया एफ. खुशराही।
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती शांताबेन के० विश्वासिया और अन्य।
(अन्तरिती)
- (3) अंतरक।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

और वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्डवाहिणी करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी बाधोपेक्षा:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि आप में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध,
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वभाइस्टाशरी के पास
मिलिश में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
जाता है।

मनुसूची

फ्लैट नं. 803, जो "आनंद" निवासि महालक्ष्मी को—
आप. हाउसिंग सोसायटी नि. ० भलाभाई देसाई रोड, बम्बई
26 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की अ. सं. अई-1/37ई/10343/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
5-5-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक: 28-11-1986

मोहर:

प्रस्तुत वार्ष.टी.एन.एस.-----

(1) मैसर्स विकास प्रिमिसेम।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(अन्तरक)

को धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) मास्टर बहिरव भगवानजी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 अक्टूबर 1986

को यह सूचना आरी करके पूर्णांक सम्पत्ति के बर्बन के सिए कार्यवाचीकारी ढूँढ करता है।

निदेश सं० आई०-१/३७ ईई०/११५१६/८५-८६—अतः
मुझे, निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 701-ए, 105/106, है तथा जो बालकेश्वर रोड, बम्बई-६ में स्थित है (श्रीर इसमें उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), श्रीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कानून के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 5 मई, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवधार प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(अ) बन्दरगाह हौरे किलो वाल की बाजार उक्त बंदर बंदि-नियम के अधीन कर हने के बन्दरक के शास्त्रिय में कभी करने या उससे इसे दो लाइसेन्स के लिए; नाई/वा

लग्नाल

फ्लैट नं० 701-ए, जो 7वीं मंजिल, 105/106, बालकेश्वर रोड, बम्बई-६ में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-१/३७ ईई०/१०३५१/८५-८६ और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक ५-५-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

(ब) एकी किलो वाल वा किलो वाल वा बन्द बालिकी को, विन्हूँ भारतीय बाबू-कर बंदिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त बंदिनियम, वा नव-कर बंदिनियम, 1957 (1957 का 27) के योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए वा, कियाने के हृषिका हैं लिए।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
आर्जन रेंज-1, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 28-11-1986

मोहर :

प्रसूप जाई, टौ, एन., एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-वं (1) के वधीत संवृत्ति

भारत सरकार

“अखंकारिय, सहायक आयकर आवृत्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 नवम्बर 1986

निदेश मं० आई०-1/37 ईई०/11426/85-86—अतः

मुझे, निसार अहमद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-वां के वर्षीय संसदीय प्राधिकारी को यह विस्तार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 7, जो सीसरी मंजिल, कुंवर कोषापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि०, 112, शहीद भगत सिंह रोड, कुलाबा, बम्बई-5 में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्वारा अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, के अधीन तारीख 1 मई, 1985

को पूर्वोंका सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का पारण है कि यथापूर्वोंका सम्पत्ति का उचित पारण मूल्य, उसके अपमान प्रतिफल है, एवं अपमान प्रतिफल का पन्थ प्रतिष्ठान से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(१) श्रीमती इन्दरा ए० पस्ताला ।

(अन्तर्क)

(2) मैसर्स सोफफटेक कम्पनी ने ।

(अन्तरिती)

3. प्रन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके प्रदर्शित सम्पत्ति के वर्जन के लिए अवश्याधीन करता है।

ਅੰਤ ਚਲਾਇਆ ਕੇ ਬਚਪੈਂਦ ਦੇ ਹਵਾਲਾਵ ਵੋ ਕਾਨੋਂ ਪੀ ਵਾਲੇ ਹੋ :—

(क) इस सूची के उपरान्त में प्रश्नावली की शारीरिक से 45 दिन की अवधि वा उत्संबंधी व्यक्तियों पर सुन्धान की शारीरिक से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रत्यक्षित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दबारा;

(व) इस वृत्ति के राष्ट्रपति द्वारा प्रकाशित की गयी तारीख ८
४५ दिन के भीतर छह दिन स्थानांतर वस्त्रांति में हिन्दू-
वृत्ति किसी बन्द अधिकार द्वारा, वधोद्वासाधारी द्वारा
प्राप्त विविध द्वारा किये जा सकते हैं।

स्वास्थ्यकरणः—इहाँ प्रदूषित वस्तुओं और पदों का, जो उच्चत
विधिविभव के अध्याव 20-के बड़े परिवर्तनित
हैं, यही वर्ष होता हो इस अध्याव में विद्या
प्राप्ति है।

(iv) बन्धुत्व से ही किसी वायर की वापर, उसका विविधता के लिए वायर होने के बास्तव के दावात्मक हो करी प्रयोग का उदाहरण दें पूरिता के लिए, और/या

(४) ऐसी किसी आय या प्रकरी भन या अन्य आस्तियाँ
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा
उक्त-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने से सुनिधा
के लिए;

四

फैट नं० 7, जो तीव्री मंजिल, कुंवर हाउस को-
आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि०, 112, शहीद भगत मिह-
रोड, कलापाला, बम्बई-5 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-1/37 ईई०/10340/
85-86 अब जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1 मई, 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

نیتار احمد

संक्षेप साधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रज्ञन रेंज-1, बम्बई

जरा: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार पै, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के विरुद्ध, फिल्मसिलेस्ट व्यक्तियों, अवधि:—

प्रस्तुप बाई० टी० एन० एस० -----

(1) मैमर्स विकास प्रिमिसेस० ।

(अन्तरक)

प्रधान: अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
प्रधान: 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) कुमारी राधिका भगवानजी ।

(अन्तरिती)

उक्त सूचना

अधिनियम, महाराष्ट्र आयकर आयुक्त (विवरण)

अर्जन रेंज- बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 नवम्बर 1986

निर्देश सं० आई०-१/३७ ई०/११४७६/८५-८६—
 अर्थ: मुझे, निसार अहमद
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
 का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 801/ए, है तथा जो 105/106
 बालकेश्वर रोड, बम्बई-6 में स्थित है (और इससे उपावद्ध
 अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), जिसका करारनामा
 आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 का ख के अधीन
 बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख
 5 मई, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
 प्रतिफल के लिए राजस्ट्रीकर्ता विलेक्ष के अनुसार अंतरित
 की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
 पश्चापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छयमान
 प्रतिफल सं०, ऐसे हयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
 है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
 बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
 उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धत में वास्तविक रूप से कीथत नहीं
 किया गया है :—

(क) अन्तरण से हटाई किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
 में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
 और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या बन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रधानांतरण अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
 था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
 व विषय;

अर्थ: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
 में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
 के अन्तर्गत निम्नलिखित अधिकारी, अर्जन :—

9-426 GI/86

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येः :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितन्वृद्धि
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास
 लिनीहट दें किए जाएँगे :

अनुसूची

फ्लैट नं० 801/ए, जो 7वीं मंजिल, 105/106,
 बालकेश्वर रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋम सं० आई०-१/३७ ई०/१०३४५/
 ८५-८६ और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-मई,
 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निमार अहमद
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 28-11-1986

मोहर :

प्रस्तुति नाइ.टौ.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 नवम्बर 1986

निदेश सं० आई०-1/37 ईई०/11478/85-86—ग्रतः
मुझे, निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय प्रिमिसेस नं० 5, जो पहली
मंजिल, एलफिस्टन प्रिमिसेस सोसाइटी लिं०, मर्क्झान रोड,
बम्बई-1 में स्थित है (और इसे उपाध्यक्ष अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका प्रारन्ती आयकर अधि-
नियम, 1961 की धारा 269 के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है शारीख 5 मई,
1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य कम के द्वयमान
प्रतिफल के तिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथोपूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का
पूँह प्रतिक्रिया से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उल्लेख में उक्त अंतरण निर्धारण में बहु-
मिक रूप से कठिन भूमि किया गया है—

(क) अन्तरण से हृष्ट किसी आय की, बाधत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करना या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्ध बासितों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
इनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, जिसने में स्थिरा
के लिए;

अतः अर, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपलब्धगा (1)
के अन्तर्गत निम्नलिखित अविळगों, अर्थात् :—

- (1) श्री लक्ष्मण जी० भगवानचन्द्रानी और अन्य।
(अन्तरक)
(2) मै० डेप ग्लोबल शार्पिंग एंजेसीज प्राइवेट लिमिटेड।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थ के लिए
कार्यवाहियां करक करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के कर्तव्य के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षण :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
45 दिन की अवधि या तस्वीरभी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इह सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त
हैं, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कार्यालय प्रिमिसेस नं० 5, जो पहली मंजिल, एलफिस्टन
प्रिमिसेस सोसाइटी लिमिटेड, 17, मर्क्झान रोड, बम्बई-1
में स्थित है
अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-1/37 ईई०/10346/
85-86 और जो उक्त सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5 मई,
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 28-11-1986

मोहर :

ग्रहण काइंद्री एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के वर्धीन सूचना

भारत उत्तराखण्ड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, 28 नवम्बर, 1986

निवेश सं० अई/1-37ई-11621/85-86—ग्रहण:

मुझे निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, सिधू जी रोड, 87 मरीन
ड्राईवह, बम्बई-20, में स्थित है) और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के अधीन
बम्बई स्थित सक्रम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री
है। तारीख 26-5-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरकी
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एन्ड्रू प्रतिक्रिया से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतर-
रिती (बंतरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित
प्रक्रिया के द्वारा किया गया है—

(क) बन्तरण से हुए किसी बाय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के बंतरक के
दावितों को कही करने वा उक्त बन्तरण में सौंधा
या लिख; और/वा

... १८८। किसी बाय या किसी भन या अन्य वास्तुओं
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ बंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था जिसके ने
सुनिभा के लिए;

(1) श्रीमती हकमनी बुलचंद सवनामी।

(अन्तरक)

(2) श्री देवशी मानजी पटेल और अन्य।

(अन्तरिती)

यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कानूनानुरूप करता है।

उक्त संपत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी वालेप नहीं

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध कियी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्राप्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त सूचनों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्या. 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस व्याख्या में दिया गया है।

बन्सूची

फ्लैट नं० 2, सिधू जी-रोड, 87 मरीन ड्राईवह,
बम्बई-20

अनुसूची जैसा की क. स० अई-1/37ई-10395
85-86 और जो सक्रम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
26-5-86 को रजिस्टर्ड किया गया।

निसार अहमद
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक: 28-11-1986

मोहर:

अस्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

प्रकाशन वाले, टॉप, पट्टा

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन

भारत सरकार

कार्यालय, तहावत आधिकर बाबूल (गिरोहाल)

अर्जन रेज-1 बम्बई

बम्बई दिनांक 28 नवम्बर 1986

निदेश सं० अर्द्द-1/37ई/11442/85-86—अतः

मुझे निसार अहमद

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन्हें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वात उत्तरे का
कारण है कि स्थावर व्यवस्था, विश्वात उचित बाजार भूमि
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० जी 12 सातवीं मंजिल मलबार
ग्राहामेंट्स, नेपियन-सी रोड, बम्बई-36 में स्थित है (और
इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और
जिसका करारतमामा आधिकर अधिनियम 1961 की धारा
269 क. ख, के अधीन बम्बई स्थित सक्रम प्राधिकारी के
कायलिय में रजिस्टर्ड है। तारीख 1-5-1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूमि से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृके यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त हृष्पति का उचित बाजार
भूमि, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के बायिस
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आधिकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचार (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

(1) श्री सुमन सतवंत सिंह गम्भीर और श्रीमती उपकला
सुमन गम्भीर।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेश सुमन श्राफ और श्रीमती नलिनी सुरेश
श्राफ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितीयों।

(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय सूचू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तविक

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उसमान्तरी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदाता
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्पोषणः—इसमें प्रयुक्त सबौद्धी और पद्मी का, जो उक्त
अधिनियम, के अधीय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनसूची

लैट नं० जी-12, जो सातवीं मंजिल, मलबार ग्राहाम-
मेंट्स नेपियन-सी रोड, बम्बई-36 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की अर्द्द-1/37ई/1033
85-86 और जो सक्रम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-5-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आधिकर आद्युक्त (निरिक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक: 28-11-1986

मोहर:

प्रकृष्ट प्राइवेट टौ. एव. एस. ——————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत व्यापार

व्यापालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 नवम्बर, 1986

निधेश सं० अर्ह-1/37ई/11439/85-86—अतः

मुझे निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इन्होंने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 12-१ गैरेज नं० "ओ" जो प्राशुतोष को-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, नेपियन रोड में स्थित है (और इससे उपांत्र अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269, क. व., के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कारणिय से रजिस्ट्री है। तारीख 1-5-1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब या या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निर्धारित व्यापक रूप से कार्यित नहीं किया गया है ॥

(क) अन्तरण न है किमी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर देने के अंतरक व्यापक रूप से कार्यित्य से करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी जरूरी आय या करसी धन या अन्य आस्तीन को, जिसके आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने यें सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥—

(1) श्री श्यामालेश विस्वामी और मन्य।
(अंतरक)

(2) श्रीमती कोकिला गुणवंत शाह और मन्य।
(अंतरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आशेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के लागे निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

फ्लैट नं० 12-ए और गैरेज नं० "ओ" जो, को-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, नेपियन भी रोड, बम्बई-६ में स्थित है।

अनुसूची जैसा की धारा सं० अर्ह-1/37ई/10343/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 28-11-1986

मोहर:

प्रकृष्ट बाईं. टी. एन. एस.-----

(1) स्टर्लिंग इन्वेहस्टमेंट कार्पोरेशन प्रायवेट लिं।
(प्रत्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए के अधीन सूचना

(2) राजेन्द्र जे० पारीख और अन्य।

(अभ्यर्ती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 दिसम्बर, 1986

निदेश सं० अई-1/37ई/11638/85-86—अर्थात्:

मुझे निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० भूमि का हिस्सा, जो कफ परेड और वाईनी
लेन कुलाबा, सी० एस० न० 34, और 491, कुलाबा
डिविजन बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्वा अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख
26-5-1986को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अध्यमान प्रतिफल से ऐसे अध्यमान प्रतिफल का
पूर्वोक्त प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए हय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के अधिकार में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) वैसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में सुविधा
के सिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
शास्त्रानुसार करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रथम शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
जवा है।

मुख्यभूमि

भूमि का हिस्सा, जो कफ परेड और वाईनी लेन,
कुलाबा, सी० एस० न० 34, और 491, कलाबा डिविजन
बम्बई में स्थित है।अनुसूची जैसा की श० सं० अई-1/37ई/10404/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
26-5-1986 को रजिस्टर्न किया गया है।निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 11-12-1986

मोहर :

प्रकल्प बाईं.टौ.एव.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयकर विभाग (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 दिसम्बर, 1986

निदेश सं० अर्ह-1/37ई/11440/85-86— अतः
मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
उत्तरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
₹.1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट नं० 92, जो, 9वीं मंजिल, एफोपोलिस-ए
इमारत, लिटल गिब्ज रोड, मालाबार हिल, बम्बई-6 में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अन्तसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269 कथ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय,
में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्तरान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अद्यमान प्रतिफल से ऐसे अव्यमान प्रतिफल के
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का दायरा भूमि

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगानार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
का दायरा।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, भूमि उक्त अधिनियम के धारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमति मोहनी सी० थड्डानी ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति हिरो यण जोहर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संपत्ति के उचित संबंध में 'कोइ' भी आवेदनः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों द्वारा
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो अवधि
वाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र
निर्माण में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 92, जो 9वीं मंजिल, एफोपोलिस—ए इमारत
लिटल गिब्ज रोड, मालाबार हिल, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अर्ह-1/37ई/10333/85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1986 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 15-12-1986

मोर :

प्रकृष्ट आई. टी. एन. एस.

(1) उद्दुष्ट इण्डिया लि.।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमति ए. डी. जैन, और श्री राजेश जैन।

(अन्तरिती)

भारत भरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 दिसम्बर, 1986

निवेश सं. ० अर्द्ध-1/37ई/11532/85-86— अतः ममे,
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैट नं. 84-ए, जो, 8वीं मंजिल, मेहर-
आपर्टमेंट्स, अन्स्टे रोड, आफ अल्टामाउण्ट रोड, बम्बई-26 में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 के
धारा 269 का के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्या-
लय में रजिस्ट्री है, तारीख 5-5-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिशत के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिशत से, एसे दृश्यमान प्रतिशत का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकारों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के नीचे एसे अन्तरण के लिए तथा पाया यथा
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों द्वारा किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित रूप से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त—
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 84-ए, जो 8वीं मंजिल, मेहर आपर्टमेंट्स, अन्स्टे
रोड, आफ अल्टामाउण्ट रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

अनुसूची में जैसा कि क्र. सं. ० अर्द्ध-1/37ई/10357/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-5-86
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

(क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रबोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मतिष्ठा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 15-12-1986

मोहर :

प्रकृष्ट वाइ. टी. पन. एव. ।

(1) श्रीमति गिमू गमचन्द थडानी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

१५ दिसम्बर १९६१ अधीन भरना

(2) श्रीमति रेखा लखी चुलानी और श्री लाली गोमिन्द-
राम चुलानी ।

(अन्तरिक्षी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वाक्यालय (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 दिसम्बर 1986

निदेश सं० आई-1/37ई/11625/85-86— अतः

मझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने
का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० एसोसिएटेड को०-आप० हाउसिंग सोसाइटी
लि०, सुखमणी "ए" 683, बोमजा पेटिट रोड, बम्बई-36 में
स्थित है। (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269 के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है। तारीख 26-५-1986मैं पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधिकाल के लिए बंतरित की गई है और मझे यह विवास
करने का कारण है कि अधिकारी की सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अध्यमान प्रतिफल सं०, ऐसे अध्यमान प्रतिफल का
पूछ प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरियों
(बंतरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
क्रिया नियमित उद्देश्य से उक्त अन्तरण उचित में वास्तविक
मूल्य के अधिक नहीं किया गया है।—(क) अन्तरण में हीरे किसी जग की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शर्यतियों में कमी करने वा उक्त अन्तरण में सुविधा
के लिए; और/पा(ख) एसी किसी जग या किसी धन या जन्म आस्तिया
को, जिसके भारतीय आद-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर
लालीनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-
नाम अन्तरिती दृष्टिय प्रकल्प के बाया गया था
या इसके अन्तरिती दृष्टिय प्रकल्प के बाया गया था
के अन्तरिती दृष्टिय प्रकल्प के बाया गया था

एसोसिएटेड को०-आप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, सुखमणी

"ए" 683 बोमजा पेटिट रोड, बम्बई-36
अनुसूची जैसा कि को० सं० आई-1/37ई/10396/85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-५-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बईवक्त: वक्त, उक्त अधिनियम की धरा 269-वा के अनुचरण
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-वा की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
10—426 GI/86तारीख : 15-12-1986
मोहर :

प्रलूप आर्द्ध. टी. एन. एस. -----

(2) रोहित कुमार डी० कामशाह और मधुकांता रोहित-
कुमार कागदार।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) हेमत ठाकुर, लाल शहा और हर्षि हेमत शहा।

(अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकता (निगेक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 दिसंबर 1986

निवेदन सं० आई-1/37ई/11628/85-86— अतः मूले,
निमार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की वाय
269-घ के अधीन सदूच प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
पारण है कि स्थानीय समाज, जिसका उचित बाजार भूम्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, 6ठी मंजिल, (बी) विंग स्काय-
स्क्रीन बिल्डिंग, भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित है
(और इसमें उपाध्यक्ष अन्तसूची में आंग गूर्णसूप में वर्णित है), और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269
का अधीन, बम्बई निवेदन समाज प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्टर है। नारीख 26-5-1986

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार भूम्य से कम के अवधार
प्रतिफल के लिए अंतर्भूत की गई है और मूले यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
भूम्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से ऐसे इस्यमान प्रतिफल का
पञ्चांश प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ५८ अन्तरज के बिंदु इस
मात्रा गति प्रभावित, निष्पत्ति दद्दैष्य से उक्त अन्तर
निष्पत्ति ये बास्तविक हैं मे कोई नहीं हैं; अतः यह है—

(क) अन्तरण से हुए किसी वाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दिए जे अन्तरक वै
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहित
हो जिए; और/या

(ख) एधी किसी वाय या किसी उपयोग को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उसके अधिनियम, या अन्तरक संघीय अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रभाव अन्तरिती उकारा प्रक्षेत्र नहीं किया गया
है, तब तो वाय निष्पत्ति की गयी गया
जाएगा।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवालिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशंका :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि वाले में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में 150:३ ते तारीख ५
45 दिन के भीतर उक्त अधिकार सम्पत्ति प्रद्दित दृष्टिकोण
निवेदन संघीय अधिनियम, 1957 का 27 के अन्तर
निष्पत्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1, 6ठी मंजिल माला, (बी), विंग, स्कायस्क्रीन,
बिल्डिंग, भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26
और जो मकान प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-5-1986 की
रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निगेक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

नारीख : 15-12-1985
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायक्त (निरीक्षण)

ग्रंजन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 दिसंबर, 1986

निदेश मं० अई-1/37ई/11630/ 85- 86—अतः मुझे,
निमार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पहलाएँ 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि यथावत् सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. सं अधिक है

और जिसकी मं० फ्लेट नं० 62, 6ठी मंजिन माला, अनुपमा, 11;
मानव, मन्दिर रोड, मालाबार हिल, बम्बई-6 में स्थित है (अतः इसे
उपावड़ अनुसूची में आग पुर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार-
नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कथ के अधीन
बम्बई स्थित सकाम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख
25-5-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ जिसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम को बधाइ कर देने के अन्तरक के काविक्ष
में कमी करने पर असर बढ़ने वाले स्थिति के लिए
कारि/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भव या उक्त वास्तविकों
को, जिहें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
की जिस्त।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धातः ५—

(1) श्री विजय शांतीनाल शाक और अन्य।
(अन्तरक)

(2) श्रीमति लक्ष्मीदेवी एन० जजोडिया और अन्य।
(अन्तरिती)

(3) सेल्फ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से
45 दिन की अवधि या तत्कालीन व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाहर से समाप्त होली हो, वे भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के लिए

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थाय रसम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 62, जो 6ठी मंजिन माला, अनुपमा, 11, मानव
मन्दिर, मालाबार रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37ई/10399/85-86
और जो सकाम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-5-1986 को
रडिस्टर्ड किया गया है।

निमार अहमद
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
बम्बई रेंज-1, बम्बई

तारीख : 12-12-1986

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 दिसंबर, 1986

निर्देश सं० अई-1/37ई/11632/85-86— अतः मुझे,
निकार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 4, श्रीम दरिया महल को०-आप०
हाउसिंग सोसाइटी लि० दरिया महल 80, नेपियनसी रोड, बम्बई-6
में स्थित है (श्री इनमें उपाख्य अनुमूली में श्री धूर्ण रूप में वर्णित
है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की
धारा 269 कव्र के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, के
कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 26-5-1986

क्वोर्टीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह अंतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूचिधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कुमारी सुमन गत्संगी, ।

(अन्तरक)

(2) श्री कीर्ति मुमनलाल शेठ और श्रीमति रमिला
कीर्ति शेठ ।

(अन्तरक)

(3) कुमारी सुमन गत्संगी ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकंप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुमूली

फ्लेट नं० 4, श्रीम दरिया महल को०-आप० हाउसिंग
सोसाइटी लि०, दरिया महल, 3, 80, नेपियनसी रोड,
बम्बई-6 में स्थित है। ।

अनुमूली जैसा कि क्र० सं० अई-1/37ई/10400/85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-5-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

नितार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 15-12-1986

मोहर :

दस्तावेज़ नं. १८. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायोकर (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 दिसम्बर 1986

निर्देश सं० अई-1/37ई/11637/85-86— अतः मुझे,
निमार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विषेश इसके प्रभावों की उल्लेखनीयता 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है "इस्तेहार नियमित, विभिन्न उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. गे अधिक है"

और जिसकी सं० प्रिमायेस नं० 24, 2रा माला, मेकर टावर, (ग्रन्जन), कफ परेड, बम्बई-5 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), और जिसका कगरनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कानून के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख
26-5-1986

हो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्तेहार प्रतिफल के लिए उल्लिखित की गई है और यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रयोक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्तेहार प्रतिफल से, ऐसे इस्तेहार प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्ती (अंतरिक्तियाँ) के श्रेष्ठ ग्रन्जन असरण के लिए तथा प्राया यथा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित घोषित अधिकारी द्वारा किया गया है :—

(ए) बंतरण है तुरं किसी वाल व्यक्ति वाल, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बंतरक व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति करने वा उक्त बंतरण में दक्षिण किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने व्यक्ति व्यक्ति के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी अधिकारी द्वारा या किसी भूमि या क्षेत्र का अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या एवं कुछ अधिनियम, 1957 (1957 का 21) के प्रयोगनार्थ बंतरीत इसारा ब्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने व्यक्ति व्यक्ति के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ५—

(१) श्री मोहम्मद हुसैन अबूवकर और श्रीमति हवाबाई मोहम्मद हुसैन।

(अन्तरक)

(२) श्री प्रफुल जगमोहनदास मेहता और श्रीमति पन्ना प्रफुल मेहता।

(अन्तरिती)

(३) अल्लरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(अन्तरिती)

का यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकारीहायां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से उक्त सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद्युष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्मीनाथ—इसके प्रयोक्त व्यक्ति और पदों का, जो उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

प्रिमायेस नं० 24, 2रा माला, मेकर टावर्स, "एल", कफ परेड, बम्बई-5 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37ई/10403/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-5-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निमार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेज-1, बम्बई

तारीख : 15-12-1986

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस. -----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत उद्योग

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 दिसंबर, 1986

निदेश सं० आई-1/37ई/12133/85-86— अतः मुझे,
निम्नान् अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उत्तर अधिनियम’ कहा गया है), को भारा
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसकी उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 274, 27 वाँ माला, “डी” विलिंग
पेटिंग हाल, नेपिअन सी० रोड, बम्बई-6 में स्थित है (और इसमें
उपावद्धानुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारनामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के अधीन, बम्बई
स्थित स्थावर प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर है। तारीख
14-7-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य से यह विश्वास
करने का कारण है कि द्वयमान प्रतिफल के पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल पर, द्वयमान प्रतिफल का
पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नसिद्धि उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/ या

(क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना आहिए था, जिसमें मैं सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यापतियों, अर्थात् —

(1) श्री मनमिधका आपल मिलप लिं०।

(अन्तरिती)

(2) यही आई० पी० इन्डस्ट्रीज लिं०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्तन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

जल्दी सम्पत्ति के वर्तन के समान्तर में कोई भी आधोंप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों राजना पर
की लामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
शाय में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा:

दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयदृष्ट
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए था सकेंगे।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45

दिनांकित रूप से प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 274, 27 वाँ मंजिल, “डी” विलिंग, पेटिंग
हाल, नेपिअन सी० रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि शं० आई-1/37ई/ 10569/85-86
और जो द्वयम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-7-1986 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

निम्नान् अहमद
द्वयम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख : 15-12-1986

मोहर :

संस्कृत भाषा, नं। ११८३

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भाग 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 दिसम्बर, 1986

निर्देश मं० ए० आर० /1/37जी०/5391/86-87—अतः
मुझे, निमार श्रहमद्,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जो भाग
269-ष के अधीन सक्षम प्राप्तिकारों को, यह विश्वास करने का
कारण है कि यथावत् सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार, मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० प्राप्टी विवरित सं० नं० 1/3504, और
1/3449, आयकृत डिवीजन, गियन रोड है नथा जो बम्बई में स्थित
है (और इसे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
24-4-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरबान
प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूल्य के यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति वा उचित बाजार
मूल्य उसके दूरबान प्रतिफल से, ऐसे दूरबान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरारीक (अन्तरारीकों) ये दोनों इस जन्तुको को लिए तथा पाया
गया प्रतिपाल, गियरिविवृत उद्दृढ़ीय से उक्त अन्तरण प्रिसिल
से वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है ॥

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधि-
अधिनियम के अधीन कर दिने के अन्तरण के
साथित्व में किसी करने या उसमें बदनाम में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी एकसी आय की दूसी धन या अन्य अन्तरारी
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ उत्तरीती द्वारा बदनाम करने किया गया था या
विद्या जाता था हिन्दू धर्म प्रेरणाओं के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, राज्य अधिनियम की धारा 269-ष को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धातः ॥

(1) राज्यपत्र निर्मित ग्राहक नीविंग मिलिंग लिंग।
(अन्तरक)

(2) ए० जॉ. प्राप्टीज़ि ग्राह लिंग।
(अन्तरक)

(3) अन्तरक।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना दाती करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
प्रत्यावाहिया करता है ।

उ०: सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांडे भी आवेदन ॥—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना दी तारीख से 30 दिन की अवधि, और अभी
अवधि बाद में समाप्त होती है के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों द्वारा किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त यथावत् सम्पत्ति में हितवद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उक्तसामाजिकों के पार
स्थिति में किए जा सकेंगे ।

लाइसेंस — इसमें निम्न व्यक्ति और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्याय 20 के में परिभाषित
हैं, वही वर्ष हाँ या उस अन्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि नं० नं० प्र०-1/37जी०/827/86/
86-87 और जो मध्यम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
27-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

निभार श्रहमद्
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
प्रर्जन ऐन-1, बम्बई

तारीख : 15-12-1986
मोहर :

प्रकाश नाई, टी. एच. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा
269-ए (1) से अधीन सूचना

भारत बाजार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 दिसम्बर, 1986

निदेश सं. अई निदेश सं. प. आर०-1/37जी०/5385/
निसार अहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाषा 269-ए
के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. सी० प.म० नं. 18, गिरगांव डिवीजन, ही,
वार्ड, पास० टी० नम्बर्स 5-7, मामा परमानन्द मार्ग, चर्नी गोड़,
बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 1-4-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरिक्ष की गई है और भूमि यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एवं उसके दृश्यमान प्रतिफल का
रन्धर प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्षी
(अंतरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीर्ति नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हट्ट किसी आय की बाबत उक्त उक्त अधि-
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) उसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीनों
को, जिन्हें भारतीय बाज़-कर बैधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर बैधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिक्षी ब्यांगा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, लियाने में सुविधा
के लिए;

उक्त अधिनियम, की भाषा 269-ए की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भाषा 269-ए की उपधारा (1) के
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 1—

(1) श्री हेमन्त होराभाई पठेन।

(अंतरक)

(2) श्रीमति गुणवंती बापालाल मेहता और श्रीमति
सोनल रोमी मेहता।

(अंतरिक्षी)

(3) अन्तरिक्षी।

(वह व्यक्ति, जिसके अधि-
भीग में सम्पत्ति है)।

(4) अन्तरिक्षी।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बजाए जा-
लिए कार्यवाहीयां छुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के बजाए जा सकने में कोई भी वास्तविक

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्त्वज्ञानी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के बास
लिखित में किये जा सकते हैं।

स्थावीकरण :—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त
बैधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
है, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
रखा है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि क्र० सं. अई-1/37जी०/207-85/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-86
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निराम शहमद
अम पात्रिकारी
सहायक बायकर ग्राम्यक (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 15-12-1986

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी.ए.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, भारतीय आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 दिसंबर, 1986

निवेश सं० आई-2/37ई/33403/85- 86— अतः
मुझे, ए० वैद्य

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह दिव्यास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- (रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 9, रुपायतन, विने पार्ले (प),
बम्बई-५६ में स्थित है (ओर इसमें उपांडू अनुसूची में
पूर्ण-रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,
1961 की धारा 269 कण के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 8-4-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह दिव्यास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का
पूछ प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए टय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय को बायत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर)
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवतः :—

11—426 GI/86

- (1) मेरसे जस्मीन इस्टेट डेवलोपर्स प्रा० लि०।
(अन्तरक)
(2) श्री हरशंद हिमतलाल पारिख और श्रीमति जया-
गौरी हिमतलाल पारिख।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशोप ॥—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की जासीन से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य विक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 9, जो, 22ी मंजिल, रुपायतन बिल्डिंग, एम० नं०
191, 1918, एच० नं० 13, मी० टी० एस० नं० 431/1-2-3,
एम० वी० रोड, विने पार्ले (प) बम्बई ५६ में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ई/33403/85-
86 और जो तक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-4-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० वैद्य
तक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख : 12-12-1986

माहूर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

(1) गूडेचा चिल्डर्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) मेसर्से सुपर इलेक्ट्रोनिक्स।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 दिसम्बर, 1986

निवेश सं० आई-2/37ई/33544/85-86— अतः
मुझे, ए० वैद्यआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (पिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० फ्लेट नं० 11-ए, पल्लवी बीच गंगाम विले पाले
(प), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपालद्ध अनुसूची में और
पूरी रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम, 1961 की धारा 269 के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 17-4-1986को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विवाद
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल का
पद्धत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे उत्तरण के लिए तथा गमा
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीर्था करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि दाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य वक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्लिपकारण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के बैं परिभाषित
हैं, वही वर्त्त होता जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हूँ इसी काय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सर्विधा के लिए;
जीर/पा।(ग) ऐसी किसी काय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर)
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकल्प नहीं किया गमा था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में भविधा के लिए;फ्लेट नं० 11-ए, जो 1ली मंजिल, पस्तवी, बीच- एंजल,
मिलिट्री हाउस के मामने, मिलिट्री रोड, रुडिया पार्क, ज़ुहू,
विले पाले (प), बम्बई में स्थित है।अनुसूची जैसा कि क० सं० आई-2/37ई/33544/85- 86
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-4-1986 को
रजिस्टर्ड किया गया है।ए० वैद्य
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर मान्यक (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बईअतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित वर्तियों, वर्ततः :—तारीख : 12-12-1986
मोहर

संख्या ३४८, दौ०.१२.१२.-----

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग
धारा 269-ए (1) के अधीन तृष्णा

भारत सरकार

कार्यालय, राज्यालय आधिकर बाबूलत (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 दिसम्बर, 1986

निवेश सं० अई-2/37ई/33709/85- 86— अतः

मुझे, ए० बैद्य,

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 23, पल्लवी बीच-ऐंजल, जुहू, बम्बई
में स्थित है (और इसे उपाधिकर अनुसूची में और पूर्ण रूप से घण्टित
है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की
धारा 269 का के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कायलिय में रजिस्ट्री है तारीख 25-4-1986

अपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उक्ते छयान प्रतिफल से, ऐसे छयान प्रतिफल का
मूल्य प्रतिवर्त ते अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
री (अंतरीतयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया यथा
प्रतिफल निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अंतरण लिखित ते
रास्ताविक कर ते करित नहीं किया जाता है ।

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दर्ते हैं के अंतरक के
दावित ते जारी करने मा उक्ते अधिक ते अधिका
ते किए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय ता किसी भूमि या अन्य बासितयों
ते, जिन्हे बारतीय आधिकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का
भूत कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
यथा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने ते
सुविधा के लिए;

अतः अद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अधीक्षण :—

(1) मेसर्स गुडेचा विलडेंस ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स हिम्पलेक्स कोनकीट पाइल्स (इण्डिया),
प्रा० लि० ।

(अन्तरिती)

कि नहू तृष्णा आरी बाबूलत पूर्वोक्त सम्पत्ति के बाबत के विषय
कार्यवाहियों करता है ।

उक्त सम्पत्ति के बाबत के सम्बन्ध मे० जोहै भी बाकेप ।

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकारी पर
सूचना की ताबीत से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद भूमि सम्बन्धी होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अधिकारी मे० से किसी अधिकता द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख से
दिन के भीतर उक्त स्थान अधिकारी मे० हितवद्धु
किसी अन्य अधिकता द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाल
सिद्धित ते किए जा सकेने ।

सम्बोधन :—इसमे० प्रयुक्त सब्दों वारे पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क मे० परिभासित
हैं, वही बर्च होता जाे उक्त अध्याय मे० दिया
किया है ।

मुद्रण

फ्लेट नं० 23, जो, 2री मंजिल, विंग बी, पल्लवी बीच-
ऐंजल मिलिटरी, हाउस, के सामने मिलिटरी रोड, रुईया पार्क,
जुहू, विले पार्ले (प), बम्बई मे० स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37ई/33709/85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-4-1986 को
रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० बैद्य
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख : 12-12-1986

मोहर :

प्रकल्प बाई.टी.एन., एस.-----

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की
धारा २६९-ष (१) के अधीन सूचना

भारत वरकार

आवासिय, तहायक आयकर नाम्बर (मिलियन)

प्रजनन रेंज-१, बम्बई

बम्बई, दिनांक १२ दिसम्बर, १९८६

निवेश सं० अई-२/३७८६/३३४१२/८५-८६— प्रतः
मुझे, ए० वैद्य

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
२६९-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
१,००,०००/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० १२३६, विले पाले (प),
बम्बई-५६ में स्थित है (और इससे उपावदू अनुसूची में और पूर्ण-
रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,
१९६१ की धारा २६९ कथ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख ९-४-१९८६
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के उत्तमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके उत्तमान प्रतिफल से, ऐसे उत्तमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के बीच तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
प्रासादीकरण रूप से की थी नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हैरू किसी आय की वापसी, वहाँ
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वादित्व में करी करने वा उत्तम सूचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य कार्रितियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

बत. अबू, उल्लं अधिनियम की धारा २६९-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ष की उपधारा (१)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा :

(१) मेसर्स श्याम कन्ट्रूक्शन को।

(अस्तरक)

(२) मेसर्स संगम इन्टरप्राइसेस।

(अन्तरिती)

(३) भाडोबी।

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग
में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यशालियां शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी
अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबहुध
किसी बन्ध अधिक द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रवक्ता शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय २०-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
किया गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका सी० टी० एस० नं० १२३६, एफ०
पी० नं० २(पार्ट), फाईनल प्लाट नं० १२, टी० पी० एस० नं०
३, जंक्शन आफ स्टेशन रोड, और डी० जे० रोड, विले पाले,
(प), बम्बई-५६ में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-१/३७८६/३३४१२/८५-८६
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक ९-४-१९८६ को
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० वैद्य

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
प्रजनन रेंज-२, बम्बई

तारीख : १२-१२-१९८६

मोहर :

इकलौद बाई टी. एन. फूस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, याहादक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 दिसम्बर, 1986

निदेश सं. अई-2/37ई/33505/ 85-86— अतः
मुझे, ए० वैद्य

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे नं. 25, हिस्सा नं. 5 (पार्ट), अंधेरी,
बम्बई में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण-
रूप से वर्णित है), और जिसका कारानामा आयकर अधिनियम,
1961 की धारा 269 कथ के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 15-4-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अव्याप्त
प्रीतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अव्याप्ति प्रतिफल से ऐसे अव्याप्ति प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
ग्राहकीय रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी भाव की वापत, उक्त
अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक और
विधित में कमी करने या उससे बचने में परिवार
के लिए; और/मा

(ख) ऐसी एकली आय या किसी भन या अन्य जास्तीय
की, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगवार्ता अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने और
दृष्टिकोण के लिए;

अन. श्री, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) जेवियर बीमेले, हेजल बी.डीमेले और मेरसे बाईं
एप्ल एसेसिएट्स।

(अन्तरक)

(2) मेरसे पटेल प्लाजा प्रा० लि०।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके अधि-
(भोग में सम्पत्ति है)।

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उसमें व्यक्तियों पर
सूचना को सामीक्षा से 30 दिन की अवधि, और प्रौढ़
व्यक्ति वाले भी समाप्त होती हैं, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति के हितवृष्टि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधारित दाता या अधारित दाता
निविल भी सकते हैं।

प्राप्तीकरण:—इसमें प्रदूषित शब्दों और पर्दा का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में निर्भावित
हैं, वही अर्थ हुएं जो उन अध्याय में दिया
गया है।

मन्त्री

जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं. 25, हिस्सा नं. 5 (पार्ट)
सी० टी० एम० नं. 234, अंधेरी विलेज, अंधेरी बम्बई में
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं. अई-2/37ई/33505/ 85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-4-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० वैद्य

ग्राहक प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 12-12-1986

मोहर :

श्रृंग बाई^१.टी.एस.एस.-----

(1) मेसर्से के भारत एसोसिएट्स।

(अन्तरक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का
भारत 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) खी श्यामलाल मोंगा, श्री प्रोम प्रकाश मोंगा और
श्री सुरेन्द्र कुमार मोंगा।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 दिसम्बर, 1986

निवेद सं. अई-2/37ई/33688/ 85- 86— अतः
मुझे, ए० बैद्य

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारत
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु है अधिक है

और जिसका सं. फ्लेट नं. 403, होरायजान व्हीयू, वर्सोवा,
बम्बई-61 में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण-
रूप से वर्णित है), और जिसका करारानामा आयकर अधिनियम,
1961 की घारा 269 कवे के अधीन, बम्बई स्थित सकाम प्राधि-
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 23-4-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में एवं दृश्यमान प्रतिफल के दृश्यमान
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंदिर में कोई भी वास्तेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या संसाधनी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताभरी के पाल
लिखित में किए जा सकें।

प्राप्तीकरण—इसमें प्रथुक्त शब्दों और पदों का, जो अन्तर
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में किया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
साधित में अधीन करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) एंसो फिसी आय या किसी धन या अन्य जारीनरों
का जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या उन्होंना
आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-व के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अविक्तयों, अधौतः :—

अनुसूची

फ्लेट नं. 403, जो होरायजान व्हीयू, 1 प्लाट नं. 70,
सर्वे नं. 91 ए (पार्ट), 95 ए (पार्ट), ग्राफ जय प्रकाश रोड,
वर्सोवा बम्बई-61 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि अ० सं. अई-1/37ई/33688/85- 86
और जो सकाम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-4-1986 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० बैद्य

सकाम प्राधिकारी

महायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 12-12-1986

मोहर :

प्रधान मार्ग. टी.एन.एड.—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

मारत चरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

भार्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक 12 दिसम्बर, 1986

निवेश सं० अई-1/37ई/33260/85- 86— भ्रत: मुझे,
ए० बैद्य,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, विसेज चकाला, अंधेरी (प.),
बम्बई में स्थित है (और हमसे उपावद अनुसूची में और पूर्णिण से
दर्शित है), और जिसका करारनामा भायकर अधिनियम, 1961
की धारा 269 का के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारीके
कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 1-4-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधिकान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अधिकान प्रतिफल से, ऐसे अधिकान प्रतिफल का
मन्त्रहृषि प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिकी
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित भौ
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हूँ है किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दिने के अन्तरक के वायिष्ट में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(क) एनी किसी आय या किसी भूमि वा वस्तु वास्तुओं
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन्द-प्रदर्श अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गया
था या व्यापार जाना चाहिए था, अपार या सुचना
की रूपरूपी

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, भूमि अधिनियम की धारा 269-व वी उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्भात् :—

(1) धरना इन्वेस्टमेंट लिं० ।

(अन्तरक)

(2) द नेशनल रेडीयो एण्ड इलेक्ट्रोनिक्स क० लिं० (नेल्को),
(अन्तरिती

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत
कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अंतर्गत के संबंध में काहौ भा भाजेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के ग्रीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितः
महू जिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
लाये लिखित में किए जा सकेंगे।

अधिकारण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वहाँ का, जो उक्त
अधिनियम के अन्तर्गत २०-के से परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

नमूने

जमीन का हिस्सा जिसका एम० नं० 83/2 (पार्ट), 83/
3 (पार्ट), 84/2 (पार्ट), 118/1 (पार्ट), 118/2 (पार्ट),
सी० टी० एम० नं० 238 (पार्ट), विहैज मूलगांव, सी० टी०
एस० नं० 8 (पार्ट), 8/1 (पार्ट), 8/2 (पार्ट), विलेज चकाला
अंधेरी (प.), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-1/37ई/33260/ 85-86
में, जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1986 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० बैद्य

सक्षम प्राधिकारी
सहायक भायकर आयकत (निरीक्षण)
भार्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 12-12-1986

मोहर :

प्रस्तुत आई. ई. एल. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ के अधीन सूचना

(1) प्रिस्ट इंस्टरप्राइसेस।

(अन्तरक)

(2) भावेश्वर इंस्टरप्राइसेस।

(अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 दिसम्बर 1986

निदेश सं. अर्ह-1/37ई/333592/ 85-86— अतः
भुग्त, ए.० बैच,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवेताम करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. सी० टी० सर्वे नं० 122 (पार्ट), सहार विलेज,
ग्राम्परी, बम्बई में स्थित है (और इससे उपावड़ा ग्रन्तुसूची में और
पूर्णपृष्ठ से अणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की भारा 269 कथ के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। सारीख 15-4-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुग्ते यह विवेता
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से एक्से इस्यमान प्रतिफल का
पश्च प्रतिवाह से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एक अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बावधान में समाप्त होता है, के भीतर पूर्वोक्त
विक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थापत्र सम्पत्ति में छितवड़म
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरणी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जां उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-का भा परिभ्रान्ति
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय से दिया
गया है।

मनुसूची

(क) अन्तरण से हुए किसी बाय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर बने के अंतरक के वायित में
कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती व्यापार प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

जमीन का हिस्सा जिसका सी० टी० सर्वे नं० 122 (पार्ट),
123 (पार्ट), 123/1 से 4, 124/1 से 5, 133 (पार्ट), सहार
विलेज, ग्राम्परी, बम्बई में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि क्र० सं० अर्ह-1/37ई/33592/ 85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-4-1986 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए.० बैच
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के अनुहरण
में, दौ, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभाषा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 12-12-1986

मोहर :

प्रकाशन द्वारा : टी. एम्. एस. हैंड्रेस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाबूकर बाबूकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 दिसम्बर 1986

निवेदन सं० अई-1/37ई/33261/ 85- 86— अतः मुझे,
ए० बैठा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि इस्थान पर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० विलेज चकाला, मूलगांव अंधेरी (प.), बम्बई में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमूल्यी में और तृष्णका से वर्णित है),
और जिसका करारनामा आयकर धिनियम, 1961 की धारा 269
के ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कायानिय में
रजिस्ट्री है। तारीख 1-4-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का
पञ्चाह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरक) और
बन्तरिती (बन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
यादा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त बन्तरण
निर्वाचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के
शायित्र में कमी करने या इससे बचने में सहित
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों
जॉ, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सहित के लिए;

अठ: मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
मैं अपने निम्नलिखित अधिकारी के बर्ताव —
12—426 GI/86

(1) बर्ताव इन्वेस्टिमेंट लिं.

(अन्तरक)

(2) द.नेशनल रेडियो एण्ड इलेक्ट्रोनिक्स क० लिमिटेड
नेल्को।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्तन के लिए
कायानिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वास्तव

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या वर्तमानधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उभय
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुमूल्यी

जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 83/2 (गाँई), 83/3
(पार्ट), 84/2 (पार्ट), 84/4 (पार्ट), 118/ 1 (पार्ट),
सी० टी० एम० नं० 238 (पार्ट), विलेज मूलगांव, सी० टी०
एस० नं० 8 (पार्ट), विलेज चकाला, अंधेरी (प०), बम्बई में
स्थित है।

अनुमूल्यी जैसा कि क० सं० अई-1/37ई/ 33262/ 85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1986 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० बैठा

सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 12-12-1986

मोहर :

प्रख्य आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 दिसंबर 1986

निदेश सं० ए० आर० 2ग्र/37जी०/3886/ अप्रैल, 1986

प्रतः मुझे, ए० वैद्य,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, सर्वे नं० 106, अंदेरी, बम्बई में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में प्रीर पूर्णरूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-4-1986
को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बारीत्य
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मालती माधव कुलकर्णी, विजया विनायक विधायक
राजनी चन्द्र कांत गुप्त और शिंगिकला गंगानन मन्हें-
कर।

(अन्तरक)

(2) रामदत अपार्टमेंट को०-प्राप० हाउसिंग सोसाइटी
निं०

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग
में सम्पत्ति है)।

यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के बजेन के लिए
कार्यशालाओं करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

नमूना

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस०-864/82 और जो
उप रजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 23-4-1986 को रजिस्टर्ड
किया गया है।

ए० वैद्य
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 12-12-1986

मोहर :

प्रूप आ०. टी. एन. एस.-----

(1) सुरेन्द्र सी० क्षेत्री और अन्य

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-प के अधीन सूचना

(2) एम० एल० गुप्ता।

(अन्तरिक्त)

भारत सरकार

(3) सीराज कमधीन, प्रोसेस टिबर प्राइवेट्स और प्रैस्टो
लीटी।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फ़िसाम्बर 1986

मिदेश सं० ए० आरा० 28/37जी/3888/मई 86—अतः

मुझे, ए० वैद्य,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० जमीन का क्रिस्या, ओल्ड एस० नं० 156, प्लाट
नं० 1, एन० ए० नं० 156 बी०, गस० शी० गोड, विले पाले (प.),
बम्बई में स्थित है (आयकर से उपाय ह अनुसूची में और पुण्यरूप में
दर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कागोलय, बम्बई में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

2-5-1986

को पूर्णकर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास
करने का कारण है कि भव्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
द्रह अतिशय सम्भव है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिक्ती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्दरण लिखित तर्जे
वासांशिक रूप में कीथर नहीं किया गया है—कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करूँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ये
45 दिन की बलाधी या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की बलाधी, जो भी
बलाधी बीच में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ये
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी बन्ध विकल द्वारा जधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।सच्चीकरण:—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के बधाय 20-क में परिभासित
है, वही अर्थ होगा जो उस बधाय में दिया
दिया है।

बन्दुकों

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
प्रयोजनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना आविहए था, छिपाने में लूपिधा के
लिए;अनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस-158/81, और जो उप-
रजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 2-5-1986 को रजिस्टर्ड किया
गया है।

७० वैद्य

मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2 बम्बई

तारीख : 12-12-1986

मोहर :

कथा : बव, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के अनुसरण
म., म., उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्जात् ८—

प्रस्तुप लाइन्. टी. एन. एस.-----

(1) मेसर्स एम० आर० कम्बार्हिन ।

(अन्तरक)

आदेश अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

(2) श्री चन्द्र प्रकाश मित्तल और श्रीमति कुमुम सी
मित्तल ।

(अन्तर्दिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर आयकर (निरीकण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 दिसंबर, 1986

निवेदन सं० अर्ड-2/37ई/33568/85- 86— ग्रन्त: भुजे,
ए० वडा,

आदेश अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उक्त के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 209, जल दर्शन, जुहू, बम्बई-49 में
स्थित है (और इसमें उपावट अनुसूची में और पूर्णस्पष्ट से वर्णित है)
और जिसका कागरनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269 काल के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्टर है, तारीख: 17-4-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उक्त के दृश्यमान प्रतिफल से एंसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंदरा अतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरीती
(अन्तरितियों) और बीष एंसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित संदर्भेय से उक्त अन्तरण निवित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कौर्ह भी आधोप है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की लागील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में स्माप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकृत स्थानांश के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में विभागित
हैं, वही अथवा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हटा किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपने में सुविधा
के लिए;

फ्लेट नं० 209, पार्की नं० 12 के साथ, जो जल दर्शन, एस०
नं० 44, एच० नं० 1 (पाट), 2 (पाट), हर्ड्या पार्क, जुहू, बम्बई-
400049 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि शं० सं० अर्ड-1/37ई/33568/ 85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-4-1986
रजिस्टर है किया गया है।

ए० वैद्य

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीकण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख: 12-12-1986

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुत बाई. टी. एन एस.-----

(1) मेसर्स एम० आर० कम्बर्ट्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब के अधीन सूचना

(2) श्री मुरेन्द्र सिंह भला।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आपूर्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 दिसम्बर 1986

निदेश सं० अई-1/37ई/ 33691/ 85- 86— अतः मुझे,
ए० बैद्य,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 409 जल दर्शन, जूँड, बम्बई 49 में
स्थित है (और इसमें उपांव अनुमूली में और पूर्णमप में वर्णित है),
और जिसका कगारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269 के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्रानिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है, तारीख 23-4-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में फ्रॅट के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिक्रिया स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिवित में
वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँई किसी आय की बावजूद, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने वे सुविधा वे लिए
बौर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम,, के अध्याय 20-क में दरिभाषित
हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 409 स्कॉटर पार्किंग नं० 8 के साथ जो जल दर्शन
एस० नं० 44 एच० नं० 1 (पार्ट) 2 (पार्ट) द्वारा पार्श्व जूँड
बम्बई-49 में स्थित है।

अनुमूली जैसा कि क्र० सं० अई-1/37ई/ 33691/85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 23-4-1986 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० बैद्य

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रजन रेज-1 बम्बई

तारीख : 12-12-1986
मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जन रेज-1

प्राकृत्य आई.टी.एन.एस.-----

गोपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 दिसम्बर 1986

निदेश सं. अई-1/37ईई/ 33563/ 85- 86— अतः

मुझे ए० वैद्य,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसमें पद्धति 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 23-सी रईया पार्क जुहु बम्बई में स्थित
है (भी इसमें उपावद्व अनुसूची में और पूर्णकृप में वर्णित है)
और जिसका कगरानामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269 व के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है, तारीख 17-4-1986

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एरे दृश्यमान प्रतिफल के
पद्धति प्रतिष्ठात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(ए) अस्तरम सं. द्वाई किसी वाय की बाबत, ज्ञान
विभिन्न वाय वाय वाय वाय वाय वाय वाय वाय
में वाय वाय वाय वाय वाय वाय वाय वाय वाय वाय

(ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, विन्है भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ए.
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट भए हैं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

(१) जुहु इस्टेट कारपोरेशन।

(अन्तरक)

(२) श्री उमेश विश्वास नस्ता और श्री विनोद विश्वास
नस्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तव :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सरांचनी अवधियों पर
धूमगांडी तामील से 30 दिन की अवधि या भी
अवधि बाद में जायात्र होती हो के भीतर पूर्वोक्त
द्वाजनकों से दूर किया जानी चाहिए,

(द) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षित अवधारणा के
पास लिखित में किया जा सकेंगे।

संबोधित करण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 23-सी जो द्विसी मजिल रईया पार्क सर्वे नं०
47 जुहु बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जिसा कि क्र० सं० अई-1/37ईई/ 33563/85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-4-1986 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० वैद्य

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बम्बई

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख : 12-12-1986

मोहर :

प्रस्तुत वाइ. टी. एन. एस. -----

(1) रिशी शमशेर जे० बी० राना।

(अन्तरक)

मालकर अधिनियम, 1961 (1961 वा० 43) की
भारा० 269-व (1) के बाबीन सूचना

भारत सरकार**कार्यालय, साहायक आयकर बाजार (निरीक्षण)**

अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 दिसम्बर 1986

निदेश सं० अई-2/37ई/33692/84-86—ग्रतः
मुझे, दाम वैद्य,

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 वा० 43) (जिसे इसमें
इसके प्रभावस्थ 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की भारा०
269-व के बाबीन मकाम प्राधिकारी को यह विवाद करने का
कारण है कि स्थानीय सम्बत, जिसका उचित बाजार बम्बई
1,00,000/- रु. से अधिक है**

फर्ट नं० पीरोजा कोट, जुहू, बम्बई-49 में स्थित है (और
इससे उपावट अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
और जिसका कगारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269 का के अधीन, बम्बई स्थित मकाम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है। तारीख 23-4-1986

जो पूर्वोक्त सम्बत के उचित बाजार बम्बई का कार्यालय
उचित के बिंदु अस्तित्व की गई है और वह विवाद
करने का कारण है कि वाचापूर्वोक्त सम्बत का उचित बाजार
बम्बई, उपावट प्रतिफल से, एसे वाचापाल प्रतिफल का
एक अधिकार से अधिक है और उचित (अंतरका०) और अधिकारी
(अन्तरिकारों) के बीच एडे जन्तरण के बिंदु तब आवा० या
प्रतिफल, विनाशित जाहाजों से उचित बम्बई उचित के
कार्यालय का है अधिक यहाँ लिखा जाता है :—

(1) उचित है दूर्दृष्टि नाम की बाबत उचित अधिकार
या कार्यालय की वाचापाल अंतरका० के बाबीन के बाबीन से
कारी करने का उपावट आवर्त्तन से तुलित है किए;
मील/वा०

(2) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिहू० भारतीय आप-कर अधिनियम, 1922
(1922 वा० 11) या उचित अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रभावान्वय अंतरका० द्वारा प्रकट नही० किया
जाता था या किया जाता चाहौङ था, उसका मे०
त्रिपल है किए;

गतः अब, उचित अधिनियम की धारा 269-व के अनुसूचण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के बाबीन, निम्नलिखित अधिकारी

(7) अकबर पदमभी।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बत के अर्जन के लिए
उपावट करता है।

उचित सम्बत के अर्जन के सम्बन्ध में जोहै वी बालेष :—

(क) इस सूचना के राबूपत्र में प्रकाशन की तारीख 15
45 दिन की बाबीन या सत्तोवंशी अविकलनों एवं
सूचना की तारीख से 30 दिन की बाबीन, जो भी
बाबीन बाब द्वारा समाप्त होती हो, के बीचर पूर्वोक्त
अविकलनों में है किसी अविकलन द्वारा;

(ख) इस सूचना के राबूपत्र में प्रकाशन की तारीख 15
45 दिन के बीचर उचित स्थानीय सम्बत में हिस्त
बम्बई किसी अन्य अधिकारी द्वारा जाहोरहवासरी के
ताब लिखित में किए जा छक्के।

लक्षणीयः—इसमें प्रकाशन की बाबीन और उचित अधिकारी की बाबीन भारतीय अधिनियम, एवं अध्याय 20-क में विवरित है, जहाँ वर्ष होने के बाब उपावट में विद्या जाता है।

ननूसूची

67वी० मंजिल पर पर्सेट जो पीरोजा कोट, को०-ग्राम०
हाउंगिस सोमाइटी० लि० 5-ए, गांधी ग्राम रोड, जुहू, बम्बई-49
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि श्र० सं० अई-1/37ई/33692/
85-86 और जो सकाम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-4-86
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० वैद्य
मकाम प्राधिकारी
साहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-१, बम्बई

तारीख : 12-12-1986

मोहर :

प्रस्तुत वाइ. टी. पर. एस., ——————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर विभाग (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 दिसम्बर 1986

निदेश सं० अई-1/37ईई/ 33589/ 85-86— अतः मुझे,
ए० वैद्य,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसने इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा था है), की धारा 269-
प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 6, मधुबन, जुहु विले गाले, स्कीम,
बम्बई में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्णक्षण से
वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961
की धारा 269 कथा के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्टर्ड है, तारीख 17-4-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थगान
प्रतिक्रिया के लिए उक्त अधिनियम की गई है और इसे यह विश्वास
करने का कारण है कि विश्वास पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके स्थगान प्रतिक्रिया के लिए उचित बाजार मूल्य
मूल्य विवरण में वर्णित है और बंदरगढ़ (बंदरगढ़) और बंदरियी
(बंदरियीहारों) में दोष दर्शन विवरण के लिए उक्त बाजार मूल्य अधिक-
तम निम्नाधिक बंदरगढ़ में उचित बंदरगढ़ विवरण, वै सक्षमपूर्ण
का से कठित नहीं किया जा सकता है ॥

(३) अनुसूची वाले वार्ता वाले उक्त अधिनियम के अधीन कर देने से बंदरगढ़ के वायित्व में
कार्य करने वाले उक्त वायित्व में सक्षिप्त के लिए
वैद्य/ए

(४) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, किन्हें आखीर बाजार अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, हा अव-
धार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगार्थ बंदरियी विवरण गहरी किया जाए
वा या किया जाना जानी चाहीए था, कियावे वै दृष्टिपा
ग्या है।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स जी० सी० इन्टरप्राइजेज ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति शारदाबेन भीगीलाल बोग और श्री राजेण
भीगीलाल बोहरा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बाई करके पूर्वोक्त संपत्ति के बारंग के लिये
कार्यवाहिया शुरू करता है ।

उक्त संपत्ति के बारंग के हंडव वै कोइ भी बालोंपे ॥

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
संचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भी
अवधि बाद भी समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टज्ञकरण:—इसमें प्रदूषत शब्दों और पदों का, को उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है ।

अनुसूची

फ्लेट नं० 6, जो, 3री मंजिल, मधुबन प्लाट नं० 9, सी० टी०
एस० नं० 345/19, जुहु विले गाले, स्कीम, बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37ईई/ 33589/ 85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-4-1986 को
रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० वैद्य¹
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 12-12-1986

मोहर:

संघ लोक सेवा आयोग
नॉटिस

स्पेशल क्लास रेलवे अप्रैन्टिसेज परीक्षा, 1987

नई दिल्ली, दिनांक 24 जनवरी, 1987

सं. एफ. 5/2/86 पं. 1 (ह) — भारत के राजपत्र दिनांक 24 जनवरी, 1987 में रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा में स्पेशल क्लास अप्रैन्टिस के पदों पर नियुक्ति हेतु अयन के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अग्रतल्ला, अहमदाबाद, एजल, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, चंडीगढ़, कोर्चीन, कटक, दिल्ली, दिसपुर (गोहाटी), हैदराबाद, इम्फाल, हठानगर, जयपुर, जम्मू, जोधपुर, कोहिमा, लखनऊ, मद्रास, नगपुर, पणजी (गोवा), पटना, पोर्टब्लैयर, रायपुर, विलाश, शिमला, श्रीनगर, तिरुपति, त्रिवेन्द्रम, उदयपुर और विशाखापत्नम में 14 जूलाई, 1987 से एक परीक्षा ली जाएगी।

आयोग यदि चाहे तो उक्त परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा तारीहों में परिवर्तन कर सकता है। यथापि उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा के लिए उनकी पसन्द के केन्द्र देने की सभी प्रयास किए जाएंगे तो भी आयोग परिस्थितिवश किसी उम्मीदवार को अपने विवेष पर अलग केन्द्र दे सकता है। जिन उम्मीदवारों को इस परीक्षा में प्रवेश मिल जाता है उन्हें सभी सारिणी तथा परीक्षा (स्थलों) की जानकारी दी जाएगी। (अमृदन्ध 1 पैरा 11 देखिए)।

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की अनुमानित संख्या 20 है। इस संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है।

इन रिक्तियों में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षण भारत सरकार द्वारा निश्चित संख्या के अनुसार किया जाएगा।

3. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित आवेदन प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, भौतिक द्वारा, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा से सम्बद्ध पूर्ण विवरण वो रु. (रु. 2) देकर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, भौतिक द्वारा, नई दिल्ली-110011 को मनीषार्डर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर द्वये भारतीय पोस्टल बार्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीषार्डर/पोस्टल बार्डर के स्थान पर द्वये या कर्सी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये आवेदन-प्रपत्र आयोग के काउन्टर पर मण्ड भगताम द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। दो रुपये (रु. 2) की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

टिप्पणी:—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन पत्र स्पेशल क्लास अप्रैन्टिस परीक्षा 1987 के लिए निर्धारित मित्रित प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें। स्पेशल क्लास रेलवे अप्रैन्टिसेज परीक्षा, 1987 के लिए निर्धारित आवेदन प्रपत्रों से इतर प्रपत्रों पर भरे हुए आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

13—426 GT/86

4. भरा हुआ आवेदन-पत्र आवेदनक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, भौतिक द्वारा, नई दिल्ली 110011 को 23 मार्च, 1987 (23 मार्च 1987 से पहले की किसी तारीख में असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले तथा चम्बा जिले का पांची उपमण्डल अंडमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्ष्मीपी और जिनके आवेदन उपर्युक्त में से किसी एक क्षेत्र से डाक द्वारा प्राप्त होते हैं उनके माले में 6 अप्रैल, 1987 तक) या उससे पहले डाक द्वारा अवश्य भिजवा दिया जाए या स्वयं आयोग के काउन्टर पर जाकर जमा कर दिया जाए। निर्धारित तारीख के बाद होने वाले किसी भी आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले तथा चम्बा जिले का पांची उपमण्डल अंडमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्ष्मीपी और विवेशों में रहने वाले उम्मीदवार से आयोग यदि चाहे तो इस द्वारा का लिखित प्रस्तुति करने के लिए कह सकता है कि 23 मार्च, 1987 से पहले की किसी तारीख से असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले तथा चम्बा जिले का पांची उपमण्डल अंडमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्ष्मीपी या विवेश में रह रहा था।

टिप्पणी (1):—जो उम्मीदवार एसे क्षेत्र के हैं जहाँ के रहने वाले आवेदन की प्रस्तुति होते अतिरिक्त सभी को हल्कावार हैं, उन्हें आवेदन पत्र के मंगत कालम में अपने पत्तों में अतिरिक्त सभी को हल्कावार इलाके या क्षेत्र का नाम (अर्थात् असम, मेघालय, जम्मू तथा कश्मीर राज्य का लद्दाख प्रभाग) स्पष्ट रूप से निर्विष्ट करना चाहिए अन्यथा हो सकता है कि उन्हें अतिरिक्त सभी का लाभ न मिले।

टिप्पणी (2):—उम्मीदवार को सलाह दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र को स्वयं संघ लोक सेवा आयोग के काउन्टर पर जमा कराएं अथवा रजिस्टर्ड डाक द्वारा भेजें। आयोग के किसी अन्य कर्मचारी को दिए गए आवेदन-पत्रों के लिए आयोग उत्तर-दायी नहीं होगा।

5. इस परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ रु. 36.00 (रु. छह टीस बैल) का शुल्क जो सचिव संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली प्रधान डाकघर पर द्वये रेसांकित भारतीय पोस्टल बार्डर के स्वयं में हो, या सचिव संघ लोक सेवा आयोग के नाम भारतीय स्टेट बैंक की मुद्रा द्वारा, नई दिल्ली पर द्वये भारतीय स्टेट बैंक की किसी भी शाखा से जारी किए गए रेसांकित बैंक ड्रॉफ्ट के स्वयं में हों, अवश्य भेज दें।

अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों को कोई शुल्क नहीं देना है।

विवेश में रहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे अपने पहाँ के भारत के उच्च आयोग, राजदूत या विदेश स्थित

प्रतिनिधि, जैसी स्थिति हो, के कार्यालय में निर्धारित शुल्क इस प्रकार जमा करें, जिससे यह “051 लोक सेवा आयोग परीक्षा शुल्क” के लेखा शीर्ष में जमा हो जाए और उसकी रसीद लेकर आवेदन-पत्र के साथ भेज दें।

जिन आवेदन-पत्रों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एकत्र अस्तीकार कर दिया जाएगा। यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होगा जो निम्नलिखित पैराग्राफ 6 के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

6. आयोग यदि चाहे सों, उस परिस्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट वे सकता है जब वह इस बात से संतुष्ट हो कि अवेदक या तो 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में भूतपूर्व पाकिस्तान (अब बंगला देश) से भारत आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है, या वह बर्मा में वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, या वह अक्टूबर 1964 के भारत श्रीलंका समझीते के अन्तर्गत श्रीलंका से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद प्रवृत्तन कर भारत आया है या श्रीलंका से मूलतः भारतीय व्यक्ति है जिसके प्रवृत्तन करने की संभावना है या भूतपूर्व पैश्चम पाकिस्तान, से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है, जो 1 जनवरी, 1971 तथा 31 मार्च, 1973 के बीच की अवधि के सारांश भारत प्रवृत्तन कर चक्का था और निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

7. यदि किसी उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया है किन्तु उसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो, तो उसे रु. 21.00 (रुपये इक्कीस) की राशि वापस कर दी जाएगी। किन्तु यदि निम्नम 6 के नीचे लिखी दियप्रणी-।। की शर्तों के अनुसार परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार का आवेदन-पत्र यह सूचना प्राप्त होने पर अस्तीकार कर दिया जाता है कि वह अहंक परीक्षा में असफल रहा है अथवा वह उपर्युक्त टिप्पणी के उपर्युक्तों की शर्तों की अपेक्षाओं का अन्यथा पालन नहीं कर सकेगा तो वह शुल्क वापसी का हकदार नहीं होगा।

उपर्युक्त और नीचे प्र० 8 में संबंधित व्यवस्था को छोड़कर अन्य किसी स्थिति में आयोग को भूतपालन किए गए शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जायेगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

8. यदि कोई उम्मीदवार 1986 में स्पेशल क्लास रेलवे अप्रैलिंसेज परीक्षा में बैठा है और अब वह इस परीक्षा में प्रवेश का इच्छक हो, तो वह परीक्षा परिणाम के अधारा नियमित प्रस्ताव की प्रतीक्षा किए दिना अपना आवेदन-पत्र निर्धारित तारीख तक आयोग के कार्यालय में प्रस्तुत कर दें। यदि 1986 की परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियमित होते उनकी अनुशंसा हो जाती है, तो 1987 की परीक्षा के लिए उनकी उम्मीदवारी उनके अन्तर्गत पर रखद कर दी जाएगी और उन्हें परीक्षा शुल्क वापस कर दिया जाएगा, किन्तु शर्त यह है कि उम्मीदवारी द्वारा करने तथा शुल्क वापसी के बारे में उनका अन्तर्गत आयोग के कार्यालय में 1986 की परीक्षा के फाइनल परिणाम “रोजगार समाचार” में प्रकाशन की तारीख से 30 दिन के अन्दर अघश्य पहुंच जाए।

9. उम्मीदवार द्वारा अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद, उम्मीदवारी वापिस लेने के संबंध में किसी भी अन्तर्गत को किसी भी परिस्थिति में व्युक्ति नहीं किया जायेगा।

10. जैसा कि परीक्षा नियमावली के परिशिष्ट 1 में उल्लिखित परीक्षा योजना में निर्दिष्ट किया गया था, सभी विषयों के प्रश्न-पत्रों में वस्तुप्रक प्रश्न पृष्ठे जायेंगे। नमने के प्रश्न सहित वस्तुप्रक परीक्षण संबंधी व्यौरे के लिए कृपया “उम्मीदवार सूचना विवरणिका” के अनुबंध-।। का अवलोकन करें।

एम. के कृष्णन, उप सचिव संघ लोक सेवा आयोग

अनुबंध ।

उम्मीदवार को अनुदेश

1. उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-प्रपत्र भरने से पहले नोटिस और नियम ध्यान से पढ़ कर यह देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र भी हैं या नहीं। निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जा सकती है।

आवेदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीदवारों को नोटिस के पैराग्राफ 1 में दिए गए कोद्रों में से किसी एक को, जहां वह परीक्षा देने का इच्छुक है, अंतिम रूप से चुन लेना चाहिए।

उम्मीदवार को ध्यान रखना चाहिए कि केन्द्र में परिवर्तन से सम्बद्ध अनुरोध को सामान्यतया स्वीकार नहीं किया जाएगा। किन्तु जब कोई उम्मीदवार अपने उस केन्द्र में परिवर्तन चाहता है जो उसने उक्त परीक्षा होते अपने आवेदन में निर्दिष्ट किया था तो उसे सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, को इस बात का पूरा अधिकार बताते हुए एक पत्र रीजिस्टर्ड डाक से अवश्य भेजना चाहिए कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यों चाहता है। ऐसे अन्तरोंपर गणवत्ता के आधार पर विचार किया जाएगा किन्तु 15 जून, 1987 के बाद प्राप्त अन्तरोंपर को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

2. उम्मीदवार को आवेदन-पत्र तथा पावती कार्ड अपने हाथ से स्थाही से अथवा बाल पाइन पैन से ही भरने चाहिए। अधरा या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्र अस्तीकार किया जाएगा।

उम्मीदवार यह ध्यान रखें कि आवेदन-पत्र भरते समय उन्हें भारतीय अंकों में केवल अंतर्राष्ट्रीय रूपों को ही प्रयोग करना है। चाहे माध्यमिक स्कूल छोड़ने के प्रमाण-पत्र, या उसके समकक्ष प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख हिन्दी अंकों में वर्ज है तो भी उम्मीदवार यह सुनिश्चित कर ले कि वे आवेदन-पत्र में प्रविष्ट करते समय इसको भारतीय अंकों के केवल अंतर्राष्ट्रीय रूप में ही लिखें। वे इस बारे में विशेष सावधानी बरतें कि आवेदन-पत्र में की गई प्रविष्टियां स्पष्ट और स्पष्ट हों। यदि वे प्रविष्टियां अपाठ्य या भामक हैं तो उनके निर्वाचन में होने वाली भाँति या संदेह के लिए उम्मीदवार जिम्मेदार होंगे।

उम्मीदवार को यह भी ध्यान रखना चाहिए कि आयोग द्वारा आवेदन-पत्र में उनके द्वारा की गई प्रविष्टियों को बदलने के लिए कोई पत्र आदि स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसलिए उन्हें आवेदन-पत्र सही रूप में भरने के लिए विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

सरकारी नीकरी में या सरकारी स्वामित्व वाले औपचारिक उद्यमों या इस प्रकार के अन्य संगठनों या निजी रोजगारों में पहले से काम करने वाले सभी उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्र आयोग को सीधे भेजने चाहिए। यदि कोई एसा उम्मीदवार अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता की मार्फत भेजता है और वह संघ नोक सेवा आयोग में दौरे से पहुंचता है तो भी उस पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता के अंतिम तारीख से पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्तिकृत पहले से ही सरकारी नीकरी में आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर स्थायी या अस्थायी हैं सियत से या कार्य प्रभारित कर्मचारियों की हैं सियत से काम कर रहे हैं अथवा जो लोक उद्यमों के अधीन सेवारत हैं, उन्हें यह परिवर्णन (अंडरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के प्रधान को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियोक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने से सम्बद्ध अनुमति रोकते हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन-पत्र अस्वीकृत/उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

3. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रमाण-पत्र अवश्य भेजने चाहिए :—

- (1) निर्धारित शूलक के लिए रेसांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर या बैंक ड्रॉफ्ट (दर्जिए नोटिस का पैरा 5)।
- (2) आगु के प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
- (3) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
- (4) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें. मी. × 7 सें. मी.) के फाँटों की दो एक शैक्षिक प्रतियां इनमें से एक प्रति आवेदन-पत्र पर और दूसरी उपस्थिति पत्रक पर निर्धारित स्थान पर चिपका दी जानी चाहिए।
- (5) स्कूल और कलिज में उम्मीदवार के शिक्षणकाल का संक्षिप्त विवरण जिसमें उसकी शैक्षिक तथा खेलकूद के सम्बद्ध सफलताओं का उल्लेख हो तथा जिसे वह स्वयं अपने हाथ से लिखे और उस पर हस्ताक्षर करे।
- (6) जहां लागू हो वहां अनुसन्धित जाति/अनुसूचित जनजाति का होने के बावें के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (दर्जिए नीचे पैरा 4)।
- (7) जहां लागू हो वहां आय/शूलक में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि। (दर्जिए नीचे पैरा 5 और 6)।
- (8) विधिवत् भरा हुआ उपस्थिति पत्रक (आवेदन-पत्र के साथ संलग्न)।
- (9) लगभग 11.5 सें. मी. × 27.5 सें. मी. आकार के बिना टिकट लगे हुए दो लिफाफे जिन पर आपका पता लिखा हो।

टिप्पणी (1):—उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्रों के साथ उपर्युक्त मद (2), (3), (6) तथा (7), पर उल्लिखित प्रमाण-पत्रों की केवल प्रतियां ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रमाणित हों। अथवा स्वयं उम्मीदवार स्वारा सही रूप में सत्यापित हों। जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा के परिणामों के आधार पर व्यक्तिगत परीक्षण हेतु साक्षात्कार

के लिए अर्हता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किए जाने के सुन्नत वाले उपर्युक्त प्रमाण-पत्रों की मूल प्रतियां प्रस्तुत करनी होंगी। लिखित परीक्षा के परिणाम सितम्बर, 1987 महीने में घोषित किए जाने की संभावना है। उम्मीदवारों को इन प्रमाण-पत्रों को व्यक्तित्व परीक्षण के समय प्रस्तुत करने हेतु तैयार रखना चाहिए। जो उम्मीदवार उस समय अपेक्षित प्रमाण-पत्रों को मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करते उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जायेगी और जाने विचार के लिए उम्मीदवारों का कोई दावा नहीं होगा।

टिप्पणी (2):—आवेदन-पत्रों के साथ भेजी गई सभी प्रमाण-पत्रों की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति पर उम्मीदवार को हस्ताक्षर करने होंगे और तारीख भी बतेंगी होंगी।

मद (1) से (5) तक उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिये गये हैं और मद (6) और (7) में उल्लिखित प्रलेखों का विवरण पैरा 4, 5 और 6 में दिया गया है।

(1) (क) **निर्धारित शूलक के लिए रेसांकित हुए भारतीय पोस्टल आर्डर :**

प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यतः रेसांकित किया जाए तथा पर “सचिव संघ लोक सेवा आयोग को नई विल्ली के प्रधान डाकघर पर द्वये” लिखा जाना चाहिए।

किसी अन्य डाकघर पर द्वये पोस्टल आर्डर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किया जाएगा। विस्तृपित या कटे कटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्टमास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट महर होनी चाहिए। उम्मीदवारों को यह अवश्य नोट कर लेना चाहिए कि जो पोस्टल आर्डर न सो रेसांकित किए गए होंगे और न ही सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई विल्ली के जनरल डाकघर पर द्वये होंगे उन्हें भेजना संभवित नहीं है।

(ल) **निर्धारित शूलक के लिए रेसांकित बैंक ड्रॉफ्ट :**

बैंक ड्रॉफ्ट, स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी शाखा से प्राप्त किया जाए और सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को स्टेट बैंक आफ इंडिया की भूल्य शाखा नई विल्ली में द्वये हो तथा विधिवत् रेसांकित किया गया हो।

किसी अन्य बैंक में द्वये बैंक ड्रॉफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विस्तृपित या कटे-कटे ड्रॉफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जायेंगे।

टिप्पणी :—उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्र प्रस्तुत करते समय बैंक ड्रॉफ्ट की पिछली ओर सिरे पर अपना नाम तथा पता लिखना चाहिए। पोस्टल आर्डरों के मामले में उम्मीदवारों को पोस्टल आर्डर के पिछली ओर इस प्रयोजन के लिए निर्धारित स्थान पर अपना नाम तथा पता लिखें।

(2) आयु का प्रमाण-पत्र—आयोग जन्म की बह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिक्लेशन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिक्लेशन के समकक्ष माने गये प्रमाण-पत्र या किसी विश्वविद्यालय द्वारा अनुरक्षित मैट्रिक्लेटर्स के रजिस्टर में दर्ज की गई हो और यह उद्धरण विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हों, जो उम्मीदवार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसकी समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुका है, वह उच्चतर या माध्यमिक परीक्षा या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

आयु के सम्बन्ध में कोई अन्य दस्तावेज जैसे जन्मकुंडली शापथ-पत्र, नगर निगम से और संबंधित अधिकारी से प्राप्त जन्म सम्बन्धी उद्धरण तथा अन्य ऐसे ही प्रमाण स्वीकार नहीं किए जायेंगे।

अनुबंधों के इस भाग में आए हुए मैट्रिक्लेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र, बायोश के बन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित हैं।

कभी-कभी मैट्रिक्लेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती है या आयु के केवल पूरे वर्ष या वर्ष और महीने ही विए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैट्रिक्लेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अस्तिरिक्त उस संस्था के हैंडमास्टर/प्रिंसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से उसने मैट्रिक्लेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण-पत्र में इस संस्था के दाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या बास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए। उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ इन अनुबंधों में यथा निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

टिप्पणी 1 : जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद प्राप्त माध्यमिक विद्यालय प्रमाण-पत्र हो, उसे केवल आयु से सम्बद्ध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

टिप्पणी 2 : उम्मीदवार यह ध्यान में रखें कि आयोग उम्मीदवार को जन्म की उसी तारीख को स्वीकार करेगा जैसकि आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने की तारीख को मैट्रिक्लेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा, प्रमाण-पत्र या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्र में दर्ज है और इसके बाद उसमें परिवर्तन के किसी अनुरोध पर न सो विचार किया जाएगा और न उसे स्वीकार किया जाएगा।

टिप्पणी 3 : उम्मीदवार यह भी नोट कर लें कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार घोषित कर देने और आयोग द्वारा उसे अपने अभिलेख में दर्ज कर लेने के बाद उसमें बाद में या किसी परीक्षा में परिवर्तन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

(3) शैक्षक योग्यता का प्रमाण-पत्र :—उम्मीदवार को किसी प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए ताकि इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 6 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया

प्रमाण-पत्र उस प्राधिकारी (अर्थात् विश्वविद्यालय या अन्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे योग्यता विशेष प्राप्ति की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता से सम्बद्ध अपने दावे के समर्थन में कोई अन्य प्रमाण प्रस्तुत करना चाहिए। आयोग इस प्रमाण के और्ध्वांशों पर विचार करेगा किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं है।

यदि उम्मीदवार द्वारा अपनी शैक्षक योग्यताओं के समर्थन में प्रस्तुत किए गए विश्वविद्यालय के हैंटरमीडिएट या कोई अन्य अर्हक परीक्षा पास करने के प्रमाण-पत्र में सभी उत्तीर्ण विषयों का उल्लेख नहीं है तो उसे प्रिंसिपल के इस आशय के प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि उसने अर्हक परीक्षा गणित के साथ-साथ भारीतकी और रसायन विज्ञान में से कम से कम एक विषय सेकर उत्तीर्ण की है।

जिस उम्मीदवार पर नियम 6(ग) या नियम 6(च) लागू होता हो तो उसे अपनी शैक्षक योग्यताओं के प्रमाण स्वरूप सम्बद्ध विद्यालय के रॉजस्ट्रार/कालेज के प्रिंसिपल/संस्था के अध्यक्ष से नीचे यिए गए निर्धारित फार्म में दिए गए प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि अवधय प्रस्तुत करनी चाहिए। उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कृमारी* ■ ■ ■

सुश्रुत*/सुपुत्री श्री ■ ■ ■

इस विश्वविद्यालय/कालेज/संस्था के/की बास्तविक आप्रा/छात्रा*है/थे/है।

2. उन्होंने विवरणीय डिग्री कोर्स के प्रथम वर्ष की परीक्षा/पंचवर्षीय इंजीनियरी डिग्री कोर्स की प्रथम वर्ष की परीक्षा ग्रामीण उच्चशास्त्र शिक्षा की राष्ट्रीय परिषद् की ग्रामीण सेवाओं में विवरणीय डिप्लोमा कोर्स की प्रथम परीक्षा जो को समाप्त है, उत्तीर्ण कर ली है और उन्हें प्रथम वर्ष के लिए निर्धारित विषयों में से किसी में भी फिर से परीक्षा में नहीं बैठा है।

बधाया

उन्होंने विवरणीय इंजीनियरी डिग्री कोर्स की प्रथम/विवरणीय वर्ष की परीक्षा/*पंचवर्षीय इंजीनियरी डिग्री कोर्स की प्रथम परीक्षा की परीक्षा ग्रामीण उच्चशास्त्र शिक्षा की राष्ट्रीय परिषद् की ग्रामीण सेवाओं में उत्तीर्ण कर ली है।

*3. उनके परीक्षा विषय निम्नलिखित थे :—

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.
- 5.
- 6.

*पंचवर्षीय इंजीनियरी डिग्री कोर्स के विशार्थियों पर सागृ नहीं होगा।

(रॉजस्ट्रार/प्रिंसिपल के हस्ताक्षर)

(विश्वविद्यालय/कालेज/संस्था का नाम)

तारीख १०.०१.८७

स्थान लालना

*जो शब्द लालना हो, उन्हें कृपया काट दें।

जिस उम्मीदवार पर नियम 6 के नीचे दिया/दी गई टिप्पणी 1 लागू होता हो उसे जिस संस्था से उसने परीक्षा पास की हो उसके प्रिंसिपल/हैंडमास्टर से लिए गए इस आशय के प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि इसके काल अंक विद्यविद्यालय/बाबू द्वारा निर्धारित प्रथम या द्वितीय श्रेणी की अंक सीमा के अंतर्गत आते हैं।

टिप्पणी :—यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो ऐसी स्थिति में वह इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी आवेदन कर सकता है। किन्तु ऐसे उम्मीदवारों को निम्नलिखित निर्धारित फार्म में सम्बद्ध कालेज/संस्था के प्रिंसिपल से एक प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि वे अन्य शर्तें पूरी करते हों तो उनको परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अनन्तिम भानी जाएगी और यदि वे अर्हक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण-पत्र जल्दी और हर हालत में 24 अगस्त, 1987 से पहले प्रस्तुत नहीं करते तो यह अनुमति रद्द की जा सकती है।

परीक्षा में इस प्रकार बैठने की अनुमति प्राप्त उम्मीदवार को बाहे नह इस परीक्षा के लिखित भाग में उत्तीर्ण हो अथवा नहीं उपर्युक्त अवधिक के भीतर अर्हक परीक्षा पास करने का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा। इस आदेश का पालन न करने पर उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और वह अपना परिणाम जानने का अधिकारी नहीं होगा।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म
प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/*कुमारी*^ग सपूत्र/सपूत्री* श्री
जो गांव/कस्बा* निम्नलिखित विषय लेकर
द्वारा संचालित मार्ग द्वारा संचालित मार्ग 1988 में बैठने वाले/वाली है, बैठ चुके/चुका है :—

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.
- 5.

प्रिंसिपल के हस्ताक्षर
*(कालेज/संस्था का नाम)

सारीला द्वारा दिया गया
स्थान

*जो शब्द लागू न हो, उन्हें काट दे।

(4) फोटो की दो प्रतियां :—उम्मीदवार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें.मी. X 7 सें.मी.) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां अवश्य भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-पत्र के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए और दूसरी प्रति उपस्थिति पत्रक पर निर्धारित स्थान पर लगा देनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्याही से हस्ताक्षर करने चाहिए।

विशेष ध्यान दें :—उम्मीदवार को चतुर्थी दी जाती है कि यदि कोई आवेदन-पत्र उपर्युक्त पैरा 3(2), 3(3), 3(4) तथा 3(5) के अंतर्गत उल्लिखित प्रमाण-पत्रों में से किसी के साथ प्रस्तुत नहीं किया जाता और उसे न भेजने के लिए कोई

उचित स्पष्टीकरण नहीं दिया जाता तो आवेदन-पत्र अस्वीकृत किया जायेगा तथा इसकी अस्वीकृति को अपील पर विचार नहीं किया जाएगा।

4. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का होने का दावा करते हों तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के जिसमें इसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आमतौर से रहते हों, जिला अधिकारी या उपर्युक्त अधिकारी या निम्नलिखित किसी अन्य ऐसे अधिकारी से, जिससे सम्बद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया हो, नीचे दिए गए फार्म में दिए गए प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्र जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी प्रयोजन से आमतौर पर रहता हो।

भारत सरकार के पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाले अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी*^ग सपूत्र/सपूत्री* श्री
जो गांव/कस्बा* निम्नलिखित विषय लेकर राज्य/
*संघ राज्य क्षेत्र में को/की/*निवासी
जाति/*जनजाति को/की* है जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के रूप में मान्यता दी गई है :—

संविधान (अनुसूचित जातियां) आदेश, 1950@

संविधान (अनुसूचित जनजातियां) आदेश, 1950@

संविधान (अनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951@

संविधान (अनुसूचित जनजातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951*

[अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जनजातियां सूची (आशोधन) आदेश, 1956, बम्बई, पुर्णगढ़न अधिनियम, 1960, पंजाब पुर्णगढ़न अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तर-पश्चीम क्षेत्र (पुर्णगढ़न) अधिनियम, 1971 तथा अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जनजातियां (संशोधन) अधिनियम 1976 द्वारा यथा संशोधित] संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश, 1956@

मंविधान (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित जनजातियां आदेश, 1959@ अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजातियां (संशोधन) अधिनियम, 1976@ द्वारा यथा संशोधित।

संविधान (दादगा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश, 1962@

मंविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964@

संविधान (अनुसूचित जनजातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967@

संविधान (गोआ, दमन और दीय) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968@

संविधान (गोआ, दमन और दीय) अनुसूचित जनजातियां आदेश 1968@

संविधान (नागालैंड) अनुसूचित जनजातियां आदेश, 1970@

संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जाति आदेश, 1978@

संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जनजाति आदेश, 1978@

% 2. अनुसूचित जातियाँ/अनुसूचित जनजातियाँ के एसे व्यक्तियों के मध्यमें में लागू औं एक राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के प्रशासन से प्रबोजन कर चके हैं

यह प्रमाण-पत्र श्री/श्रीमती/कुमारी@

ग्राम/कस्बा@ जिला/मण्डल@

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र@ जो

जाति/जनजाति@ से सम्बद्ध है जिसे

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र@ में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति@ के रूप में मान्यताप्राप्त है के पिता/माता@ श्री/श्रीमती@ को जारी प्रमाण-पत्र के आधार पर जारी किया जाता है।

..... के द्वारा जारी।
दिनांक

% 3. श्री/श्रीमती/कुमारी* और/या* उनका परिवार आमतौर पर गांव/कस्बा* जिला/मण्डल* राज्य/*संघ राज्य क्षेत्र में रहते/रहती* हैं।

हस्ताक्षर
**पठनाम
(कार्यालय की मोहर)

स्थान

तारीख

*राज्य/संघ राज्य क्षेत्र

“जो इन्हें लागू न हों उसे काट दें।

@कृपया राष्ट्रपति का विशिष्ट आदेश निर्दिष्ट करें।

% जो पैरा लागू न हों उसे काट दें।

टिप्पणी :—वहां “आमतौर से रहते/रहती हैं” का अर्थ वही होगा जो “रिप्रेजेंटेशन आफ दि पीपल एक्ट 1950” की धारा 20 में है जाति/जनजाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम प्राधिकारियों की सूची से।

(1) जिला मणिस्ट्रोट/अतिरिक्त जिला मणिस्ट्रोट/कलेक्टर/डिट्री कीमिनर/एडीशनल डिट्री कीमिनर/डिट्री कलेक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मणिस्ट्रोट/सिटी मणिस्ट्रोट/सब डिवीजनल मणिस्ट्रोट/ताल्लुक मणिस्ट्रोट/एकजीव्यूटिव मणिस्ट्रोट/एक्स्ट्रा असिस्टेंट कीमिनर।

प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मणिस्ट्रोट से कम आंहदे का नहीं।

(2) चीफ प्रेसिडेंसी मणिस्ट्रोट/एडीशनल चीफ प्रेसिडेंसी मणिस्ट्रोट/प्रेसिडेंसी भाजिस्ट्रोट।

(3) रेवेन्यू अफसर जिनका ओहदा तहसीलदार से कम न हो।

(4) उस इलाके का सबौड़ीजनल अफसर वहां उम्मीदवार और/या उसका परिवार आमतौर से रहता हो।

(5) एडीमिनिस्ट्रोटर/एडीमिनिस्ट्रोटर का सचिव/डेवेलपमेंट अफसर लक्ष्यवीप।

5. (1) नियम 5 (ख) (II) अथवा 5 (ख) (III) के अन्तर्गत आयु में छूट और या नोटिस के पैरा 6 के अनुसार शूलक से छूट का दावा करने वाले भतपूर्व पर्वी पाकिस्तान (बब बंगला देश में विस्थापित व्यक्तियों को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिए गये प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिवसाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भतपूर्व पूरी पाकिस्तान (बब बंगला देश) के वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी 1964 और 25 मार्च 1971 के बीच की अवधि में प्रदूषित कर भारत आया है।

(1) दण्डकारण्य परिवारेना के दांजिट केन्द्रों अथवा विभिन्न राज्यों में स्थित सहायता शिविरों के शिविर कमांडैंट।

(2) उस क्षेत्र का जिला मणिस्ट्रोट वहां वह इस समय निवास कर रहा है।

(3) सम्बद्ध जिले में शरणार्थी पुनर्वास कार्य के प्रभारी अतिरिक्त जिला मणिस्ट्रोट।

(4) अपने ही कार्यभार के अधीन सम्बद्ध सब-डिवीजन का सब-डिवीजनल अफसर।

(5) उप-शरणार्थी पुनर्वास आयुक्त परिषदी बंगल/निवेशक (पुनर्वास) के लकड़ा।

(2) नियम 5 (ख) (4) अथवा 5 (ख) (5) के अंतर्गत आयु में छूट और/या नोटिस के पैरा 6 के अनुसार शूलक में छूट का दावा करने वाले श्रीलंका में प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाले भूलतः भारतीय व्यक्तियों को श्रीलंका में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिए गये इस आवाय के प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिवसाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून 1963 को या उसके बाद भारत आया है अथवा वह जिस क्षेत्र का निवासी है उसके जिला मणिस्ट्रोट से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिवसाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बर्मा से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून 1963 को या उसके बाद भारत आया है।

(3) नियम 5 (ख) (6) अथवा 5 (ख) (7) के अंतर्गत आयु में छूट और/या नोटिस के पैरा 6 के अनुसार शूलक में छूट का दावा करने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित भूलतः भारतीय व्यक्तियों को भारतीय राज्य दावास, रंगून द्वारा दिए गए परिवार प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिवसाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून 1963 को या उसके बाद भारत आया है अथवा वह जिस क्षेत्र का निवासी है उसके जिला मणिस्ट्रोट से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिवसाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बर्मा से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून 1963 को या उसके बाद भारत आया है।

(4) नियम 5 (ख) (8) अथवा 5 (ख) (9) के अंतर्गत आयु सीमा में छूट जाहने वाले एसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है महानिवेशक पुनर्वास रक्षा सेवालय से नीचे निर्धारित फार्म पर लिए गए प्रमाणपत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि वह दिवसाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शास्त्र के साथ संवर्धन में अथवा असांतिग्रस्त क्षेत्र में कार्जी कार्यवाही के द्वारा विकलांग हुआ और परिवासस्वरूप निर्मित हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म
प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट
के रैक नं. की नाम
रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शब्द देश के साथ संघर्ष में/
अशांतिप्रस्तुत* क्षेत्र में काँजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए और
उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर
नाम
तारीख
.....

*जो शब्द लागू न हो कृपया उसे कट दे।

(5) नियम 5(क) (10) या 5(क) (11) के अन्तर्गत आय में छूट का दावा करने वाले वियतनाम से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को फिलहाल जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मंजिस्ट्रेट से लिये गए प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतीलिपि यह विदेशी के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वियतनाम से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और वियतनाम से जूलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है।

(5) नियम 5(क) (10) या 5(क) (11) के अन्तर्गत आयीमा में छूट आहने वाले कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भूतपूर्व टांगानिका और जंजीबार) से आए हुए उम्मीदवार को या जाइम्बायां, मलावी, जर्मे और इथोपिया से प्रत्यावर्तित भारत मूलक उम्मीदवार को उस क्षेत्र के जिला मंजिस्ट्रेट से जहां वह इस समय निवास कर रहा है लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतीलिपि यह विदेशी के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वास्तव में उपर्युक्त देशों से आया है।

(7) जो भूतपूर्व सैनिक तथा कमीशन प्राप्त अधिकारी (आपाल-कालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) नियम 5(क) (14), 5(क) (15) 5(क) (16) अथवा 5(क) (17) की शर्तों के अधीन आय सीमाओं में छूट का दावा करते हैं उन्हें सम्बद्ध प्राधिकारियों से निम्नलिखित निधारित प्रपत्र में उन पर लागू होने वाली प्रमाण-पत्र की एक प्रमाणित/अनुप्रमाणित प्रतीलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए।

(क) कार्यमुक्त/सेवा निवृत्त कार्मिकों पर लागू :

प्रमाणित किया जाता है कि सं.
रैक. नाम. ने
जिनकी जन्म की तारीख. है,
स्थान. से
तारीख. से
सेना/नौसेना/वायु सेना में सेवा की है और वे निम्नलिखित में से एक शर्त पूरी करते हैं :—

(क) उन्होंने पांच या पांच से अधिक वर्षों तक सैनिक सेवा की है और कार्यकाल के समाप्ति पर कावाचार या अक्षमता के कारण बर्सास्त या कार्यमुक्त होने के अलावा अन्य आधार पर कार्यमुक्त हुए हैं।

(ख) वे सैनिक सेवा के कारण हुई शारीरिक अपर्णता या अक्षमता के कारण को कार्यमुक्त हुए हैं।

सक्षम प्राधिकारी का
नाम तथा पदनाम
मोहर
.....

तारीख
स्थान :

(ल) सेवारत/कार्मिकों पर लागू जिन्हें 6 मास के भीतर कार्यमुक्त होना है।

प्रमाणित किया जाता है कि सं.
रैक. नाम.
जिनकी जन्म की तिथि. है
वायुसेना में सेवा कर रहे हैं।

2. उन्हें से कार्यमुक्ति/सेवा निवृत्त होना है। उनका पांच वर्ष का कार्यकाल तक समाप्त होने की संभावना है।

सक्षम प्राधिकारी का
नाम तथा पदनाम
मोहर
स्थान
तारीख :

प्रमाण-पत्र जारी करने वाले सक्षम प्राधिकारी निम्नलिखित हैं :—

(ग) यह उन सेवारत कार्मिकों पर लागू होगा जिन्होंने पहले ही सेवा की प्रारंभिक नियुक्ति की अवधि पूरी कर ली है और बढ़ाई गई अवधि पर कार्य कर रहे हैं।

यह प्रमाणित किया जाता है कि सं.
रैक. नाम.
जिनकी जन्म तिथि. है, और वह से थल सेना/नौसेना/वायु सेना में सेवारत है।

2. उन्होंने पहले ही प्रारंभिक कार्यकाल की पांच वर्ष की सेवा को पूरी कर ली है और अब वे तक बढ़ाये गये कार्यकाल पर हैं।

3. उन्हें सिविल रोजगार हत्ते वावेदन पत्र देने के लिए कोई आपत्ति नहीं है और उन्हें नियुक्ति प्रस्ताव की प्राप्ति की तारीख से बचन हो जाने पर तीन माह के नौटिंग पर कार्यमुक्ति किया जाएगा।

सक्षम प्राधिकारी का नाम
नाम तथा पदनाम
मोहर

स्थान :

तारीख :

(क) कमीशन प्राप्त अधिकारियों (आपाल कालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) के सामने में :—

थल सेना—मिलिट्री सेक्टेटरी की शास्त्रा, थलसेना मूल्यालय, नश्वर दिल्ली।

नौसेना—कार्मिक निदेशालय, नौसेना मूल्यालय नश्वर दिल्ली।

वायु सेना—कार्मिक निदेशालय अधिकारी, वायु सेना मूल्यालय, नश्वर दिल्ली।

(ख) नौसेना तथा वायुसेना के जूनियर कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अन्य रैकों तथा समकक्ष अधिकारियों के मामले में :—

थल सेना—विभिन्न रोजिमेंटल रिकार्ड कार्यालयों द्वारा

नौसेना—बी. ए. बी. एस., बम्बई।

वायु सेना—वायु सेना रिकार्ड (एन. ई. आर. इडल्प.), नहर दिल्ली।

(8) नियम 5(क) (18) या नियम 5(क) (19) के अंतर्गत आय में छूट और/या नौटिस के पैरा 7 के अन्तर्गत शुल्क में भारी बाहने वाले भूतपूर्व परिवहन पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित में किसी प्राधिकारी से इस आशय के प्रमाण-पत्र की एक अनुप्रमाणित प्रति प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व परिवहनी पाकिस्तान का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है जो 1 जनवरी, 1971 और 31 मार्च, 1973 के बीच की अवधि के दौरान भारत प्रवृत्त कर चुका था :—

(1) विभिन्न राज्यों में ट्रांजिट केन्द्रों या राहत शिविरों के शिविर कमांडेंट;

(2) उस इलाके का ज़िला मणिस्ट्रोट जिसमें वह फिलहाल रहता है;

(3) अपने-अपने ज़िलों में शरणार्थी पूनर्वास के प्रभारी अतिरिक्त ज़िला मणिस्ट्रोट;

(4) अपने प्रभारान्तर्गत सब डिवीजन के अंदर सब डिवी-जनल अफसर;

(5) शरणार्थी पूनर्वास का उपायक्रम।

(9) “असम के रहने वाले व्यक्ति को जो नियम 5(क) (20) 5(क), (21) के अंतर्गत आय सीधा में छूट जाहता है उसको उस ज़िला मणिस्ट्रोट अथवा उपमंडल अधिकारी से जिसके अधिकार में वह साधारणतः निवासी रहा हो इस आशय के प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/सत्यापित प्रति प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह 1 जनवरी, 1980 से 15 अगस्त, 1985 की अवधि के दौरान असम राज्य का प्रवासी रहा था।”

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण-पत्र का कार्य

यह प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कृ.
सुपत्र/सुपत्री/श्री. जो
गोप/कस्ता परिम स्टेशन
उपमंडल ज़िले
में पहली जनवरी, 1980 से 15 अगस्त, 1985 तक की अवधि के दौरान से तक असम राज्य के निवासी थे।

ज़िला मणिस्ट्रोट

ज़िला
उप मंडल ज़िला अधिकारी

उपमंडल

मोहर

जारी करने की तारीख

6. जो उम्मीदवार उपर पैरा 5 (i), (ii), (iii) और (8) में निर्दिष्ट किसी भी वर्ग से सम्बद्ध है और नौटिस के पैरा 6 के अन्दर शुल्क में छूट का वादा करता है उसको किसी ज़िला अधिकारी या सरकार के राजपत्रित अधिकारी या संसद सदस्य या राज्य विधान मंडल के सदस्य से, इस आशय का एक प्रमाण पत्र लेकर उसकी अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है।

7. यदि किसी व्यक्ति के लिए पात्रता प्रमाण-पत्र (एलिजिटिव रिटार्फिकेट) अवैध हो तो उसे अभिष्ठ पात्रता प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए भारत सरकार के रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) को आवेदन करना चाहिए।

8. उम्मीदवारों को नेतृत्वनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय काँई झूठा द्यारा न दें अथवा किसी मही मूलना को न छिपायें।

उम्मीदवार को यह चेतावनी दी जाती है कि वे प्रमाण-पत्र अथवा उनके द्वारा प्रस्तुत की गई प्रति को किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में न लौटी ठीक करें न उसमें परिवर्तन करें और न उसमें कोई फेरबदल करें और न ही फेरबदल किए गए क्षुट्टे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या अधिक प्रमाण-पत्रों या उनकी प्रतियों में कोई उशुद्ध अथवा विसंगति हो तो विसंगति के संबंध में प्रस्तुतीकरण प्रस्तुत किया जाये।

9. आवेदन-पत्र द्वारा से प्रस्तुत किए जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन-पत्र ही अमुक तारीख को भेजा गया था। आवेदन-पत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपञ्च पाते वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

10. आयोग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक आवेदन-पत्र जिसमें देर से प्राप्त आवेदन-पत्र भी सम्मिलित है कि पावती दी जाती है तथा आवेदन-पत्र की प्राप्ति के प्रतीक के रूप में उम्मीदवार को आवेदन पंजीकरण संख्या सूचित कर दी जाती है। यदि किसी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा के आवेदन-पत्र प्राप्त करने के लिए निर्धारित अंतिम तारीख से एक मास के अन्दर पावती नहीं मिलती है तो उसे तत्काल आयोग से पावती होते सम्पर्क करना चाहिए।

इस तथ्य का कि उम्मीदवार को आवेदन पंजीकरण संख्या सूचित कर दी गई है अपने आप यह अर्थ नहीं है कि आवेदन-पत्र सभी प्रकार पूर्ण है और आयोग द्वारा स्वीकार कर लिया गया है।

11. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। परन्तु यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीने के पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम की जानकारी न मिले तो उसे आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने भासले में विचार किये जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।

12. संघ लोक सेवा आयोग ने “संघ लोक सेवा आयोग की वस्तुपरक परीक्षाओं होते उम्मीदवार विवरणिका” शीर्षक से एक समूल पुस्तिका छापी है। इसका डिजाइन ऐसा है जिससे में नों से आयोग की परीक्षाओं या अयनों के भाषी उम्मीदवारों को सहायता मिल सके।

यह पुस्तिका और पिछली पांच परीक्षाओं की नियमावली तथा पारम्परिक प्रकार के प्रश्न-पत्रों का उल्लेख करने वाले पैम्पलेटों की प्रतियों प्रकाशन नियंत्रक, रिपब्लिक लाइसेंस, बैहनी-110054 के पास बिक्री के लिए स्लैम है और इन्हें उनसे सीधे मेल आडेंस द्वारा या नकद भुगतान पर प्राप्त किया जा सकता है। इन्हें केवल नकद भुगतान पर (1) किताब महत, रिखांली मिनेशा के सामने, एम्पोरिया बिल्डिंग “सी” ब्लॉक बाबा खड्गसिंह भार्ग, नहर दिल्ली-110001 और (2) उद्योग भवन, नहर दिल्ली-110011 स्थित प्रकाशन शास्त्र का बिक्री काउन्टर और (3) गवर्नरमैट आफ इन्डिया बूक डिपो 8-के एम. राय रोड, कलकत्ता-1 से भी लिया जा

रक्ता है; मैनुअल/मैस्फलेंट भारत सरकार प्रकाशनों के विभिन्न मुफ्तसिल शहरों में स्थित एजेंटों से भी उपलब्ध है।

13. आवेदन-पत्र से सम्बद्ध पत्र व्यवहार--आवेदन-पत्र से सम्बन्ध सभी पत्र आदि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, भौतिक द्वारा, नई दिल्ली-110011 को भेजे जायें तथा उसमें नीचे लिखा व्यापार अनिवार्य रूप से दिया जाए :

1. परीक्षा का नाम
2. परीक्षा का महीना और वर्ष
3. आवेदन पंजीकरण सं./रोल नम्बर, अथवा उम्मीदवार की जन्म प्रश्नांश यदि आवेदन पंजीकरण सं./रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया हो।
4. उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में)
5. आवेदन-पत्र में दिया गया पत्र व्यवहार का पता।

विशेष ध्यान (1) जिन पत्रों में यह व्यापार नहीं होगा, संभवतः उन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

विशेष ध्यान (2) यदि किसी उम्मीदवार से कोई पत्र/संप्रेषण परीक्षा हो चुकने के बाद प्राप्त होता है तथा उसमें उसका पूरा नाम व अनुक्रमांक नहीं है तो इस पर ध्यान न देते हुए कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

14. पते में परिवर्तन :—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर नीचे चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गए पत्र आदि आवश्यक होने पर, उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसको सुनना उपयुक्त पैरा 12 में उल्लिखित व्यापार के साथ यथाशीघ्र दी जानी चाहिए। आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करता है। किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

उम्मीदवार को सूचनार्थ विवरणिका

(क) वस्तुपत्रक परीक्षण :

आप जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं वह “वस्तुपत्रक परीक्षण” होगा। इस प्रकार की परीक्षा (परीक्षण) में आपको उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक प्रश्न (जिसको आगे प्रश्नांश कहा जायेगा) के लिए कई संज्ञाएं गए उत्तर (जिसको आगे प्रत्यक्त्र कहा जाएगा) दिए जाते हैं। उनमें से प्रत्येक प्रश्नांश के लिए आपको एक उत्तर चुनना होता है।

इस विवरणिका का उद्देश्य आपको इस परीक्षा के बारे में कहा जानकारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित न होने के कारण आपको कोई हानि न हो।

(ख) परीक्षण का स्वरूप :

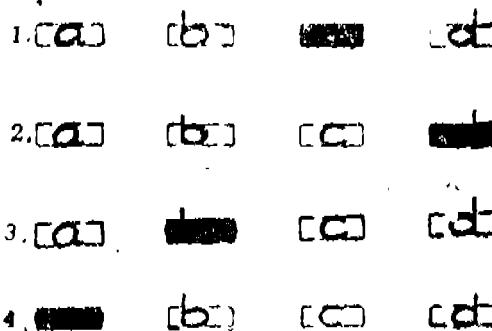
प्रश्न-पत्र “प्रश्न प्रस्तिका” के रूप में होंगे। इस प्रस्तिका में क्रम संख्या 1, 2, 3 आदि के क्रम से प्रश्नांश होंगे। हर प्रश्नांश के नीचे ए, बी, सी, डी चिह्नों के साथ संज्ञाएं गए प्रत्यक्त्र लिखे होंगे। आपका काम एक सही या यदि आपको एक से अधिक प्रत्यक्त्र सही लगे तो उनमें से सर्वोत्तम उत्तर का चुनाव करना होगा। (अत में दिए गए नमूने के प्रश्नांश देखें लें)। किसी भी स्थिति में प्रत्येक प्रश्नांश के लिए आपको एक सही प्रत्यक्त्र का

चुनाव करना होगा। यदि आप एक से अधिक चुन लेते हैं तो आपका प्रत्यक्त्र गलत माना जाएगा।

(ग) उत्तर देने की विधि :

परीक्षा भवन में आपको अलग एक उत्तर पत्रक दिया जाएगा। जिसकी एक नमूना प्रति आपको प्रवेश प्रमाण-पत्र के साथ भेज दी जाएगी। आपको अपने प्रत्यक्त्र इस उत्तर पत्रक में लिखने होंगे। प्रश्न प्रस्तिका में या उत्तर पत्रक को छोड़कर अन्य किसी कागज पर लिखे गए उत्तर नहीं जाएंगे।

उत्तर पत्रक में प्रश्नांशों की संख्याएं 1 से 160 तक चार संहड़ों में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रश्नांश के सामने, ए, बी, सी, डी चिन्ह वाले आयतकार स्थान छपे होते हैं। प्रश्न प्रस्तिका के प्रत्येक प्रश्नांश को पढ़ लेने और यह निर्णय करने के बाद कि कौन-सा प्रत्यक्त्र सही या सर्वोत्तम है आपको इस प्रत्यक्त्र के अधर दाले आयतकार को पैसिल में पूरी तरह काला बना कर उसे अंकित कर देना है, जैसा कि (आपका उत्तर दर्शाने के लिए) नीचे दिखाया गया है। उत्तर पत्रक के आयत को काला बनाने के लिए स्पाही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।



यह जाहरी है कि :—

1. प्रश्नांशों के उत्तरों के लिए केवल अच्छी किट्स की एच. बी. पैसिल (पैसिलें) ही लाएं और उन्हीं का प्रयोग करें।

2. गलत निशान को बदलने के लिये उसे पूरा मिटाकर फिर में सही उत्तर पर निशान लगा दें। इसके लिए आप अपने साथ एक रबड़ भी लाएं।

3. उत्तर पत्रक का उपयोग करते समय कोई ऐसी असावधानी न हो जिसमें बहु फट जाए या उसमें मोड़ व मिलवट आदि पड़ जाएं या वह स्वराव हो जाए।

(घ) कृष्ण महत्वपूर्ण विनियम :

1. आपको परीक्षा आरम्भ करने के लिए निर्धारित समय से बीस मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा और पहुंचसे ही अपना स्थान ग्रहण करना होगा।

2. परीक्षण शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षण में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

3. परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं मिलेगी।

4. परीक्षा समाप्त होने के बाद, प्रश्न प्रस्तिका और उत्तर पत्रक निरीक्षक/पर्यवेक्षक को सौंप दें। आपको प्रश्न प्रस्तिका परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है। इस नियम का उल्लंघन करने पर कड़ा बंड दिया जाएगा।

5. आपको उत्तर पत्रक पर कृष्ण विवरण परीक्षा भवन में भरता होगा। आपको कृष्ण विवरण उत्तर पत्रक पर कूटबंध भी करने होंगे। इसके बारे में आपके नाम अन्देश प्रबंध प्रभाण-पत्र के साथ भेजे जाएंगे।

6. प्रश्न-प्रस्ताक में चिए गए सभी अन्देशों आपको साध्यधानी से पढ़ने हैं। इन अन्देशों का साध्यधानी से पालन न करने से आपके नम्बर कम हो सकते हैं। अगर उत्तर पत्रक पर कोई प्रविष्टि संकेत है, तो उस प्रश्नांश के प्रत्यक्तर के लिए आपको कोई नम्बर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के अन्देशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को जारी या समाप्त करने को कहें तो उनके अन्देशों का तत्काल पालन करें।

7. आप अपना प्रदेश प्रभाण-पत्र साथ लाएं, आपको अपने साथ एक एच. बी. पैनिल, एक रबड़, एक पैनिल शाफ्टर और नीली या काली स्याही बाली कलम भी लानी होगी। आपको सत्राह दी जाती है कि आप अपने साथ एक किलो थोड़ा या हाई थोड़ा या कार्ड थोड़ा भी लाएं जिस पर कृष्ण लिखा न हो। आपको परीक्षा भवन में कोई साली कागज या कागज का टुकड़ा या पैमाना या आरेख उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि उनकी अरुरत नहीं होगी। मांगने पर कच्चे काम के लिए आपको एक अलग कागज दिया जाएगा। आप कच्चा काम शूल करने के पहले उस पर परीक्षा का नाम, अपना रोल नम्बर और परीक्षण की सारी लिखें और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे अपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यवेक्षक को बापस कर दें।

(क) विशेष बनावेश :

परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाने के बाद निरीक्षक आपको उत्तर पत्रक देंगे। उत्तर पत्रक पर अपेक्षित मूँछना भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको प्रश्न प्रस्ताक कर देंगे। प्रश्न प्रस्ताक मिलने पर आप यह अवश्य देख लें कि उस पर प्रस्ताक की संख्या लिखी है अन्यथा, उसे बदलवा लें। प्रश्न प्रस्ताक को खोलने से पहले उसके प्रधम पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक लिख दें। आपको प्रश्न प्रस्ताक तब तक खोलने की अनुमति नहीं है जब तक पर्यवेक्षक द्वासा करने के लिए न कहें।

(ब) कृष्ण उपयोगी सुझाव

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य आपकी गति की अपेक्षा स्वृद्धता को जांचना है, फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने समय का यथासम्भव दक्षता से उपयोग करें। सन्त्रिलन के साथ आप जितनी जल्दी काम कर सकते हैं करें पर लापरवाही न हो। आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं हैं पाते हों तो चिन्ता न करें। आपको जो प्रश्न अत्यन्त कठिन मालूम पड़े उन पर समय अर्थ न करें। दूसरे प्रश्नों की ओर बढ़ें और उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें।

सभी प्रश्नांशों के अंक समान होंगे। उन सभी को उत्तर दें। आपके द्वारा अंकित सही प्रत्यक्तरों की संख्या के आधार पर ही आपको अंक दिए जाएंगे। गलत उत्तरों के लिए अंक नहीं काटे जाएंगे।

(छ) परीक्षण का समाप्त

जैसे ही पर्यवेक्षक आपको लिखना बन्द करने को कहें आप लिखना बन्द कर दें। आप अपने स्थान पर तब तक बैठें रहें जब तक निरीक्षक आपके पास आकर आपसे सभी अवश्यक बत्तेएं से जाएं और आपको हाल छोड़ने की अनुमति दें। आपको परीक्षण प्रस्ताक और उत्तर पत्रक तथा कच्चे कार्य का कागज परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है।

नमूने के प्रश्नांश (प्रश्न)

(नोट—*सही/सर्वोत्तम उत्तर—विकल्प को निर्दिष्ट करता है)

1. सामान्य अध्ययन

बहुत उच्चार पर पर्वतारोहियों के नाम सथा कान से निम्नलिखित में से किस कारण से रक्त स्राव होता है?

(क) रक्त का दाढ़ वायुमंडल के दाढ़ से कम होता है।

* (ख) रक्त का दाढ़ वायुमंडल के दाढ़ से अधिक होता है।

(ग) रक्त वाहिकाओं की अंदरूनी तथा बाहरी शिराओं पर दाढ़ समान होता है।

(घ) रक्त दाढ़ वायुमंडल के दाढ़ के अनुरूप घटता बढ़ता है।

2. (English)

(Vocabulary—Synonyms)

There was a record turnout of voters at the municipal elections.

(a) exactly known

(b) only those registered

(c) very large

* (d) largest so far

3. (क्रिया)

अरहर में, फूलों का मङ्गना निम्नलिखित में से किए एक उपाय से कम किया जा सकता है?

* (क) वृद्धिध नियन्त्रक द्वारा छिड़काव

(ख) दूर-दूर पौधे लगाना

(ग) सही अहर में पौधे लगाना

(घ) थोड़े-थोड़े फासले पर पौधे लगाना।

4. (रसायन विज्ञान)

का एनहाइड्राइड्र निम्नलिखित में से क्या बहुत होता है?

(a) VO_3

(b) VO_4

(c) V_2

* (d) V_2O_5

5. (जैवशास्त्र)

श्वे का एकाधिकार शोषण निम्नलिखित में से किस स्थिति में होता है?

* (क) सीमान्त राजस्व उत्पाद से मजदूरी कम होती है।

(ख) मजदूरी तथा सीमान्त राजस्व उत्पाद दोनों बराबर होती है।

(ग) मजदूरी सीमान्त राजस्व उत्पाद से अधिक होती है।

(घ) मजदूरी सीमान्त भौतिक उत्पाद के बराबर होती है।

6. (बहुत हेतुनियरी)

एक समाज रेखा को आपकिक पैरावैद्युतांक 9 के पैरावैद्युत से सम्परित किया गया है। यदि 'सी' सूक्ष्म अन्तराज में संचरण बेग दरकाता है तो लाइन में संचरण का बेग क्या होगा ?

- (a) 3c
- (b) c
- *(c) c/3
- (d) c/9

7. (भू-विज्ञान)

बेसल्ट में प्लेजिओक्सेस क्या होता है ?

- (क) अलिगोब्सेज
- *(ख) लेबोडोराइ
- (ग) एल्बाइट
- (घ) एनाथाइट

8. (गणित)

$$\text{मूल बन्दु से गूजरने वाला और } \frac{d^2y}{dx^2} = \frac{dy}{dx} = \Phi$$

समीकरण की संगत रखने वाला बक-परिवार निम्नलिखित में से किस से निर्विष्ट है ?

- (क) $y=ax+b$
- (ख) $y=ax$
- (ग) $y=ae^x+be^{-x}$
- (घ) $y=acx-a$

9. (भौतिकी)

एक आदर्श ऊर्जा हजार 400° K और 300° K और तापक्रम के मध्य काय करता है। इसकी जाता निम्नलिखित में से क्या होगी ?

- (क) $3/4$
- *(ख) $(4-3)/4$
- (ग) $4/(3+4)$
- (घ) $3/(3+4)$

10. (सार्विकी)

यदि द्विवेद विचार का माध्य 5 है तो इसका प्रसारण निम्नलिखित में से क्या होगा ?

- (क) 4^2
- *(ख) 3
- (ग) ∞
- (घ) -5

11. (भगोल)

बर्मा के दक्षिणी भाग की अत्यधिक समृद्धि का कारण निम्नलिखित में से क्या है ?

- (क) यहां पर स्वीज साधनों का विपुल भंडार है।
- *(ख) बर्मा की अधिकांश नदियों का डेल्टाइ भाग है।
- (ग) यहां शैल वन सम्पदा है।
- (घ) बेश के अधिकांश तोल भौति इसी भाग में है।

12. भारतीय इतिहास

ब्राह्मणवाद के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से क्या सत्य नहीं है ?

- (क) बौद्धधर्म के उत्कर्ष काल में भी ब्राह्मणवाद के अनुयायियों की संख्या बहुत अधिक थी।
- (ख) ब्राह्मणवाद बहुत अधिक कर्मकांड और आहम्बद से पूर्ण धर्म था।
- *(ग) ब्राह्मणवाद के अभ्युदय के साथ, बलि सम्बन्धी यज्ञ कर्म का महत्व कम हो गया।
- (घ) व्यक्तिस के जीवन-विकास की विभिन्न वक्षाओं को प्रकट करने के लिए धार्मिक संस्कार निर्धारित थे।

13. (दर्शन)

निम्नलिखित में से निरोलवरवादी दर्शन-समूह कौन-सा है ?

- (क) बौद्ध न्याय चार्वाक भीमांसा
- (ख) न्याय वैशेषिक, जैन और बौद्ध, चार्वाक
- (ग) अद्वैत वेदान्त, सांख्य, चार्वाक, योग
- *(घ) बौद्ध, सांख्य, भीमांसा, चार्वाक

14. (राजनीति विज्ञान)

'दृष्टिगत प्रतिनिधित्व' का अर्थ निम्नलिखित में से क्या है ?

- *(क) व्यवसाय के आधार पर विधानसंघर में प्रतिनिधित्वों का निर्वाचन।
- (ख) किसी समूह या किसी व्यावसायिक समुदाय के पक्ष का समर्थन।
- (ग) किसी रोजगार सम्बन्धी संगठन में प्रतिनिधित्व का छनाक।
- (घ) श्रमिकों संघों द्वारा अप्रत्यक्ष प्रतिनिधित्व।

15. (भौतिकी विज्ञान)

लक्ष्य की प्राप्ति निम्नलिखित में से किस को निवैशित करती है ?

- (क) लक्ष्य सम्बन्धी आवश्यकता में वृद्धि
- *(ख) भावात्मक अवस्था में त्यूनता
- (ग) व्यावहारिक अधिगम
- (घ) पक्षतापूर्ण अधिगम

16. (समाजशास्त्र)

भारत में पंचायती राज संस्थाओं की निम्न में से कौन-सी है ?

- *(क) शास सरकार में महिलाओं तथा कमज़ोर वर्गों को औपचारिक प्रतिनिधित्व प्राप्त हुआ है।
- (ख) छूआछूत कम हुई है।
- (ग) वंचित वर्गों के लोगों को भूस्वामित्य का लाभ मिला है।
- (घ) जनसाधारण में शिक्षा का प्रसार हुआ है।

टिप्पणी :—उम्मीदवारों को यह ध्यान रखना चाहिए कि उपर्योग्य नमूने के प्रश्नांश (प्रश्न) केवल उदाहरण के लिए दिए गए हैं और यह जल्दी नहीं है कि ये इस परीक्षा की पाठ्यचर्चा के बनासार हैं।

MINISTRY OF PERSONNEL AND TRAINING ADMINISTRATIVE, REFORMS, PUBLIC GREIEVANCES & PENSION

DEPARTMENT OF PERSONNEL AND TRAINING

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-110003, the 1st January 1987

No. 10/1/85-AD-V.—The President is pleased to appoint Shri R. Srinivasan, an officer of Tamil Nadu Government, presently working on deputation as Senior Public Prosecutor in CBI (Group 'A' Gazetted) in the pay scale of Rs. 900-40-1100-E.B-50-1400 on 'transfer' basis with effect from 16-9-1986.

F. No. A-31016/9/86-AD.I(DPC).—In exercise of the powers conferred by Rule 9(2) of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, Director/CBI and Inspector General of Police/SPE, hereby appoints the following officers substantively in the rank of Office Superintendent in C.B.I. with effect from the dates shown below against each:

Sl. No.	Name of the Officer with present place of posting	Date from which appointed substantive- ly to the post of OS, CBI	Rank in which already confirmed with date
1	2	3	4
S/Shri			
1.	T. Sudarsana Rao AD-III, Section. HO	31-5-1985	Crime Assistant, 3-8-1979
2.	S. Ramamurthy, Madras Zone, Madras.	31-5-1985	Crime Assistant, 5-7-1980
3.	Umakant Sharma Special Unit, Delhi.	31-5-1985	Crime Assistant, 5-7-1980
4.	Kali Charan, Chandigarh Zone, Chandigarh	28-7-1986	Crime Assistant, 1-5-1981
5.	M. S. Bhatia Legal Division, H.O.	31-7-1986	Crime Assistant, 1-5-1981

The 2nd January 1987

No. 3/44/86-AD-V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri Deependra Kumar Srivastava as Public Prosecutor in CBI w.e.f 28-11-1986 in a temporary capacity.

No. 3/47/86-AD-V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment is pleased to appoint Shri Biswapti Chakrabarty, APS, Dy. Supdt. of Police, an officer of the Assam Police to officiate as Dy. Superintendent of Police on deputation in CBI, Calcutta with effect from the forenoon of 15th December 1986, until further orders.

D. P. BHALLA
Administrative Officer (I)
CBI

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110003, the 23rd December 1986

No. O.II.2317/86-Estt.I.—The President is pleased to appoint Shri T. K. Misra, IPS (West Bengal-1965) as Deputy

Inspector General of Police in CRPF in the pay scale of Rs. 2000—2250 on tenure deputation basis for a period of 5 years.

2. The officer accordingly took over the charge of the post of DIGP, CRPF, Imphal in the forenoon of 17th December 1986.

No. O.II.2318/86-Estt.I.—The President is pleased to appoint Dr. Mainpal Singh as General Duty Officer, Grade-II (Deputy Supdt. of Police/Company Commander) in the CRPF in a temporary capacity with effect from the forenoon of 1st December 1986 till further orders.

The 31st December 1986

No. O.II.1768/82-Estt.I.—Consequent upon his repatriation to the Government of Haryana, Shri R. R. Singh, IPS (Haryana-1961), DIGP/Deputy Director (Training), CRPF, New Delhi, has handed over charge of the post with effect from 19-12-1986 (AN).

No. D.I.46/86-Estt.I.—The services of Shri U.B.S. Teotia, Asstt. Commandant, 34th Bn., CRPF are placed at the disposal of Central Industrial Security Force on deputation basis with effect from the afternoon of 28th November 1986.

ASHOK RAJ MAHEEPATHI
Assistant Director (Estt.)

DIRECTORATE GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 29th December 1986

No. E-16013(1)/12/85-Pers.I.—On appointment on deputation, Shri Gopal Achari, IPS (BH : 66) assumed charge of the post of DIG, CISF Unit, BCCL Jharia with effect from the forenoon of 6th December 1986.

The 31st December 1986

No. E-16013(1)/13/86-Pers.I.—On appointment on deputation, Shri Y. R. Dhuriya, IPS (UT : 66) assumed charge of the post of Deputy Inspector General (Fire) CISF Hqrs., New Delhi with effect from the forenoon of 17th December 1986.

No. E-16013(2)/13/86-Pers.I.—On appointment on deputation Shri Ganesh Dutt Pandey, IPS (PB : 81) assumed charge of the post of Commandant, CISF Unit, NAPP Narora with effect from the afternoon of 14th December 1986.

(Sd.) ILLEGIBLE
Director General/CISF

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 30th December 1986

No. 11/5/84-Ad.I.—The President regrets to announce the death of Shri Akhlaq Ahmed, Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Uttar Pradesh, Lucknow on the 10th December 1986.

V. S. VERMA
Registrar General, India.

MINISTRY OF FINANCE
DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS
INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 31st December 1986

No. 607/A.—Shri B. C. Lodh, Accountant, India Security Press, is appointed on ad-hoc basis as Accounts Officer. (Group

'B' Gazetted) in India Security Press, Nasik Road, in the Scale of Rs. 2375—3500 on usual terms and conditions, for a period of Six months from 16th December 1986 to 15th June 1987 or till the post is filled on regular basis whichever is earlier.

P. S. SHIVARAM
General Manager
India Security Press

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT)
ORISSA

Bhubaneswar, the 1st December 1986

No. 75.—Accountant General (Audit-I) is pleased to appoint the following Asstt. Audit Officers of this office to officiate as Audit Officers in the scale of pay of Rs. 2375-75-3200-EB-100-3500 from the dates noted against each in accordance with the provision of the I.A. & A.D. (Administrative Officer/Accounts Officer and Audit Officer) Rules-1964. Their promotion is on ad-hoc basis and subject to the final decision of the High Court/Supreme Court on the cases subjudice in the courts and without prejudice to the claims of their seniors :—

1. Shri Saroj Kumar Bhattacharjee	20-10-1986 (FN)
2. Shri G. Suryanarayana Murthy	9-10-1986 (FN)
3. Shri V. Satyanarayana-II	9-10-1986 (FN)
4. Shri Subodh Chandra Rana	9-10-1986 (FN)
5. Shri P. Appa Rao	9-10-1986 (FN)
6. Shri V. Surendra Rao	9-10-1986 (FN)

M. G. MHASKAR
Senior Dy. Accountant General Admn.

MINISTRY OF COMMERCE
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

New Delhi, the 22nd December 1986

(IMPORTS AND EXPORTS TRADE CONTROL)
(ESTABLISHMENT)

No. 6/978/72-Admn(G)6009.—The President is pleased to appoint Shri P. S. Narayanaswamy, Assistant Chief Controller of Imports and Exports (Grade III of Central Trade Service) in the Import and Export Trade Control Organisation as Deputy Chief Controller of Imports and Exports (Grade II of Central Trade Service) with effect from the forenoon of 6-11-86 and until further orders.

SHANKAR CHAND
Dy. Chief Controller of Imports and Exports
for Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF STEEL AND MINES
DEPARTMENT OF STEEL
IRON AND STEEL CONTROL

Calcutta-20, the 24th December 1986

No. El-12(61)/83.—In continuation of this office Notification of even number dated 4th December 1985 and in terms of Ministry of Home Affairs (Department of Official Language) O.M. No. 9-3-82-OL(S) dated 26th June, 1986, the appointment of Shri Dhirendra Kumar Jha, Hindi Pradyaksh, Hindi Teaching Scheme, Department of Official Language, Ministry of Home Affairs, Calcutta as Hindi Officer in this office is hereby extended on ad-hoc basis until further orders.

This issues with the approval of the Iron and Steel Controller.

S. K. SINHA
Dy. Iron and Steel Controller

(KHAN VIBHAG)
GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 31st December 1986

No. 8632B/A-32013(4-Dir(D)/84-19B).—The President is pleased to appoint Sri Jagdish Ram, Drilling Engineer (Sr.) Geological Survey of India, on promotion as Director (Drilling) in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 1500-60-1800-100-2000/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 12th September 1986, until further orders.

N. K. MUKHERJI
Sr. Dy. Director General (Opn-I)
Geological Survey of India

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 1st January 1987

No. A.19012(149)/85-Estt.A.V.II.—Shri Uma Shankar Lal has relinquished the charge of the post of Assistant Chemist in Indian Bureau of Mines on the afternoon of 12th December 1986 consequent to his appointment as Junior Scientific Officer in National Research Laboratory for Conservation of Cultural Property, Lucknow.

(Sd./-) ILLEGIBLE
Asstt. Administrative Officer,
Indian Bureau of Mines

MINISTRY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 1st January 1987

No. A-38019/II/83-E.I.—The following Assistant Meteorologists of this Department retired from the Government service on the dates mentioned against their names, on attaining the age of superannuation.

Sl. No.	Name	Date of retirement
1	2	3
1.	Shri K. P. Patra	31-8-1986
2.	Shri G. Rakshit	31-8-1986
3.	Shri M. L. Pradhananga	30-9-1986
4.	Shri N. C. Biswas	30-9-1986
5.	Shri N. R. Patole	31-10-1986

ARJUN DEV
Meteorologist (Establishment)
for Director General of Meteorology

DEPARTMENT OF SPACE
VIKRAM SARABHAI SPACE CENTRE
ESTABLISHMENT SECTION

Trivandrum-695022, the 18th December 1986

No. VSSC/EST/F 1(17).—The Director-VSSC hereby appoints on promotion the undermentioned officials in the Vikram Sarabhai Space Centre (VSSC) of the Department

of Space as Scientist/Engineer-SB in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/- with effect from the forenoon of October 01, 1986 and until further orders :—

Sl. No.	Name	Division/ Project
1	2	3
01	Shri A. K. Sadasivan	ASMD
02	Shri V. P. Kunjummen	CMF
03	Shri V. Satyanarayana	ASLV
04	Shri K. M. George	EFF
05	Shri N. Krishnan	ISI
06	Shri S. Somarajan Achari	ASLV

K. G. NAIR
Administrative Officer-II (Estt)
for Director-VSSC

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 10th November 1986

No. A.32013/1/83-EW.—The President is pleased to appoint Shri L. C. Gupta, Assistant Director (Eqpt.) on promotion to the grade of Deputy Director (Equipment), Civil Aviation Department for a further period from 1st April 1986 to 31st May 1986 on ad hoc basis.

2. Shri L.C. Gupta is posted in the office of the Director General of Civil Aviation, R. K. Puram, New Delhi.

M. BHATTACHARJEE
Deputy Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES
RAJASTHAN

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s Rajasthan Khandelwal Enterprises Limited*

Jaipur, the 30th December 1986

No. Stat/1249/9472.—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Rajasthan Khandelwal Enterprises Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s Laddha Lime Industries Private Limited*

Jaipur, the 30th December 1986

No. Stat/2114/9476.—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Laddha Lime Industries Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s Bharati Chitfund Private Limited*

Jaipur, the 30th December 1986

No. Stat/1224/9480.—Notice is hereby given pursuant to sub section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956

that the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Bharati Chitfund Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s Deva Mutual Benefit Financial Private Limited*

Jaipur, the 30th December 1986

No. Stat/1455/9486.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Deva Mutual Benefit Financial Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s Variety Saving Scheme Private Limited*

Jaipur, the 30th December 1986

No. Stat/1463/9488.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act 1956, that the expiration of three months for the date hereof the name of the M/s Variety Saving Scheme Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will b struck off the Rgister and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s Avon Club Limited*

Jaipur, the 30th December 1986

No. Stat/1299/9492.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of th eCompanies Act, 1956, that the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Farr India Private Limited unless cause is to the contrary, will be struck off the Regiser and he said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s Farr India Private Limited*

Jaipur, the 30th December 1986

No. Stat/1261/9496.—Notice is hereby given pursuant to sub section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Farr India Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s Namak Rasayan Udyog Private Limited*

Jaipur, the 30th December 1986

No. Stat/1291/9500.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Namak Rasayan Udyog Pvt. Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the sajd company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s Prakash Board Private Limited*

Jaipur, the 30th December 1986

No. Stat/2621/9504.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Prakash Board Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s Nav Jeevan Vanaspati Udyog Private Limited*

Jaipur, the 30th December 1986

No. Stat/1302/9508.—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Nav Jeevan Vanaspati Udyog Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s Rajasthan Non Ferrous Metals and In Organic Salts
Private Limited*

Jaipur, the 30th December 1986

No. Stat/1314/9572.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Rajasthan Non Ferrous Metals and In Organics Salts Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

V. P. SINGHAL
Registrar of Companies,
Rajasthan

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400 020, the 18th December 1986

No. F. 48-Ad(AT)/1986.—Shri S. K. Biswas, Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches,

Bombay is appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal Gauhati Bench, Gauhati on ad-hoc basis in a temporary capacity for a period of 3 months with effect from the forenoon of 24th November, 1986 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri S. K. Biswas, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

No. F. 48-Ad(AT)/1986.—Shri D. K. Gupta, Hindi Translator, Income-tax Appellate Tribunal, Ahmedabad Benches, Ahmedabad who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Amritsar Bench, Amritsar on ad-hoc basis in a temporary capacity for a period of 3 months with effect from 5-8-1986 vide this office notification No. F. 48-Ad(AT)/1986 dated 5th August, 1986 is permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Amritsar Bench, Amritsar for a further period of 2 months with effect from 5th November, 1986 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri D. K. Gupta, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

CH. G. KRISHNAMURTHY
Senior Vice-President

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-V, AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, New Delhi-1

New Delhi, the 11th December 1986

Ref. No. JAC/Acq.V/SR-III/7/6250/11.—Whereas, I,
A. K. MANCHANDA
being the Competent Authority under Section 269 B of the
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to
as the said 'Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
B-1/2, Hauz Khas, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi
on 16th July 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reasons
to believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen percent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said Instrument of transfer
with the Object of :

(1) Shri Ajay Kapoor,
S/o Shyam Lal Kapoor,
N.D.S.E.I., New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. K. Visala Nambiar,
W/o K. G. Nambiar and
Mr. Kanjoli Gopalkrishnan,
S/o late O. K. Nambiar,
A-1/49, Safdarjang Enclave, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-
vable property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Portion on second floor measuring 945 sq. ft. part of pro-
perty No. B-1/2, measuring 311 sq. yds. Hauz Khas, New
Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferor for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

A. K. MANCHANDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-V, Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
foresaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 11-12-1986
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE-V, AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, New Delhi-1

New Delhi, the 11th December 1986

Ref No. IAC/Acq.-V/SR-III/7-86/6251/12.—Whereas, I, A. K. MANCHANDA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. B-1/2, Hauz Khas, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on 16-7-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
15—426GI/86

(1) Shri Ajay Kapur,
S/o Shyam Lal Kapoor,
A-6, N.D.S.E.I., New Delhi.
(Transferor)

(2) M/s. Ashima Syntex Pvt. Ltd.,
M/s. Navdeep Processors Pvt. Ltd.,
M/s. Anagram Finance Ltd., and
M/s Nachmò Melamines,
Through Shri Kamlesh R. Dangarwala,
105, Chinubhai Centre Ashram Road,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

F F. measuring 960 sq. ft. part of property No. B-1/2 measuring 311 sq. yds. Hauz Khas, New Delhi.

A. K. MANCHANDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-V, Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date : 11-12-1986
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-V, AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, New Delhi-1

New Delhi, the 10th December 1986

Ref. No. IAC/Acq.V/SR-III/9-86/8145.—Whereas, I, A. K. MANCHANDA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/4th undivided share in property No. C-39, Green Park, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on 16-7-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) S. Gurcharan Singh,
C-39, Green Park Main,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar,
D-17, Green Park Main,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/4th undivided share in property No. C-39, measuring 367 sq. yds. Green Park, New Delhi.

A. K. MANCHANDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-V, Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-12-1986
Seal :

FORM IINB**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) S. Gurcharan Singh Thukral,
C-39, Green Park Main,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rajesh Kumar,
D-17, Green Park Main,
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-V, AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, New Delhi-1

New Delhi, the 10th December 1986

Ref. No. IAC/Acq.V/SR-III/9-86/8143/60.—Whereas, I, A. K. MANCHANDA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/4th undivided share in property situated at C-39, Green Park, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 25-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th undivided share in property No. C-39, measuring 367 sq. yds. situated at Green Park, New Delhi.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. K. MANCHANDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-V, Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-12-1986

Seal :

FORM ITNS

(1) S. Gurcharan Singh Thukral,
C-39, Green Park Main,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Subhash Chand,
D-17, Green Park Main,
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-V, AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, New Delhi-1

New Delhi, the 10th December 1986

Ref. No. IAC/Acq.V/SR-III/9-86/8144.—Whereas, I,
A. K. MANCHANDA
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
1/4th share in property situated at C-39, Green Park,
New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred registered under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer
at New Delhi on 25-9-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

1/4th undivided share in property No. 39, measuring 367
sq. yds. situated at Green Park, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

A. K. MANCHANDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-V, Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 10-12-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) S. Gurcharan Singh Thukral,
C-39, Green Park Main,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Shyam Sunder,
D-17, Green Park Main,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-V, AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, New Delhi-1

New Delhi, the 10th December 1986

Ref. No. IAC/Acq.V/SR-III/9-86/8142/59.—Whereas, I, A. K. MANCHANDA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/4th undivided share in property situated at C-39, Green Park, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on 25-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/4th undivided share in property No. 39, measuring 367 sq. yds. situated at Green Park, New Delhi.

A. K. MANCHANDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-V, Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-12-1986
Seal :

FORM LT.N.1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-V, AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, New Delhi-1

New Delhi, the 12th December 1986

Ref. No. IAC/Acq.-V/SR-JII/7-86/6316/6.—Whereas, I, A. K. MANCHANDA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/4th undivided share in property situated at C-39, Green Park, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at New Delhi in July, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Anil Khosla,
S/o late Shri Pran Krishan Khosla,
Karta of Anil Khosla & Family, HUF,
through attorney Arvind Khosla,
S/o Late Shri P. K. Khosla,
82, Uday Park, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jitender Kumar Gupta, and
Smt. Chander Gupta,
207, Hemkunth Tower, Nehru Place,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/10th share in property No. 12, Block-B, Green Park, New Delhi.

A. K. MANCHANDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-V, Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date : 12-12-1986

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Arvind Khosla,
S/o late Shri Pran Krishan Khosla,
Karta of HUF Arvind Khosla & Family,
82, Uday Park, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-V, AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, New Delhi-1

New Delhi, the 12th December 1986

Ref. No. IAC/Acq.-V/SR-III/7-86/6319/9.—Whereas, I, A. K. MANCHANDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

1/10th share in property No. 12, Block-B, Green Park, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the at New Delhi on July, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property so aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Jitender Kumar Gupta, and Smt. Chander Gupta, 207, Hemkunth Tower, Nehru Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

1/10th share in property No. 12, Block-B, Green Park, New Delhi.

A. K. MANCHANDA
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-V, Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-12-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-V, AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, New Delhi-1

New Delhi, the 12th December 1986

- (1) Rakshit Khosla,
S/o late Shri Pian Krishan Khosla,
Karta of HUF.
Rakshit Khosla, through attorney
Arvind Khosla,
S/o Late Shri P. K. Khosla,
82, Uday Park, New Delhi.
- (2) Shri Jitender Kumar Gupta, and
Smt. Chander Gupta,
207, Hemkunth Tower, Nehru Place,
New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. IAC/Acq.-V/SR-III/7-86/6318/8.—Whereas, I,
A. K. MANCHANDA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
1/10th share in property No. 12, Block-B, Green Park,
New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at New Delhi on July, 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income tax Act, 1922
(11 of 1922) or this said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/10th share No. Plot No. 12, Block-B, Green Park,
New Delhi. Measuring 500 Sq. yds.

A. K. MANCHANDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-V, Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date : 12-12-1986
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS

- (1) Smt. Binny Dhawan,
82, Uday Park, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Jitender Kumar Gupta, and
Smt. Chander Gupta,
C/o 207, Hemkunth Tower, Nehru Place,
New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.**

ACQUISITION RANGE-V, AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, New Delhi-1

New Delhi, the 12th December 1986

Ref. No. IAC/Acq.-V/SR-III/7-86/6317/7.—Whereas, I, A. K. MANCHANDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 1/10th share in property No. 12, Block-B, Green Park, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer of I.T. Act, 1961 IAC Range at New Delhi in July, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/10th share in property No. 12, Block-B, Green Park, New Delhi.

A. K. MANCHANDA
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-V, Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

16—426GI/86

Date : 12-12-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Manohar Lal Kharbanda,
B-1/15, Hauz Khas Enclave,
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Hindon Properties Pvt. Ltd.,
M-51, Greater Kailash-II,
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-V, AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, New Delhi-1

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 14th November 1986

Ref. No. IAC/Acq.-V/.—Whereas, I,
A. K. MANCHANDA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

B-1/15, Hauz Khas, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer of I.T. Act, 1961 IAC Range-V, New Delhi on Sep. 1986
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

B-1/15, measuring 258 sq. yds. Hauz Khas Enclave, New Delhi.

A. K. MANCHANDA,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-V, Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 14-11-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-V
AGGARWAL HOUSE,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-I

New Delhi, the 14th November 1986

Ref. No. IAC/Acq. V/SR-III/8-86/8046/56.—Whereas, I A. K. MANCHANDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing N-9, Green Park Extn, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer in August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Fateh Bahadur
M-7, Green Park Extn., New Delhi.
(Transferor)
- (2) Dr. S. K. Jain and others,
541, R. C. Dehlvi Marg, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Plot No. N-9, Green Park Extn., New Delhi measuring 311 sq. yds.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. K. MANCHANDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-V
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 14-11-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION (269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) Smt. Prem Kumari Jain,
89, Anand Lok, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Jasbir Kaur,
Vill. Gopi Nath Bazar,
Delhi-Cantt., Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-V
AGGARWAL HOUSE,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-I

New Delhi, the 14th November 1986

Ref. No. SR-III/9-86/7860/57 IAC/Acq. V.—Whereas, I, A. K. MANCHANDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 89, Anand Lok, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer on September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

No. 89, Anand Lok, New Delhi.

A. K. MANCHANDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-V
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-I

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 14-11-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-V
AGGARWAL HOUSE,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-I

New Delhi, the 14th November 1986

Ref. No. SR-III/9-86/8412/66 IAC/Acq. V.—Whereas, I A. K. MANCHANDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. H-31, Green Park, New Delhi situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in September 1986 for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Mr. Ashwin Chaudhary,
N-7, Green Park, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kaushalya Devi Puri,
D-297, Defence Colony,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period occurs later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

40% Share in Property No. H-31, Green Park Extn. (First Floor), New Delhi.

A. K. MANCHANDA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-V
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-I

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-11-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Inder Rao,
B-15, Naraina, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kaushalya Devi Puri,
D-297, Defence Colony,
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-V
AGGARWAL HOUSE,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

New Delhi, the 14th November 1986

Ref. No. SR-III/9-86/8413/65 IAC/Acq. V.—Whereas, I, A. K. MANCHANDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. H-31, Green Park Extn. situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

60% Share in Property No. H-31, Green Park Extn., New Delhi.

A. K. MANCHANDA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-V
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 14-11-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-V
AGGARWAL HOUSE,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 12th December 1986

Ref. No. 37-HE/11-86/96 IAC/Acq. V.—Whereas, I
 A. K. MANCHANDA,
 being the Competent Authority under Section 269B of
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding
 Rs. 1,00,000/- and bearing No.
 2/50, Sarva Priya Vihar, situated at New Delhi
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been registered under I.T. Act, 1961 by IAC Range-V,
 New Delhi on 22-10-86
 for an apparent consideration which is less than the
 fair market value of the aforesaid property and I have
 reason to believe that the fair market value of the
 property as aforesaid exceeds the apparent consideration
 therefor by more than fifteen per cent of such apparent
 consideration and that the consideration for such transfer
 as agreed to between the parties has not been truly stated in
 the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or.

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Sh. Om Parkash Nayar,
 206, Pleasant Apartments,
 15th Lane, Prabhat Road, Pune.
 (Transferor)
- (2) Smt. Kaushalya Rani Malhotra and
 Sh. Anil Malhotra,
 2, 50, Sarva Priya Vihar, New Delhi.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days, from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
 property within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said Act,
 shall have the same meaning as given in
 that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storied house No. 2/50, Sarva Priya Vihar, New
 Delhi built on plot admeasuring 159 sq. yds.

A. K. MANCHANDA
 Competent Authority
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-V
 Aggarwal House
 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

Dated : 12-12-86
 Seal :

NOTIFICATION

(1) Sh. O. P. Batra,
S-217, Greater Kailash, Part-I,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Lm. Bitton N. C. Thorvaldsen,
E-9/9, Vasant Vihar,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-V
AGGARWAL HOUSE,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 12th December 1986

Ref. No. 37-EF/10-86/84 IAC/Acq. V. Whereas, I,

A. K. MANCHANDA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. A-1/231, Saldarjung Enclave, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under I.T. Act, 1961 by SAC Range-V, New Delhi on 23-10-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

A-1/231, Saldarjung Enclave, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

A. K. MANCHANDA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-V
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated: 12-12-86
Seal:

FORM ITNS

- (1) Smt. Asha Rani and others
30/62, Punjabi Bagh, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Sh. Raj Kumar Arora and others.
56, Khandari Road,
Agra, U.P.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-V
AGGARWAL HOUSE,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

New Delhi, the 12th December 1986

Ref. No. 37-EE/10-86/87 IAC/Acq.-V.—Whereas, I
A. K. MANCHANDA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C-2/52B, S.D.A., New Delhi situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under I.T. Act, 1961 by IAC Range-V, New Delhi on 27-10-86
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

C-2/52B, S.D.A., New Delhi.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. K. MANCHANDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
17—426GI/86

Dated : 12-12-86

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sh. Maharaj Krishan Mathu and
Sh. Avtar Krishan Mathu & other,
Valiamsing House, 1st Bridge,
Siri Nagar, Kashmir.

(Transferor)

(2) Smt. Rani Sachdeva,
F-12, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-V
AGGARWAL HOUSE,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 11th December 1986

Ref. No. 37-EE/10-86/76 IAC/Acq.-V.—Whereas, I,
A. K. MANCHANDA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000 and bearing No.

B-II/71, Safdarjung Dev. Res. Scheme, situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been registered under I.T. Act, 1961 by IAC Range-V,
New Delhi on 7-10-86

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of this liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

B-II/71, Safdarjung Dev. Res. Scheme, New Delhi.

- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);

A. K. MANCHANDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-V
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I before initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Dated : 11-12-86
Seal : :

FORM ITNS

(1) Mr. Purshotam Narain Mehra,
4-A, Vakil Lane, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Veena Sahni,
803, Akashdeep Building,
Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-V
AGGARWAL HOUSE,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 9th December 1986

Ref. No. 37EE/11-86/89 IAC/Acq. V.—Whereas, I, A. K. MANCHANDA, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing C-6/6, Safdarjung Dev. Residential Scheme, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the I.T. Act, 1961 IAC Range, New Delhi on 10-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

C-6/6, Safdarjung Dev. Res. Scheme, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

A. K. MANCHANDA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-V
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 9-12-86
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-V
AGGARWAL HOUSE,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 5th December 1986

Ref. No. 37EE/11-86/92 IAC/Acq-V.—Whereas, I, A. K. MANCHANDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2, L.S.C.-cum-Office complex, Safdarjung Residential Scheme, New Delhi situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the I.T. Act, 1961 by IAC Range, New Delhi on 13-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1920 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ashok Kumar Jain & other C-49, NDSE, Part-I, New Delhi.
(Transferor)
(2) S. Mohinder Partap Ghai and other 551/R, Model Town, Jullundur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
(b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

82-LSC-cum-Office Complex, Safdarjung Residential Scheme, New Delhi.

A. K. MANCHANDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-V
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Dated : 5-12-1986
Seal :

FORM ITN

(1) Mrs. Satinder Kaur,
B-5/188, Safdarjung Res. Scheme,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-V
AGGARWAL HOUSE,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, thst 11th December 1986

Ref. IAC/Acq.-V/37-EE/4-86/2934.—Whereas, I,
A. K. MANCHANDA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00000/- and bearing B-5/188, Safdarjung Residential Scheme, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under I.T. Act, 1961 by IAC Range-V, New Delhi on 2-4-86
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

H. No. B-5/188, Safdarjung Res. Scheme, New Delhi.

A. K. MANCHANDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-V
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 11-12-86
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) Dr. R. K. Bhatia,
203, Mandakani Enclave,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Madhur Lata,
B-7, Green Park, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-V
AGGARWAL HOUSE,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 11th December 1986

Ref. No. 37-EE/10-86/77 IAC/Acq. V.—Whereas, I, A. K. MANCHANDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00000/- and bearing Flat No. 8, 1st Floor, Ashirwad Bhavan, K-84, Green Park, New Delhi situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered of I.T. Act, 1961 IAC Range-V, New Delhi on 7-10-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 8, 1st Floor, Ashirwad Bhavan, K-84, Green Park, New Delhi.

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. K. MANCHANDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-V
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings refo the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 11-12-86
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-V,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-1

New Delhi, the 10th December 1986

Ref. No. IAC/Acq.V/37EE/97.—Whereas, I,
A. K. MANCHANDA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1 lakh and bearing No. situated at
K-84, Green Park, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been registered under the I.T. Act, 1961 by I.A.C.
Range-V, New Delhi on 9-11-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (1) M/s. United India Periodicals Pvt. Ltd.
Link House, B. S. Z. Marg,
New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. ALPS International Pvt. Ltd.
B-7/10, Safdarjung Enclave,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 7 (New No. 2), Aashirwad Building, K-84, Green
Park, New Delhi.

A. K. MANCHANDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-V,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 10-12-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Ashoka Builders,
2E/6, Jhandewalan Extension,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Vandana Mittal,
1/5, Roop Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-V,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-1

New Delhi, the 12th December 1986

Ref. No. IAC/Acq.V/37EE/8-86/47.—Whereas, I,
A. K. MANCHANDA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
4E/15, Jhandewalan, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been registered under the I.T. Act, 1961 by L.A.C.
Range-V, New Delhi on 21-8-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

25% portion of flat No. A & C at 4th floor 4E/15, Jhandewalan Extension, New Delhi.

A. K. MANCHANDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-V.
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date: 12-12-1986
Seal:

FORM ITNS

(1) M/s. Ashoka Builders,
2E/6, Jhandewalan Extension,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Bhawana Mittal,
1/5, Roop Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-V,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-1

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 11th December 1986.

Ref. No. IAC/Acq.V/37EE/8-86/46.—Whereas, I,
A. K. MANCHANDA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000 and bearing No.

4E/15, Jhandewalan Extn., New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been registered under the I.T. Act, 1961 by I.A.C.
Range-V, New Delhi on 21-8-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

25% portion of flat No. A & C at 4th floor 4E/15, Jhandewalan Extension, New Delhi.

A. K. MANCHANDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-V,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
18—426GI/86

Date: 11-12-1986
Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Ashoka Builders,
2E/6, Jhandewalan Extension,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Sapna Mittal,
1/5, Roop Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-V,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI-1

New Delhi, the 11th December 1986

Ref. No. IAC/Acq.V/37EE/8-86/41.—Whereas, I, A. K. MANCHANDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 4E/15, Jhandewalan, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the I.T. Act, 1961 by I.A.C. Range-V, New Delhi on 20-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

25% portion of flat No. A & C at 4th floor 4E/15, Jhandewalan Extension, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. K. MANCHANDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-V,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 11-12-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Ashoka Builders,
E/2, Jhandewalan Exten.,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Jyoti Mittal,
1/5, Roop Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-V,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-1

New Delhi, the 11th December 1986

Ref. No. IAC/Acq.V/37EE/8-86/32.—Whereas, I, A. K. MANCHANDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 4E/15, Jhandewalan Extn., New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the I.T. Act, 1961 by I.A.C. Range-V, New Delhi on 14-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

25% portion of flat No. A & C at 4th floor, 4E/15, Jhandewalan Extension, New Delhi.

A. K. MANCHANDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-V,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

Date: 11-12-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-V,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-1

New Delhi, the 12th December 1986

Ref. No. IAC/Acq.V/37EE/6-86/2567.—Whereas, I, A. K. MANCHANDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. B-5, 21, Yusuf Sarai, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the I.T. Act, 1961 by I.A.C. Range-V, New Delhi on 18-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Yogesh Bali,
H-1/2, Hauz Khas,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Sneh Kumar,
A-3, Green Park Extension,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. B-5 at 21, Yusuf Sarai, New Delhi.

A. K. MANCHANDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-V,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date: 12-12-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-V,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-1

New Delhi, the 10th December 1986

Ref. No. IAC/Acq.V/37EE/6-86/2566.—Whereas, I,
A. K. MANCHANDA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing

No. B-3/21, Yusuf Sarai, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been registered under the I.T. Act, 1961 by I.A.C.
Range-V, New Delhi on 18-6-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(1) Miss Juhu Modi (Minor),
Through Mrs. Manju Modi,
C-4/95, S.D.A.,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Master Vikram Kumar,
Through Shri Vijay Kumar
A-3, Green Park,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

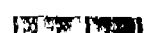
THE SCHEDULE

Flat No. B-3/21, Yusuf Sarai, New Delhi.

A. K. MANCHANDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-V,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 10-12-1986
Seal :



FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI-1

New Delhi, the 10th December 1986

Ref. No. IAC/Acq.-V/37EE/6-86/2565.—Whereas, I, A. K. MANCHANDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. B-2, at 21, Yusuf Sarai, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the I.T. Act, 1961 by I.A.C. Range-V, New Delhi on 18-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Mrs. Manju Modi and other
C-4/95, S.D.A.,
New Delhi.
Through Saket Properties (P) Ltd.
C-538, Defence Colony,
New Delhi.

(2) Smt. Padma Vati,
A-3, Green Park Extension,
New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. B-2 at 21, Yusuf Sarai New Delhi. Basement Floor.

A. K. MANCHANDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-V,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-12-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-V,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-1

New Delhi, the 10th December 1986

Ref. No. IAC/Acq.V/37EE/6-86/2568.—Whereas, I,
A. K. MANCHANDA,
being the Competent Authority under Section 269AB of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'Said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000 and bearing No.

Flat No. B-4, at 21, Yusuf Sarai, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been registered under the I.T. Act, 1961 by I.A.C.

Range-V, New Delhi on 18-6-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Harman Products India,
A-15/27, Vasant Vihar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Master Gaurav Kumar,
Through Suresh Kumar,
A-3, Green Park Extension,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meanings as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-4 at 21, Yusuf Sarai, New Delhi.

A. K. MANCHANDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-V,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 10-12-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-V,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-1

New Delhi, the 10th December 1986

Ref. No. IAC/Acq.V/37EE/6-86/2564.—Whereas, I, A. K. MANCHANDA, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. B-1, at 21, Yusuf Sarai, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the I.T. Act, 1961 by I.A.C. Range-V, New Delhi on 18-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Master Raghav Modi (Minor)
Through Mrs. Manju Modi,
C-4/95, S.D.A.,
New Delhi.

(2) Master Sahil Kumar,
Through Ashok Kumar,
A-3, Green Park,
New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-1 at 21, Yusuf Sarai, New Delhi.

A. K. MANCHANDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-V,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 10-12-1986

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-V,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-1

New Delhi, the 9th December 1986

Ref. No. IAC/Acq.V/37EE/11-86/90.—Whereas, I, A. K. MANCHANDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing No. R-7A, 1st Floor, Green Park, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the IT Act, 1961 by I.A.C. Range-V, New Delhi on 11-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) M/s. Kamal Developers and Contractors Pvt. Ltd.
G-48, Green Park,
New Delhi,
(Transferor)
- (2) M/s. Green Valley Agro Mills Ltd.,
D-58, East of Kailash,
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

R-7A, Green Park, New Delhi.

A. K. MANCHANDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-V,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
19—426GI/86

Date : 9-12-1986
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) M/s. Kamal Developers and Contractors Pvt. Ltd.
G-48, Green Park,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Arun Kumar Gupta,
D-58, East of Kailash,
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-V,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-1

New Delhi, the 9th December 1986

Ref. No. IAC/Acq. V/37EE/11-86/91.—Whereas, I,
A. K. MANCHANDA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000 and bearing No.
P-7A, 11nd floor, Green Park, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been registered under the I.T. Act, 1961 by I.A.C.
Range-V, New Delhi on 11-11-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

R-7A, Green Park, New Delhi.

A. K. MANCHANDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-V,
Aggarwal House,
4/14, Green Park, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-12-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Kamal Developers and Contractors Pvt. Ltd.
G-48, Green Park,
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Capital Trade Links Ltd.,
D-58, East of Kailash,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-V,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI-1

New Delhi, the 12th December 1986

Ref. No. IAC/Acq.V/37EE/11-86/93.—Whereas, I,
A. K. MANCHANDA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000 and bearing No.
R-7A, Green Park, New Delhi
situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been registered under the I.T. Act, 1961 by I.A.C.
Range, New Delhi on 14-11-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

R-7A, Green Park, Main, New Delhi.

A. K. MANCHANDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-V,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 12-12-1986
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shree Laxmi Construction Co. (Transferor)
 (2) Shri Yashwant K Vasa,
 Smt. Shubhada Y Vasa,
 Shri Shravan K Vasa. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 28th November 1986

Ref. No. AR-I/37EE/11346/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 101, on 1st floor, Shri Ramakrishna Sadan, Plot No. 63, Scheme No. 52 of Worli, Bombay-400 018 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-4-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101 on 1st floor, Shri Ramakrishna Sadan, Pilot No. 63, Scheme No. 52 of Worli, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10301/86-87 on 4-4-1986.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-11-1986
Seal :

FORM ITNS

- (1) Indra V Nanavati,
Vipin C Nanavati,
Ajay Vipin Nanavati.
(Transferor)
- (2) Surinder Makkar
Madhu Makkar.
(Transferee)
- (3) Transferees.
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 4th December 1986

Ref. No. AR-1/37EE/11275/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 22, 2nd floor, Ashutosh CHSL, 38-A, Napeansea Road, Bombay-36, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 22 on 2nd floor, Ashutosh Co-op. Housing Society Ltd., 38-A, Napeansea Road, Bombay-36.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/10288/85-86 on 1-4-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-12-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) The Indian Standard Metal Co. Ltd.

(Transferor)

(2) Tata Sons Ltd.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY**

Bombay, the 11th December 1986

Ref. No. AR-I/37EE/11255/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. C-1, 3rd floor, 'Palm Spring' Building, Jai Cuffe Parade Co-op. Housing Society Ltd., 157, Cuffe Parade, Bombay-400 005 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. C-1, 3rd floor, 'Palm Spring' Building, Jai Cuffe Parade Co-operative Housing Society Ltd., 157, Cuffe Parade, Colaba, Bombay-400 005.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10286/85-86 on 1-4-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-12-1986
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Shree Laxmi Construction Co.

(Transferor)

(2) 1. Shri Yashwant K. Vasa,
2. Smt. Shubhada Y. Vasa and
3. Shravan Y. Vasa.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY**

Bombay, the 28th November 1986

Ref. No. AR-I/37EE/J1347/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 102, 1st floor, Shri Ramakrishna Sadan Building, Plot No. 63, Scheme No. 52, Worli, Bombay-400 018 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-4-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

Flat No. 102, 1st floor, Shri Ramakrishna Sadan Building, Plot No. 63, Scheme No. 52, Worli, Bombay-400 018.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10302/85-86 on 4-4-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 28-11-1986
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Business Combine Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

**ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY**

Bombay, the 28th November 1986

Ref. No. AR-I/37EE/11246/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Basement No. 10-A, Ground floor, Plot No. G, Poonam Chambers, Shivsagar Estate, Dr. Annie Besant Road, Bombay-400 018 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) By any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Basement No. 10-A, Ground floor, Poonam Chambers, Plot No. G, Shivsagar Estate, Worli, Dr. Annie Besant Rd., Bombay-400 018.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10281/85-86 on 1-4-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-persons, namely :—

Date : 28-11-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) J. B. Dadachanji &
Vinod Parekh.

(Transferor)

(2) Smt. Pratibha Gokhale &
Shri Vikram Gokhale.

(Transferee)

(3) Transferors.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 11th December 1986

Ref. No. AR-I/37EE/11252/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat on the 5th Floor of the Building known as Amalfi at Nepean Road, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat on the 5th Floor of the Building known as Amalfi at Nepean Road, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10291-A/85-86 on 1-4-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
20—426GI/86

Date : 11-12-1986

Seal :

FORM ITNS

(1) Naresh Kumar Rajendra Prasad Parikh.

(Transferor)

(2) Shri Vinesh Tokershi Shah (Veera) &

Smt. Jaya Tokershi Shah (Veera).

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 11th December 1986

Ref. No. AR-I/37EE/11284/85-86.—Whereas I,
NISAR AHMED,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 47-B, 5th floor, Geeta Bhavan Building Co-op. Housing Society, 93, B.D. Road, Bombay-400 036 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-4-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 47-B, 5th floor, Geeta Bhavan Building Co-operative Society Ltd., 93, B.D. Road, Bombay-400 036.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10290/85-86 on 4-4-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-12-1986

Seal :

FORM ITNS—

(1) Mr. Nanji Jivraj Karani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 28th November 1986

Ref. No. AR-I/37EE/11309/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office premises No. 1407, Panchratna Co-op. Hsg. Society Ltd., 22, Panchratna Mama Parmanand Road, Opera House, Bombay-4 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-4-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) 1. M/s. Atulkumar & Co, and
2. Smt. Chandanben M. Shah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office Premises No. 1407, 22, Panchratna, The Panchratna Co-op. Housing Society Ltd., 22, Mama Parmanand Marg, Opera House, Bombay-400 022.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10296/85-86 on 4-4-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-11-1986.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 20th November 1986

Ref. No. AR-I/37EE/11351/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 5, Ground floor, Scheherazade Co-op. Housing
Society Ltd., Plot No. 370, Street No. 55,
Off Arthur Bunder Road, Colaba, Bombay-400 005
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under
section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of
the Competent Authority at Bombay on 4-4-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (1) Mrs. Pearl Aileen Gough.
(Transferor)
- (2) Miss Katey Adulji & Others.
(Transferee)
- (3) Transferee.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 5, Ground floor, Scheherazade Co-op. Housing
Society Ltd., Plot No. 370, Street No. 55, Off Arthur Bunder
Road, Colaba, Bombay-400 005

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10305/85-86 on
4-4-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 20-11-1986
Seal :

Competent Authority

(1) Malabar Industries Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Prithviraj Parikh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-1
BOMBAY

Bombay, the 28th November 1986

Ref. No. AR-I/37EE/11417/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 323, 'D' Building, Petit Hall, 32nd Floor, 66,
Napeansea Road, Malabar Hill, Bombay-6
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under
section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of
the Competent Authority at Bombay on 1-5-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 323, 'D' Building, Petit Hall, C.S. No. 356 of
Malabar & Cumballa Hill Division, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10327/85-86 on
1-5-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 28-11-1986.
Seal :

FORM ITNS

- (1) Smt. Pramila Bhadrakumar Shah & Anr.
(Transferor)
(2) Smt. Ansuyaben Rasiklal Doshi & Anr.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 28th November 1986

Ref. No. AR-I/37EE/11526/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 12-A, 3rd floor, 'Shalimar Building', 91, Marine Drive, Bombay-400 002 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-5-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the Instrument of Transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meanings as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 12-A, 3rd Floor, Shalimar Building, 91, Marine Drive, Bombay-400 002.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10355/85-86 on 5-5-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-11-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Shardaben Ravindra Trivedi.

(Transferor)

(2) Shri Bhadrakumar Manilal Shah & Others.
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 28th November 1986

Ref. No. AR-I/37EE/11518/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 2, 1st floor, Neeta Society,
30, Marine Drive, Bombay-400 002.
situated at Bombay
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under
section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of
the Competent Authority at Bombay on 5-5-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 1st floor, Neeta Society, 90, Marine Drive,
Bombay-400 002.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10352/85-86 on
5-5-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 28-11-1986
Seal :

FORM ITNS

- (1) Smt. Rakesh Nandini Gupta. (Transferor)
 (2) M/s Mercury Travels (I) Ltd. (Transferee)
 (3) Mr. R. Sanga, Manager of M/s. Mercury Travels (I) Ltd. (Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 28th November 1986

No. AR-1/37EE/11448/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1, 1st floor, 'Parkview' Little Gibbs Road, Bombay-400 006. situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

Flat No. 1, 1st floor, Parkview, Little Gibbs Road, Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, Under S. No. AR-1/37EE/10341 on 1-5-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated: 28-11-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. P. Raghavan,

(Transferor)

(2) Sh. Janardan S. Dangat,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 28th November 1986

No. AR-1/37EE/11508/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 11, 1st floor
 'Kartar Bhavan' Minoo Desai

Road, Near Radio Club,
 Colaba, Bombay-400 005

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
 has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on

5-5-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 11, 1st floor, 'Kartar Bhavan' Minoo Desai Road, Near Radio Club, Colaba, Bombay-400 005.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-1/37EE/10350 on 5-5-1986.

NISAR AHMED
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-1, Bombay.

Dated: 28-11-1986
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
 21—426GI/86

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) Sh. Pankaj Girijashankar Shukla. (Transferor)
 (2) Sh. Indukumar Nyalchand Doshi & Smt. Saroj Indukumar Doshi. (Transferee)
 (3) The Transferor. (Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BOMBAY**

Bombay, the 28th November 1986

No. AR-I/37EE/11643.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 28, Aryan Mahal Bldg., 5th Floor, C. Road, Bombay-20, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-5-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 28, Aryan Mahal Bldg., 5th Floor, C. Road, Bombay-20.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10406 on 26-5-86.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated: 28-11-1986
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mr. Pasupuleti Dhanraj.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Bhogilal Laxmidhand Modi & Mrs. Sushila Bhogilal Modi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 28th November 1986

No. AR-I/37EE/11533/85-86.—Whereas, I
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 31 on 3rd floor in
'Prem Milan' CHSL, at
87-B, Napeansea Road,
Bombay-400 006.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on

5-5-1986
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

Flat No. 31 on 3rd floor in 'Prem Milan' CHSL at 87-B, Napeansea Road, Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/10358 on 5-5-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated: 28-11-1986
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Hemant T. Shah.

(Transferor)

(2) Pankaj K. Shah & Ans.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY**

Bombay, the 28th November 1986

No. AR-I/37EE/11519/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 3-D, 3rd floor,
Veena Happy Home CHSL,
28, Napeansea Road,
Bombay-400 026
situated at Bombay,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under section
269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the
Competent Authority at Bombay on 5-5-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 3-D, 3rd floor, Veena Happy Home CHSL, 28,
Napeansea Road, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/10353 on 5-5-
1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Dated: 28-11-1986
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 28th November 1986

No. AR-I/37EE/11531/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "Said Act"), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
 Flat No. 22, 5th floor in
 Meherabad CHSL, Warden Road,
 Bombay-400 026,
 situated at Bombay,
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)
 has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-5-1986
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Nirmala Gulab Advani.

(Transferor)

(2) Mr. Ram T. Shahani & Mukesh Murlidhar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 22, 5th floor, Meherabad CHSL, Warden Road, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/10356 on 5-5-1986.

NISAR AHMED
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I, Bombay.

Dated: 28-11-1986

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : ..

FORM ITN3

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Mrs. Zenobia F. Khushrooshah.
(Transferor)
(2) Mrs. Shantaben K. Vakharia & Ans.
(Transferee)
(3) Transferor.
(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 28th November 1986

No. AR-1/37EE/11469/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 803, 'Anand' of
Tirupati Mahalaxmi CHSL.,
Bhulabhai Desai Road,
Bombay-400 026
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under section
269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the
Competent Authority at Bombay on 5-5-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 803, 'Anand' of Tirupati Mahalaxmi CHSL
Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under S. No. AR-1/37EE/10343 on 5-
5-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Dated: 28-11-1986
Seal:

FORM ITNS

(1) M/s. Vikas Premises.

(Transferor)

(2) Master Babirav Bhagwanji.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 28th November 1986

No. AR-I/37EE/11516/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 701-A, 7th floor,
105/160, Walkeshwar Road,
Bombay-400 006
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under section
269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the
Competent Authority at Bombay on 5-5-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 701-A, 7th floor, 105/106, Walkeshwar Road,
Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/10351 on
5-5-1986.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Dated: 28-11-1986
Seal:

FORM ITNS

(1) Mrs. Indira A. Pastala.

(Transferor)

(2) M/s. Softech Consultants.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 28th November 1986

No. AR-I/37EE/11426/85-86.—Whereas, I,

NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 lakh and bearing No.

Flat No. 7 on 3rd floor of

Kuvar House CHSL,

112, Shahid Bhagatsingh Road,

Colaba, Bombay-400 005

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-5-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 7 on 3rd floor of Kuvar House CHSL., 112, Shahid Bhagatsingh Road, Colaba, Bombay-400 005.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/10640 on 1-5-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated: 28-11-1986
Seal:

FORM ITNS

- (1) Messrs Vikas Premises. (Transferor)
- (2) Miss Radhika Bhagwanji. (Transferee)
- (3) N.A. (Person in occupation of the property)
- (4) N.A. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 28th November 1986

No. AR-I/37EE/11476/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 801, 7th Floor, 105/106, Walkeshwar Road, Bombay-400 006, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-5-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice** in the Official Gazette or a period of **30 days from the service of notice on the respective persons**, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within **45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette**.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 801/A, 7th Floor, 105/106, Walkeshwar Road, Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/10345 on 5-5-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
22-426GI/86

Dated: 28-11-1986
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Sh. Laxman G. Bhagchandani & Others. (Transferor)
- (2) Deep Global Shipping Agencies Pvt. Ltd. (Transferee)
- (3) Transferors Exclusively in Possession. (Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 28th November 1986

No. AR-I/37EE/11478/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

Rs. 1,00,000/- and bearing

Office Premises No. 5,
1st Floor, Elphinstone
Premises Socy. Ltd.,
Murzban Road, Bombay-1.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-5-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Office Premises No. 5, 1st Floor, Elphinstone Premises Socy. Ltd., 17, Murzban Road, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/10346/ on 5-5-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated: 28-11-1986
Seal:

FORM ITNS

(1) Mrs. Rukmani Bulchand Sabhani.

(Transferor)

(2) Mr. Devshi Manji Patel & Others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
GOVERNMENT OF INDIA
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 28th November 1986

No. AR-I/37EE/11621.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 2, Sindhu, G-Road, 87 Marine Drive, Bombay-20, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-5-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 2, Sindhu, G-Road, 87 Marine Drive, Bombay-400 020.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10395 on 26-5-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Dated: 28-11-1986
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 28th November 1986

No. AR-I/37EE/11442/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269A of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. G-12, 7th floor, Malabar Apartments, Napean Sea Road, Bombay-400 036 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Mr. Suman Satwantsingh Gambhir & Mrs. Roopkala Suman Gambhir

Transferor(s)

(2) Mr. Suresh Sumanlal Shroff & Mrs. Nalini Suresh Shroff.

Transferee(s)

(3) Transferees

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. G-12, 7th floor, Malabar Apartments, Napeansea Road, Bombay-400 036.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10332/ on 1/5/1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Dated : 28/11/1986
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Mr. Shyamalesh Biswas & Anr.

Transferor(s)

(2) Mrs. Kokila Gunvant Shah & Anr.

Transferee(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 28th November 1986

No. AR-I/37EE/11439-85-86.—Wherens, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 12-A, Garage No. 'O' Ashutosh CHSL., Napean Sea
Road, Bombay-400 006
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under section
269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the
Competent Authority at Bombay on 1-5-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 12-A, Garage No. 'O' Ashutosh CHSL., Napean
Sea Road, Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10334 on
1/5/1986.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Dated : 28/11/1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Sterling Investment Corporation P. Ltd.

Transferor(s)

(2) Rajendra J. Parikh & Others.

Transferee(s)

(3) The tenants are in occupation of the whole bldg.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 11th December 1986

No. AR-I/37EE/11638.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot of land at Cuffe Parade & Windy Lane, Colaba, C.S. No. 34 & 491 of Colaba Division, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-5-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land at Cuffe Parade & Windy Lane, Colaba, C.S. No. 34 & 491 Colaba Division, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10404 on 26/5/1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 11/12/1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Mohini C. Thadhani.

Transferor(s)

(2) Mrs. Hiroo Yash Johar.

Transferee(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 15th December 1986

No. AR-I/37EE/11440/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 92 on the 9th floor "Acropolis—A" Little Gibbs Road, Malabar Hill, Bombay-400 006 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 92, 9th floor, "Acropolis A" Building, Little Gibbs Road, Malabar Hill, Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10335 on 1/5/1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I,
 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 15/12/1986
 Seal :

FORM ITNS

(1) Uhde India Limited.

Transferor(s)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**(2) Mrs. A. D. Jain &
Mr. Rajesh Jain.

Transferee(s)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY**

Bombay, the 15th December 1986

No. AR-I/37EE/11532/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 84-A on 8th floor of Meher Apartments at Anstey Road, off Altamount Road, Bombay-400 026
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-5-1986
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer, as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 84-A, on 8th floor of Meher Apartments at Anstey Road, off Altamount Road, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10357 on 5-5-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 15/12/1986
Seal :

FORM HTNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 15th December 1986

No. AR-I/37EE/11624.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Associated Co-Op. Hsg. Socy. Ltd., Sukhamani 'A', 683 Bomanji Petit Road, Bombay-36 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-5-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Nimi Ramchand Thadani.

Transferor(s)

(2) Mrs. Rekha Lakhi Chulani & Mr. Lakhi Govindram Chulani.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Associated Co-op. Housing Socy. Ltd., Sukhamani 'A', 683 Bomanji Petit Road, Bombay-36.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10396, on 26-5-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
23—426GI/86

Dated : 15/12/1986

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Rohitkumar D. Kandar & Madhukanta Rohitkumar Mamdar

Transferor(s)

(2) Hemant Thakorlal Shah & Harsha Hemant Shah

Transferee(s)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 15th December 1986

No. AR-I/37EE/11628.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1, 6th Floor 'B' Wing of Sky-scraper Bldg., Bhulabhai Desai Road, Bombay-26 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-5-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 6th Floor, 'B' Wing of Skyscraper Bldg., Bhulabhai Desai Road, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10398 on 26/5/1986.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Dated : 15/12/1986
Seal :

FORM ITNS—

- | | |
|---|--|
| (1) Mr. Vijay Shantilal Shroff & others | Transferor(s) |
| (2) Mrs. Laxmidevi N. Jajodia & other. | Transferee(s) |
| (3) Self. | (Person in occupation of the property) |
| (4) N.A. | (Person whom the undersigned knows to be interested in the property) |

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 12th December 1986

No. AR-I/37EE/11630.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 62, 6th Floor, Anupama 11, Manav Mandir Road, Malabar Hill, Bombay-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-5-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 62, 6th Floor, Anupama, 11, Manav Mandir Road, Malabar Hill, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10399 on 26/5/1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-12-1986.
Seal :

FORM ITNS

(1) Miss Suman Satsangi.

Transferor(s)

(2) Shri Kirti Sumanlal Sheth &
Smt. Ramila Kirti Sheth

Transferee(s)

(3) Miss Suman Satsangi

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 15th December 1986

No. AR-I/37EE/11632.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 4, Om Dariya Mahal Co-op. Hsg. Socy. Ltd., Dariya Mahal 3, 80, Napean Sea Road, Bombay-6
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-5-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Om Dariya Mahal Co-op. Hsg. Socy. Ltd., Dariya Mahal, 80, Napean Sea Road, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10400 on 26/5/1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, Thereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 15/12/1986
Seal :

JETT

FORM ITNS—

(1) Mr. Mohamed Hussain Aboobaker &
Mrs. Hawabai Mohamed Hussain
Transferor(s)

(2) Mr. Praful Jagmohandas Mehta &
Mrs. Panna Praful Mehta
Transferee(s)

(3) The Purchasers
(Person in occupation of the property)

(4) None.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 15th December 1986

No. AR-1/37EE/11637.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Premises No. 24, 2nd Floor, Maker Towers 'L' Cuffe Parade
Bombay-5
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred and the same is registered under section
269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the
Competent Authority at Bombay on 26-5-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer
and/or

THE SCHEDULE

Premises No. 24, 2nd floor, Maker Towers 'L', Cuffe Parade,
Bombay-5.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/10403 on
26/5/1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Dated : 15/12/1986
Seal :

FORM ITNS

- | | |
|-------------------------------------|--|
| (1) Shree Mansinghka Oil Mills Ltd. | Transferor(s) |
| (2) V.I.P. Industries Ltd. | Transferee(s) |
| (3) N.A. | (Person in occupation of the property) |
| (4) N.A. | (Person whom the undersigned knows to be interested in the property) |

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 15th December 1986

No. AR-I/37EE/12133/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 274, 27th Floor 'D' Bldg., Petit Hall, Napean Sea Road, Bombay-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-7-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 274 on 27th Floor, 'D' Bldg., Petit Hall, Napean Sea Road, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10569/14/7/1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 15/12/1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 15th December 1986

Ref. No. AR-I/1/37G5391/86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property bearing C.S. No. 1/3504 and 1/3440 of Byculla Division situated at Rippon Road, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 24-4-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) The Hindustan Spinning & Weaving Mills Ltd. (Transferor)
- (2) Sanjay Properties Private Limited. Transferee(s)
- (3) Transferor (Person in occupation of the property)
- (4) None except parties hereto. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

Scheduled as mentioned in the registered Deed No. Bom. 827/86 and registered on 27-9-1986 with sub-registrar, Bombay.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date : 27-11-1986
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Prince Enterprise.

(Transferor)

(2) Bhaveshwar Enterprises.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II (A),
BOMBAY-400 038

Bombay, the 12th December 1986

Ref. No. AR. II (A) /37EE/33592/85-86.—Whereas, I,
A. BAIDYA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Property situate at Sahar Village bearing CTS No. 122 (Pt.)
Vile Parle (E), Bombay.
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent
Authority at
Bombay on 15 April 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing CS No. 122 (Pt.) 123 (Pt.) 123/1 to 4,
124/1 to 5 133 (Pt.) at Vile Parle, Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR. II (A) /37EE/33592/85-
86 on 17 April 1986.

A. BAIDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II (A)
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 12-12-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Jasmine Estate Developers Pvt. Ltd.
(Transferor)(2) Shri Harshad Himatilal Parikh &
Smt. Jayagauri Himatilal Parikh.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II (A)
CONTRACTOR BLDG., BALLARD ESTATE
BOMBAY

Bombay, the 12th December 1986

Ref. No. AR.II(A)/37EE.33403/85-86.—Whereas, I,
A. BAIDYA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 9, Rupayatan Building, SV Road, Vile Parle (W), Bombay-56, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u/s 226AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 8 April, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 9, 2nd floor, Rupayatan Building at SV Road, Vile Parle (W), Bombay-56.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II(A)/37EE/33403/85-86 on 8-4-1986.

A. BAIDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II(A), Bombay.

Dated : 12-12-1986
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
24—426GI/86

FORM IINS

(1) Gundecha Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Super Electronics.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE II(A)
CONTRACTOR BLDG., BALLARD ESTATE
BOMBAY

Bombay, the 12th December 1986

Ref. No. AR.II(A)/37EE.33544/85-86.—Whereas, I,

A. BAIDYA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 11-A, Pallavi Beach-Angel, Opp. Military House, Juhu Vile Parle (W), Bombay.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred & registered u/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 17th April 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 11-A, 1st floor 'Pallavi Beach-Angel', Opp. Military House, Military Road, Ruia Park, Juhu Vile Parle (W), Juhu, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II(A)/37EE/33544/85-86 on 17 April 1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. BAIDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II(A), Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 12-12-1986
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Gundecha Builders.

(Transferor)

(2) M/s. Simplex Concrete Piles (India) Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II(A)
CONTRACTOR BLDG., BALLARD ESTATE
BOMBAY

Bombay, the 12th December 1986

Ref. No. AR.II(A)/37EE/33709/85-86.—Whereas, I,
A. BAIDYA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 23, Pallavi Beach-Angel, Juhu Vile Parle (W),
Juhu, Bombay.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred the agreement is registered under section
269AB of the said Act in the office of the Competent
Authority at Bombay on 25 April, 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as,
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

Flat No. 23, 2nd floor, Wing B, Pallavi Beach Angel,
Opp. Military House, Military Road, Ruia Park, Juhu Vile
Parle (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.II(A)/37EE/33709/85-86
on 25 April 1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

A. BAIDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II(A), Bombay.

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Dated : 12-12-1986

Seal :

FORM ITNB**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) M/s. Shyam Construction Co.

(Transferor)

(2) M/s. Sangam Enterprises.

(Transferee)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE-II(A)
CONTRACTOR BLDG., BALLARD ESTATE
BOMBAY

Bombay, the 12th December 1986

Ref. No. AR-II(A)/37EE.33412/85-86.—Whereas, I,
A. BALDYA,
 being the Competent Authority under section 269-B of
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding
 Rs. 1,00,000/- and bearing
 CTS No. 1236 of Vile Parle village on junction of station
 Rd. & D.J. Road, Vile Parle village on junction of station
 (Pt) & F. P. No. 12, TPS III Vile Parle (West), Bombay-56
 situated at Bombay
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred the agreement is registered under
 Section 269AB said Act, in the office of the Competent
 Authority at Bombay on 9 April, 1986
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property, and I have reason
 to believe that the fair market value of the property as
 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
 more than fifteen per cent of such apparent consideration
 and that the consideration for such transfer as agreed to between
 the parties has not been truly stated in the said instrument
 of transfer with the object of :—

**Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, as
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

CTS No. 1236 of Vile Parle village on junction of station
 Rd., & D.J. Road, Vile Parle (West) bearing F. P. No. 11
 (Pt) & F. P. No. 12, TPS III Vile Parle (West), Bombay-56

The agreement has been registered by the Competent
 Authority, Bombay under No. AR-II(A)/37EE/33412/85-
 86 on 9 April 1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for the
 purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
 (27 of 1957);

A. BALDYA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II(A), Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under
 subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely:—

Dated : 12-12-1986
 Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Xavier D'mello & Hazel P. D'Mello.
M/s. Bhante & Associates.

(Transferor)

(2) M/s. Patel Plaza Pvt. Ltd.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II(A)
CONTRACTOR BLDG., BALLARD ESTATE
BOMBAY

Bombay, the 12th December 1986

Ref. No. AR.II(A)/37EE.33505/85-86.—Whereas, I,
A. BAIDYA,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and 25 Hissa No. 5, (Part) CTS 234 at village Ambivli, Andheri (W), Bombay,
 situated at Bombay
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority a Bombay on 15th April 1986
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land bearing survey No. 25, Hissa No. 5 (Part) CTS 234 situated in Village Ambivli Taluka, Andheri (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR II(A)/37EE/33505/85 86 on 15 April 1986.

A. BAIDYA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II(A), Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 12-12-1986
 Seal :

FORM ITNS.

(1) M/s. K. R. Associates.

(Transferor)

(2) Mr. Shamla Monga.
Mr. Om Prakash Monga.
Mr. Surendrakumar Monga.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II(A)
CONTRACTOR BLDG., BALLARD ESTATE
BOMBAY

Bombay, the 12th December 1986

Ref. No. AR.II(A)/37EE.33688/85-86.—Whereas, I,
A. BAIDYA,
being the competent authority Under section 269 B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 403, Horizon View-I, Off Jai Prakash Road, Versova, Bombay-400 061.
situated at Bombay
(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB said Act, in the office of the Competent Authority at Bombay on 23 April, 1986
for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 403, Horizon View-I, situated on plot No. 70, of S. Nos. 91A & 95A (Pt) Off Jai Prakash Road, Versova, Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II(A)/37EE/33688/85-86 on 23-4-1986.

A. BAIDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II(A), Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 12-12-1986

Seal :

FORM ITNS

(1) Varuna Investment Ltd.

(Transferor)

(2) The National Radio & Electronics Co. Ltd.
(NELCO)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II (A),
BOMBAY-400 038

Bombay, the 12th December 1986

Ref. No. A.R. II(A)/37EE/33260/85-86.—Whereas I,
 K. C. SHAH,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 83/2 (Pt.) 83/3 (Pt.) 84/2 (Pt.) 118/1 (Pt.) & 118/2 (Pt.) CTS No. 238 (Part) of Village Mulgaon & CTS Nos. 8 (Pt.), 8/1 (Pt.) & 8/2 (Pt.) at Chakala, Andheri (E), Bombay,
 situated at Bombay
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1 April 1986
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land bearing S. No. 83/2 (Pt.), 83/3 (Pt.), 84 (2) Part, 118/1 (Pt.) 118/2 (Pt.) and CTS No. 238 (Pt.) of Village Mulgaon & CTS Nos. 8 (Pt.), 8/1 (Pt.) & 8/2 (Pt.) of village Chakala, Andheri (E), Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. A.R. II(A)/37EE/33260/85-86 on 1 April 1986.

K. C. SHAH
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II (A)
 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-12-1986
 Seal :

FORM IIMS

(1) Sh. Hemant Hirabhai Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 15th December 1986

Ref. No. AR-I 3/G/5580/86.—Whereas, 1,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Cadastral Survey No. 18, Girgaum Division, D Ward, St., Nos. 5-7, Mama Parmanand Marg, Charni Road, Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrar Officer at Bombay on 1-4-1986
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as aforesaid between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Mrs. Giuvanti Bapalal Mehta & Mrs. Sonal Romy Mehta.
(Transferee)

(3) Vendor.

(Person in occupation of the property)

(4) Vendor

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Bombay 207/85 registered on 1-4-1986 with the sub-registrar, Bombay.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under sub-sections, namely :—

Date : 15/12/86
Seal :

FORM ITNS

(1) Varuna Investment Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) The National Radio & Electronics Co. Ltd.
(NELCO)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II (A),
BOMBAY-400 038

Bombay, the 12th December 1986

Ref. No. AR. II (A) /37EE/33261/85-86.—Whereas, I,
A. BAIDYA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
S. No. 83-2, Part, 83/3 part, 84/2 part, 84/4 part, 118/1 part
and 118/2 part CTS No. 238 (Pt.) Chakla Andheri (West),
Bombay,
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent
Authority at
Bombay on 1 April 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 83/2 part, 83/3 part, 84/2 part, 84/4
part, 118/1 part and 118/2 part, CTS No. 238 (Pt.) of Mul-
gaon CTS No. 8 (Part) Chakala, Andheri (E), Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR. II(A) /37EE/33261/85-
86 on 1-4-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

A. BAIDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II (A)
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
25—426GI/86

Date : 12-12-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Malli Madhav Kulkarni.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Ram Dutt Apartment Co. op. Housing Society Ltd.
(Transferee)
- (3) Transferee.
(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II (A),
BOMBAY

Bombay, the 12th December 1986

Ref. No. AR. II(A)/37G/3886/Apr. 86.—Whereas, J,
A. BAIDYA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Survey No. 97C of Andheri (W) and CS No. 106 at Andheri
(West), Bombay-58,
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Bombay on 23-4-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-864/
82 and Registered on 23-4-1986 with the Sub-Registrar,
Bombay.

A. BAIDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II (A)
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 12-12-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Surendra C. Javeri & Ors.

(Transferor)

(2) M. L. Gupta.

(Transferee)

(3) Siraj Kamruddin, Process Timber Products,
Presto Lite.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II (A),
BOMBAY

Bombay, the 12th December 1986

Ref. No. AR.II(A)/37G/3888/May 86.—Whereas, I, A. BAIDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property being old S. No. 156 Plot No. 1, Now N.A. No. 156B under Municipal Ward No. H. 104/D formerly known as Ghodbunder Rd. now known as S. V. Road, Vile Parle (W). situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 2-5-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S. 158 and registered on 2-5-1986 with the Sub. Registrar, Bombay.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. BAIDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II (A)
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-12-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s M. R. Combine

(Transferor)

(2) Mr. Chandraprakash Mittal
Mrs. Kusum C. Mittal

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II(A)
BOMBAY

Bombay, the 12th December 1986

Ref. No. AR-II(A)/37EE/33568/85-86.—Whereas, I,
A. BAIDYA,
 being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 209 plus parking No. 12, 'JAL DARSHAN' Ruia Park, Juhu, Bombay-49 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17 April 1986
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the Instrument of Transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meanings as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 209 plus parking No. 12, 'Jal Darshan' on Portion of 18-Y of land bearing S. No. 44 H. No. 1 (Pt.) & 2(Pt.) at Ruia Park, Juhu, Bombay-49.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II (A)/37EE/33568/85-86 on 17 April, 1986.

A. BAIDYA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II(A)
 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-12-1986
 Seal :

FORM ITNS

(1) M/sM. R. Combine

(Transferor)

(2) Mr. Surindersingh Bhalla

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II(A)
BOMBAY

Bombay, the 12th December 1986

Ref. No. AR-II(A)/37EE/33691/85-86.—Whereas, I, A. BAIDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 409+Scooter Parking No. 8, Jal Darshan, Ruia Park, Juhu, Bombay-49 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23 April, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 409+Scooter Parking No. 8 in the building known as 'Jal Darshan' of 18-Y of land bearing S. No. 44, H. No. 1(Pt) & 2 (Pt) at Ruia Park, Juhu, Bombay-400 049.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II(A)/37EE/33691/85-86 on 23 April, 1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. BAIDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission of Income-tax
Acquisition Range-II(A)
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-12-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Juhu Estate Corporation

(Transferor)

(2) Mr. Umesh Vishindas Nasta &
Mr. Vinod Vishindas Nasta

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II(A)
BOMBAY

Bombay, the 12th December 1986

Ref. No. AR-II(A)/37EE/33563/85-86.—Whereas, 1,
A. BAIDYA,
 being the Competent Authority under Section 269B of
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding
 Rs. 1,00,000/- and bearing
 Flat No. 23-C, 2nd floor in the Bldg 'Ruia Park', Juhu,
 situated at Bombay
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred and the agreement is registered under
 section 269AB of the said Act in the Office of the Competent
 Authority at Bombay on
 17 April 1986
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property, and I have reason
 to believe that the fair market value of the property as
 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
 more than fifteen per cent of such apparent consideration
 and that the consideration for such transfer as agreed to between
 the parties has not been truly stated in the said instrument
 of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 23-C on 2nd floor in the Building known as
 'Ruia Park' at Survey No. 47 Juhu, Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II(A)/33563/85-86 on 17 April, 1986.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. BAIDYA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commission of Income-tax
 Acquisition Range-II(A)
 Bombay

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-12-1986
 Seal :

FORM ITNS

(1) Rishi Shamsher J. B. Rana

(Transferor)

(2) Akbar Padamsee

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II(A)
BOMBAY**

Bombay, the 12th December 1986

Ref. No. AR-II(A)/37EE/33692/85-86.—Whereas, I,
A. BAIDYA,
 Rs. 1,00,000/- and bearing
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding
 Rs. 1,00,000/- and bearing
 Flat on 6th floor, Piroja Court at 5-A, Gandhigram Road,
 Juhu, Bombay-49
 situated at Bombay,
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred and the agreement is registered under
 section 269AB of the said Act in the Office of the Competent
 Authority at Bombay on
 23 April, 1986
 for an apparent consideration which is less than the
 fair market value of the aforesaid property and I have rea-
 son to believe that the fair market value of the property
 as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by
 more than fifteen per cent of such apparent consideration
 and that the consideration for such transfer as agreed to
 between the parties has not been truly stated in the said
 instrument of Transfer with the object of :—

**Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-
 vable property, within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are
 defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

Flat on the Six floor, West Wing, Piroja Court Co-operative
 Housing Society, 5-A, Gandhigram Road, Juhu, Bombay-49.

The Agreement has been registered by the Competent
 Authority, Bombay under No. AR-II(A)/37EE/33692/85-86
 on 23 April, 1986.

A. BAIDYA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commission of Income-tax
 Acquisition Range-II(A)
 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
 tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

Date : 12-12-1986
 Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. G. C. Enterprises

(Transferor)

(2) Smt. Shardaben Bhogilal Vora
Shri Rajesh Bhogilal Vora

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II (A),
BOMBAY

Bombay, the 12th December 1986

Ref. No. AR-II(A) /37EE/33589/85-86.—Whereas, I,
A. BAIDYA,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 6 at Madhuvan, Juhu Vile Parle Scheme, Plot No. 9, CTS 345/19 situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17 April, 1986 Hissar under Registration No. 4431 dated 29-10-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transaction and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 6 at Madhuvan, 3rd floor, Juhu Vile Parle Scheme, Plot No. 9, CTS 345/19.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II(A) /37EE/33589/85-86 on 17 April, 1986.

A. BAIDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II(A)
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-12-1986
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Kartar Kaur Kochar,
C-4A/8A, Janakpuri,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Poonam Bawa,
Mr. K. K. Bhasin,
Mrs. Prabha Bhasin,
E-6, Panchila Park, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-V, AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, New Delhi-1

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 11th December 1986

Ref. No. IAC/Acq-V/SR-III/4-86/540.—Whereas, I,
A. K. MANCHANDA
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
C-16, Soami Nagar Colony situated at village Chiragh Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the registering Officer at
New Delhi on 16th July 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 36 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of Indian Income-tax Act, 1922, (11
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act
1957 (27 of 1957).

Plot of land admeasuring 300 sq. yards bearing No. C-16,
Soami Nagar, Colony in village Chiragh Delhi, in the Union
Territory of Delhi, together with a residential building con-
structed thereon.

A. K. MANCHANDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-V, Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

26—426GI/86

Date : 11-12-1986
Seal :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION
NOTICE

SPECIAL CLASS RAILWAY APPRENTICES,
EXAMINATION, 1987

New Delhi, the 24th January, 1987

No F.5/2/86-E1(B).—An examination for selection of candidates for appointment as Special Class Apprentices in the Indian Railway Service of Mechanical Engineers will be held by the Union Public Service Commission at AGARTALA, AHMEDABAD, AIZAWL, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CHANDIGARH, COCHIN, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, IMPHAL ITANAGAR, JAIPUR, JAMMU, JORHAT, KOHIMA, LUCKNOW, MADRAS, NAGPUR, PANAJI (GOA), PATNA, PORT BLAIR, RAIPUR, SHILLONG, SIMLA, SRINAGAR, TIRUPATI, TRIVANDRUM, UDAIPUR AND VISHAKHAPATNAM commencing on the 14th July, 1987 in accordance with the Rules published by the Ministry of Railways (Railway Board) in the Gazette of India dated the 24th January, 1987.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY, AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (*See Annexure 1, para 11*).

2. The approximate number of vacancies to be filled on the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of alteration.

Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

3. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110 011, on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 (Rupees two only) which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110 011, by Money Order, or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. *This amount of Rs. 2.00 (Rupees two only) will in no case be refunded.*

NOTE :—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE SPECIAL CLASS RAILWAY APPRENTICES' EXAMINATION, 1987. APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE SPECIAL CLASS RAILWAY APPRENTICES' EXAMINATION, 1987 WILL NOT BE ENTERTAINED.

4. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110 011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 23rd March, 1987 (6th April, 1987 in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J & K State, Lahaul and Spiti District and Pangti Sub-Division of Chamba district of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 23rd March, 1987 and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above) accompanied by necessary documents. *No application received after the prescribed date will be considered.*

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J & K State, Lahaul and Spiti District and Pangti Sub-Division of Chamba district of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J & K State, Lahaul and Spiti District and Pangti Sub-Division of Chamba district of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 23rd March, 1987.

Note (i)—Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J & K State, etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.

Note (ii)—Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.

5. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 36.00 (Rupees Thirty-six only) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office or Crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

**CANDIDATES BELONGING TO SCHEDULED CASTES/
SCHEDULED TRIBES ARE NOT REQUIRED TO PAY
ANY FEE.**

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador

or representative abroad, as the case may be for credit to the account head "0.51 Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 6 BELOW.

6. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971 or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963 or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964, or is a *bona fide* displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973, and is not in a position to pay the prescribed fee.

7. A refund of Rs. 21.00 (Rupees Twenty-one only) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If however, the application of a candidate seeking admission to the examination in terms of Note II below rule 6 is rejected on receipt of information that he has failed in the qualifying examination or will otherwise be unable to comply with the requirements of the provisions of the aforesaid Note, he will not be entitled to a refund of fee.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above and in para 8 below nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

8. If any candidate who took the Special Class Railway Apprentices' Examination held in 1986 wishes to apply for admission to this examination he must submit his application so as to reach the Commission's Office by the prescribed date without waiting for the results or an offer of appointment. If he is recommended for appointment on the results of the 1986 Examination, his candidature for the 1987 examination will be cancelled on request and the fee refunded to him, provided that the request for cancellation of candidature and refund of fee is received in the Commission's Office within 30 days from the date of publication of the final result of the 1986 examination in the Employment News.

9. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

10. The question papers in all the subjects, as indicated in the scheme of examination at Appendix I to the Rules will consist of objective type questions. For details pertaining to objective Type Tests including sample questions, reference may be made to "Candidates' Information Manual" at Annexure-II.

M. K. KRISHNAN

Dy. Secy.

Union Public Service Commission

ANNEXURE—I

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATES MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION.

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 15th June, 1987 will not be entertained under any circumstances.

2. The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting in ink or with ball-point pen. An application which is incomplete or is wrongly filled in will be rejected.

Candidates should note that only International form of Indian numerals are to be used while filling up the application form. Even if the date of birth in the SSLC or its equivalent certificate has been recorded in Hindi numerals, the candidate should ensure that while entering it in the Application Form he uses International form of Indian numerals only. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should, therefore, take special care to fill up the application forms correctly.

All candidates, whether already in Government Service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government Service whether in a permanent or temporary capacity or as workcharged employees other than casual or daily rated employees or those serving under Public Enterprises are, however required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of office/Department that they have applied for the Examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

3. A candidate must send the following documents with the application :—

- (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee. (*See para 5 of Notice*).
- (ii) Attested/certified copy of certificate of age.
- (iii) Attested/certified copy of certificate of Educational qualification.
- (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. x 7 cm. approx.) photograph of the candidate; one copy pasted on the application form and the other on the Attendance Sheet in the space provided therein.
- (v) Statement in the candidate's own handwriting and duly signed giving a short narrative of his career at school and college and mentioning both his educational and sports success.
- (vi) Attested/certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable. (*See para 4 below*).
- (vii) Attested/certified copy of certificate in support of claim for age concession/fee remission, where applicable. (*See paras 5 and 6 below*).
- (viii) Attendance sheet (attached with the application form), duly filled in.
- (ix) Two self-addressed, unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms. x 27.5 cms.

NOTE (i)—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATION ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED AT ITEMS (ii), (iii), (vi) and (vii) ABOVE ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTERVIEW FOR THE PERSONALITY TEST ON THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE. THE RESULT OF THE WRITTEN

EXAMINATION IS LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF SEPTEMBER, 1987. THEY SHOULD KEEP THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES IN READINESS FOR SUBMISSION AT THE TIME OF THE PERSONALITY TEST. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME, WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

NOTE (ii)—CANDIDATES ARE FURTHER REQUIRED TO SIGN THE ATTESTED/CERTIFIED COPIES OF ALL THE CERTIFICATES SENT ALONG WITH APPLICATION FORM AND ALSO TO PUT THE DATE.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) are given below and of those in items (vi) and (vii) are given in paras 4, 5 and 6 :—

(i) (a) *CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee*—

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows :—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office".

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office.

(b) *CROSSED Bank Draft for the prescribed fee*—

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi and should be duly crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

Note :—Candidates should write their name and address on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the name and address should be written by the candidates on the reverse of the Postal Order at the space provided for the purpose.

(ii) *Certificate of Age*—

The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate.

No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases, a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination, showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application will be rejected.

NOTE 1.—A CANDIDATE WHO HOLDS A COMPLETED SECONDARY SCHOOL CERTIFICATE NEED SUBMIT ONLY AN ATTESTED/CERTIFIED COPY OF THE PAGE CONTAINING ENTRIES RELATING TO AGE.

NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN THE MATRICULATION/HIGHER SECONDARY EXAMINATION CERTIFICATE OR AN EQUIVALENT CERTIFICATE ON THE DATE OF SUBMISSION OF APPLICATION WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION AND NO SUBSEQUENT REQUEST FOR ITS CHANGE WILL BE CONSIDERED OR GRANTED.

NOTE 3.—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OR AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) *Certificate of Educational qualification*—

A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 6. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualifications. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the

candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

If the attested/certified copy of the University Certificate of passing the Intermediate or any other qualifying examination submitted by a candidate in support of his educational qualification does not indicate all the subjects passed, an attested/certified copy of a certificate from the Principal showing that he has passed the qualifying examination with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry must be submitted.

A candidate whose case is covered by Rule 6(c) or Rule 6(f) must submit an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below, from the Registrar of the University/Principal of the College/Hend of the Institution concerned, as proof of the educational qualification possessed by him.

The form of certificate to be produced by the candidate :

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari* son/daughter* of Shri is/was* a bone-fide student of this University/College/Institution.*

2. He/She* has passed the first year examination under the three year degree course/first year Examination of the five year Engineering Degree Course/first year Examination of the three year diploma course in Rural Service of the National Council for Rural Higher Education* and is not required to reappear in any of the subjects prescribed for the first year.

OR

He/She* has passed in division the first/second* year examination of the three year degree course/first year examination under the five year Engineering degree Course* conducted by the University of

3. @He/She* was examined in the following subjects :

1.

2.

3.

4.

@Not applicable to those studying for the five year degree course in Engineering.

(Signature of the Registrar/Principal)
(Name of the University/College/Institution*)

Date.....

Place

*Strike one whichever is not applicable.

A candidate covered by Note 1 below Rule 6 must submit an attested/certified copy of a certificate from the Principal/Headmaster of the institution from where he passed the examination showing that his aggregate of marks falls within the range of marks for first or second division as prescribed by the University/Board.

NOTE.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been informed of the result may apply for admission to this examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates must, however, submit an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below, from the Principal of the College/Institution concerned. They will be admitted to this examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, as soon as possible and in any case not later than 24th August, 1987.

A candidate thus admitted is required to submit the proof of passing the qualifying examination by the above time limit, whether he qualifies or not at the written part of this examination. If he fails to comply with this instruction his candidature will be cancelled and he will not be entitled to know the result.

The form of certificate to be produced by the candidate :

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari* son/daughter* of is expected to appear/has appeared*/at Examination conducted by in the month of 19 with the following subjects—

- (i)
- (ii)
- (iii)
- (iv)

(Signature of Principal)
(Name of the College/Institution*)

Date

Place.....

*Strike out whichever is not applicable.

(iv) *Two copies of photographs.*—

A candidate must submit two identical copies of recent passport size (5 cm. x 7 cm. approximately), photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), 3(iii), 3(iv) and 3(v) above without a reasonable explanation for its absence having been given the

application will be rejected and no appeal against its rejection will be entertained.

4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other Officer as indicated below, of the district in which his parents' or (surviving parent) ordinarily reside, who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate; if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the Certificate to be produced by Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India :

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari* son/daughter* of of village/town* in District/Division* of the State/Union Territory* belongs to the Caste/Tribe* which is recognised as Scheduled Caste/Scheduled Tribe* under :—
the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950@
the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950@.

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951@

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951@

as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists Modification Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960 the Punjab Reorganisation Act, 1966 the State of Himachal Pradesh Act, 1970, and the North-Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976.]
the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order 1956@

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976@

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962@

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962@

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order 1954@

the Constitution (Scheduled Tribes) Uttar Pradesh Order, 1967@

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968@

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968@
 the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970@
 the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978@
 the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order 1978@

%2. Applicable in the case of Scheduled Castes/Scheduled Tribes persons who have migrated from one State/Union Territory Administration.

This certificate is issued on the basis of the Schedule Caste/Scheduled Tribes certificate issued to Shri/Shrimati*..... Father/mother of Shri/Shrimati/Kumari* of village/town*..... in District/Division* of the State/Union Territory*..... belongs to who belong to the caste/tribe* which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe*

in the State/Union Territory*..... issued by the dated.....

%3. Shri/Shrimati/Kumari* and/or his/her* family ordinarily reside(s) in village/town* District/Division* of the State/Union Territory* of

Signature
 **Designation
 (with seal of office)

Place

Date Union Territory

*Please delete the words which are not applicable

@Please quote specific Presidential order.

%Delete the paragraph which is not applicable

Note.—The terms "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

**List of authorities empowered to issue Caste/Tribe certificates :—

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

†(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

(iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.

(iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.

(v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.

5. (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) claiming age concession under Rule 5 (b) (ii) or 5 (b) (iii) and/or remission of fee under paragraph 6 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964, and 25th March 1971 :—

- (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakanya Project or of Relief Camps in various States;
- (2) District Magistrate of the Area in which he may for the time being, be resident;
- (3) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in their respective district;
- (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge.
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.

(ii) A repatriate or prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 5 (b) (iv) or 5 (b) (v) and/or remission of fee under paragraph 6 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.

(iii) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 5 (b) (vi) or 5 (b) (vii) and/or remission of fee under paragraph 6 of the Notice should produce an attested/certified copy of the identify certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963; or an attested/certified copy of certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a bona fide repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963.

(iv) A candidate disabled while in the Defence Service, claiming age concession under Rule 5 (b) (viii) or 5 (b) (ix) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below, from the Director-General Resettlement, Ministry of Defence to show that he was disabled while in the Defence Services in Operations during hostilities, with any foreign country or in disturbed area, and released as a consequence thereof.

The form of the Certificate to be produced by the candidate :—

Certified that Rank No. Shri of Unit was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with a foreign country/in a disturbed area* and was released as a result of such disability.

Signature

Designation

Date

*Strike out whichever is not applicable.

(v) A repatriate of Indian origin who has migrated from Vietnam claiming age concession under Rule 5 (b) (x) or 5 (b) (xi) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being, be resident to show that he is a bona fide repatriate from Vietnam and has migrated to India from Vietnam not earlier than July, 1975.

(vi) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or who is repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia claiming age concession under Rule 5 (b) (xii) or 5 (b) (xiii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being, be resident to show that he is a bona fide migrant from the countries mentioned above.

(vii) Ex-servicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs claiming age-concession in terms of Rule 5 (b), (xiv) 5 (b) (xv), 5 (b) (xvi) or 5 (b) (xvii) should produce an attested/certified copy of the certificate, as applicable to them in the form prescribed below from the authorities concerned.

(A). Applicable for Released/Retired Personnel

It is certified that No. Rank Name whose date of birth is has rendered service from to in Army/Navy/Air Force and he fulfills ONE of the following conditions :—

(a) Has rendered five or more years military service and has been released on completion of assignment otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency.

(b) Has been released on account of physical disability attributable to military service or on invalidment on

Name and Designation
of the Competent Authority

Station

Date

SEAL

(B) Applicable for serving personnel who are due to be released within six months.

It is certified that No. Rank Name whose date of birth is is serving in the Army/Navy/Air Force from

2. He is due for release/retirement w.e.f. is likely to complete his assignment of five years by

Name and Designation
of the Competent Authority

Station

Date

SEAL

"(C) APPLICABLE FOR SERVING PERSONNEL WHO HAVE ALREADY COMPLETED THEIR INITIAL ASSIGNMENT AND ARE ON EXTENDED ASSIGNMENT.

It is certified that No. Rank Name whose date of birth is is serving in the Army/Navy/Air Force from

2. He has already completed his initial assignment of five years on and is on extended assignment till

3. There is no objection to his applying for civil employment and he will be released on three months notice on selection from the date of receipt of offer of appointment."

Name and Designation of the Competent Authority.
Station

Date

.....

Seal

Authorities who are competent to issue certificate are as follows :—

(a) In case of Commissioned Officers including ECOs/SSCOs.

Army—Military Secretary's Branch, Army Hqrs, New Delhi.

Navy—Directorate of Personnel Naval Hqrs, New Delhi.

Air Force—Directorate of Personnel Officers Air Hqrs, New Delhi.

(b) In case of JCOs/ ORs and equivalent of the Navy and Air Force.

Army—By various Regimental Record Offices.

Navy—BABS, Bombay.

Air Force—Air Force Records, (NERW), New Delhi.

(viii) A displaced person from erstwhile West Pakistan claiming age concession under Rule 5(b) (xviii) or 5(b) (xix) and/or remission of fee under paragraph 6 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a *bona fide* displaced person from West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973 :—

- (1) Camp Commandant of the Transit Centres or of Relief Camps in various States;
- (2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being the resident;
- (3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
- (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge;
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner.

(ix) "A resident of Assam claiming age concession under Rule 5(b)(xx), or 5(b)(xxi) should produce an attested certified copy of a certificate from the District Magistrate or Sub-Divisional Officer within whose jurisdiction he ordinarily resided, to the effect that he had been a resident of the State of Assam during the period from 1st January 1980 to 15th August 1985".

The Form of Certificate to be produced by the candidate :—

This is to certify that Shri/Shrimati/Km _____ Son/daughter of _____ had been a resident of the State of Assam in the Village/town _____ police Station _____ Sub-Division _____ of District _____ from _____ to _____ during the period from the 1st day of January, 1980 to the 15th day of August, 1985.

District Magistrate

District

Sub-Divisional Officer

Sub-division

Seal.

Date of Issue _____

6. A candidate belonging to any of the categories referred to in para 5(i), (ii), (iii) and (viii) above and seeking remission of the fee under paragraph 6 of the Notice should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

7. A person in whose case a certificate of eligibility is required, should apply to the Government of India, Ministry of Railways (Railway Board), for issue of the required certificate of eligibility in his favour.

8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

9. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

10. Every application including late one, received in the Commission's Office is acknowledged and Application Registration number is issued to the candidate in token of receipt of his application. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date prescribed for receipt of application for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

The fact that the Application Registration number has been issued to the candidate does not, *ipso facto* mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

11. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of this application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

12. The Union Public Service Commission have brought out a priced publication entitled "Candidates Manual for U.P.S.C. Objective Type Examination". This publication is designed to be of assistance to prospective candidates of U.P.S.C. Examination or Selections.

This publication is on sale with Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110 054 and may be obtained from him direct by Mail orders or on cash payment. This can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, Opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110 001 and (ii) Sale Counter of the Publications Branch at Udyog Bhawan, New Delhi-110011 and (iii) The Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-1. The

Manual is also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

13. Communications Regarding Applications.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI (110 011) AND SHOULD INvariably CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS :—

- (1) NAME OF EXAMINATION.
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (3) APPLICATION REGISTRATION NUMBER/ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE APPLICATION REGISTRATION NUMBER/ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B. (i)—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

N.B. (ii)—IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND ACTION WILL BE TAKEN THEREON.

14. Change in address.—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY, CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 13 ABOVE ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

ANNEXURE-II

CANDIDATES INFORMATION MANUAL

A. OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write answers. For each question (hereinafter referred to as item) several suggested answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one answer to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

B. NATURE OF THE TEST

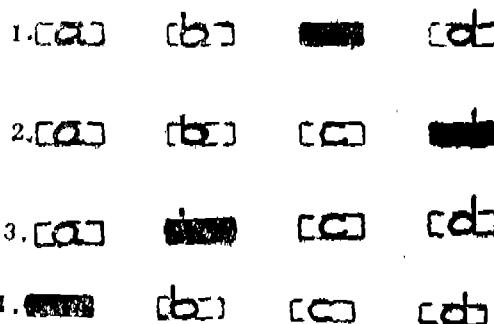
The question paper will be in the form of a TEST BOOKLET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3,.....etc. Under each item will be given suggested answers marked a, b, c, d. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best answer. (See "sample items" at the end). In any

case, in each item you have to select only one answer; if you select more than one, your response will be considered wrong.

C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET (a specimen copy of which will be supplied to you along with the Admission Certificate) will be provided to you in the examination hall. You have to mark your response on the answer sheet. Response marked on the Test Booklets or in any paper other than the Answer Sheet will not be examined.

In the Answer Sheet number of items from 1 to 160 have been printed in four 'Parts'. Against each item, rectangular spaces marked, a, b, c, d, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given answer is correct or the best, you have to mark the rectangle containing the letter of the selected answer by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the rectangles on the Answer Sheet.



IT IS IMPORTANT THAT—

1. You should bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.
2. To change a wrong marking, erase it completely and re-mark the new choice. For this purpose, you must bring along with you an eraser also.
3. Do not handle your Answer Sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

1. You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.
2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
3. No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.
4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the Answer Sheet to the Invigilator/Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.

5. You will be required to fill in some particulars on the Answer Sheet in the examination hall. You will also be required to encode some particulars on Answer Sheet. Instructions about this will be sent to you along with your Admission Certificate.

6. You are required to read carefully all instructions given in the Test-Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the Answer Sheet is ambiguous you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.

7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a clip-board or a hard-board or a card-board on which nothing should be written. You are not allowed to bring any scrap (rough paper, or scales or drawing instrument) into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you on demand. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your Answer Sheet at the end of the test.

E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall, the invigilator will give you the Answer Sheet. Fill up the required information on the Answer Sheet. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet, on receipt of which you must ensure that it contains the booklet number otherwise get it changed. Write your Roll Number on the first page of the Test Booklet before opening the Test Booklet. You are not allowed to open the Test Booklet until you are asked by the Supervisor to do so.

F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All items carry equal marks. Attempt all of them. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Remain in your seat and wait till the invigilator collects all the necessary material from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet, the answer sheet and the sheet for rough work out of the examination Hall.

SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

(Note—debate the correct best answer-option)

1. (General Studies)

Bleeding of the nose and the ears is experienced at high altitudes by mountain climbers because.

- (a) the pressure of the blood is less than the atmospheric pressure.
- *(b) the pressure of the blood is more than the atmospheric pressure.
- (c) the blood vessels are subjected to equal pressures on the inner and outer walls.
- (d) the pressure of the blood fluctuates relative to the atmospheric pressure.

2. (English)

(Vocabulary—Synonyms)

There was a record turnout of voters at the municipal elections.

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- (c) very large
- *(d) largest so far

3. (Agriculture)

In Arhar, flower drops can be reduced by one of the measures indicated below:

- *(a) spraying with growth regulators
- (b) planting wider apart
- (c) planting in the correct season
- (d) planting with close spacing.

4. (Chemistry)

The anhydride of H_2VO_4 is

- (a) VO_3
- (b) VO_4
- (c) V_2O_3
- (d) V_2O_5

5. (Economics)

Monopolistic exploitation of labour occurs when:

- *(a) wage is less than marginal revenue product
- (b) both wage and marginal revenue product are equal
- (c) wage is more than the marginal revenue product
- (d) wage is equal to marginal physical product.

6. (Electrical Engineering)

A coaxial line is filled with a dielectric of relative permittivity 9. If C denotes the velocity of propagation in free space, the velocity of propagation in the line will be.

- (a) $3C$
- (b) C
- *(c) $C/3$
- (d) $C/9$

7. (Geology)

Plagioclase in a basalt is

- (a) Oligoclase
- *(b) Labradorite
- (c) Albite
- (d) Anorthite.

8. (Mathematics)

The family of curves passing through the origin and satisfying the equation

8. (Mathematics)

The family of curves passing through the origin and satisfying the equation

$\frac{d^2y}{dx^2} - \frac{dy}{dx} = 0$ is given by

- (a) $y=ax+b$
- (b) $y=ax$
- *(d) $y=acx^2 - a$

9. (Physics)

An ideal heat engine works between temperatures $400^\circ K$ and $300^\circ K$. Its efficiency is

- (a) $3/4$
- *(b) $(4-3)/4$
- (c) $4/(3+4)$
- (d) $3/(3+4)$

10. (Statistics)

The mean of a Binomial variate is 5. The variance can be

- (a) 42
- *(b) 3
- (c) ∞
- (d) -5

11. (Geography)

The Southern part of Burma is most prosperous because

- (a) it has vast deposits of mineral resources
- *(b) it is the deltaic part of most of the rivers of Burma
- (c) has excellent forest resources
- (d) most of the oil resources are found in this part of the country.

12. (Indian History)

Which of the following is NOT true of Brahmanism?

- (a) Brahmanism always claimed a very large following even in the heyday of Buddhism.
- (b) Brahmanism was a highly formalised and pretentious religion.
- *(c) With the rise of Brahmanism, the Vedic sacrificial fire was relegated to the background.
- (d) Sacraments were prescribed to mark the various stages in the growth of an individual.

13. (Philosophy)

Identify the atheistic group of philosophical systems in the following :

- (a) Buddhism, Nyaya, Carvaka, Mimamsa.
- (b) Nyaya, Vaishesika, Jainism and Buddhism, Caryaaka.
- (c) Advaita, Vendanta, Samkhya, Carvaka, Yoga.
- *(d) Buddhism, Samkhya, Mimamsa, Caryaaka.

14. (Political Science)

'Functional representation' means :

- *(a) election of representatives to the legislature on the basis of vocation.
- (b) pleading the cause of a group or a professional association.
- (c) election of representatives in Vocational organization.
- (d) indirect representation through Trade Unions.

15. (Psychology)

Obtaining a goal leads to

- (a) increase in the need related to the goal.
- *(b) reduction of the drive state.
- (c) instrumental learning.
- (d) discrimination learning

16. (Sociology)

Panchayati Raj institutions in India have brought about one of the following :

- *(a) formal representation of women and weaker sections in village government.
- (b) untouchability has decreased.
- (c) land-ownership has spread to deprived classes.
- (d) education has spread to the masses.

NOTE :—Candidates should note that the above sample items (questions) have been given merely to serve as examples and are not necessarily in keeping with the syllabus for this examination.